A

॥ ऐँ नमः ॥

चिन्तन हैम संस्कृत
भव्य-वाक्य संग्रह

卐

: सौजन्य :

प.पू.मु. श्री भुवनविजयान्तेवासी मु.श्री जम्बूविजयजी म.सा.नी
प्रेरणाथी
(१) श्री सिद्धि-भुवन-मनोहर-जैन ट्रस्ट, अमदावाद तथा
(२) श्री जैन, आत्मानन्द सभा-भावनगर.

卐

: लेखक : संपादक : प्रकाशकश्च :
हरेशभाई लवजीभाई कुबड़िया

॥ ऐं नमः ॥

चिन्तन हैम संस्कृत भव्य-वाक्य संग्रह

: मुद्रापक :

प.पू.मु. श्री भुवनविजयान्तेवासी मु.श्री जम्बूविजयजी म.सा.नी प्रेरणाथी

(१) श्री सिद्धि-भुवन-मनोहर-जैन ट्रस्ट, अमदावाद तथा

(२) श्री जैन आत्मानन्द सभा-भावनगर.

卐

: लेखक : संपादक : प्रकाशकश्च :

श्री विजय केशरसूरी स्याद्वाद विद्यामन्दिर

तथा

श्री भीनमाल महाविदेह धामना अध्यापक

हरेशभाई लवजीभाई कुबडिया

मूल्य - पठन - पाठन

संवत् - २०६१ नकल - १००० ई. सं. २००५

वीर सं. २५३१ आवृत्ति - प्रथम

प्राप्ति स्थान :

१. हरेशभाई लवजीभाई कुबडिया,
१३, नवकार एपार्टमेन्ट,
हाई स्कूलनी पाछळ तलेटी रोड,
पालिताणा-३६४२७०
मोबाइल नं. ९४२६३१६८८१

२. श्री विजय केशरसूरीश्वरजी
स्याद्वाद विद्यामन्दिर,
गिरि विहार, तलेटी रोड,
पालिताणा -३६४२७०.

३. श्री भीनमाल महाविदेह धाम, तलेटी रोड, पालिताणा - ३६४२७०

....लेखनना सहभागी....

१. प.पू.सा.श्री तत्त्वगुणाश्रीजी.म.सा. (सागर समुदाय)
२. श्रेष्ठिवर्यश्री हसमुखभाई शामजीभाई धामी विले-पारले (इस्ट)
३. सुभाषनगर जैन संघ उज्जैन ह. राजकुमार संघवी
४. पंकजकुमार मोतीचन्द्र झवेरी (मुंबई)

પ્રકરણ-ભાષ્ય-કર્મગ્રન્થ-પંચસંગ્રહ-કમ્મપયડી-બૃહત્સંગ્રહણી-બૃહત્ક્ષેત્ર સમાસ-લોકપ્રકાશ-તત્ત્વાર્થ-ટીકાઓ-પ્રથમા-મધ્યમા-ઉત્તમા-રઘુવંશ-નૈષધ-કિરાત-ત્રિષષ્ટિ-પ્રાકૃત-વ્યાકરણ-ન્યાયભૂમિકા--તર્કસંગ્રહ-મુક્તાવલી-સ્યાદ્વાદમંજરી-પ્રમાણનય-રત્નાકરાવતારિકા-વ્યાપ્તિપંચક-યોગ શતક-યોગદૃષ્ટિ સમુચ્ચય-યોગવિંશિકા-વિંશતિર્વિંશિકા-ષોડશક

પ્રાચીનલિપિના ★ અભ્યાસ માટે મળો ★

હરેશભાઈ લવજીભાઈ કુબડિયા મો. : ૯૪૨૬૩ ૧૬૮૮૯
૧૩, નવકાર એપા. હાઈ સ્કૂલની પાછળ, શત્રુંજય પાર્ક,
તળેટી રોડ, પાલિતાણા - ૩૬૪૨૭૦

© સર્વ હક્ક લેખકને સ્વાધીન છે. ©

આ પુસ્તક જ્ઞાન ખાતાનું હોઈ શ્રાવકે ઉપયોગ રાખી અધ્યયન કરવું.

મુદ્રક : મિશ્રા ગ્રાફિક્સ ફોન : (૦૭૯) ૨૨૬૮૧૮૧૪

लेखनना सहभागी.....

दिव्यकृपा

खरतरगच्छाधिपति

गणाधीश श्रीमज्जिन सुखसागरजी म. सा.

दिव्याशीष

आगमज्योति पू. प्र. श्री सज्जनश्रीजी म. सा.

शुभाशीर्वाद

गणाधीश प्रवर प.पू. श्री कैलाशसागरजी म.सा.

उपाध्याय प्रवर मरूधरमणि प.पू. श्रीमणिप्रभ सागरजी म.सा.

पावनप्रेरणा

प्रखर व्याख्यात्री संघरत्ना 'सज्जनमणि'

श्री शशिप्रभाश्रीजी म.सा.

श्री बडौदरा जैन खरतरगच्छीय

संघ के ज्ञानद्रव्य से रु. ५०००/-

का सहयोग मिला है ।

धन्यवाद

अनुक्रमणिका

क्रम	विषय	पृष्ठ	क्रम	विषय	पृष्ठ
१.	अहम्	१	२७.	अपादान	३३
२.	आवाम्	२	२८.	विना	३४
३.	वयम्	४	२९.	सम्प्रश्न	३७
४.	त्वम्	६	३०.	वर्तमान - नकारात्मक	४१
५.	युवाम्	७	३१.	ह्यस्तन - नकारात्मक	४२
६.	यूयम्	८	३२.	विध्यर्थ - नकारात्मक	४२
७.	सः	९	३३.	आज्ञार्थ - नकारात्मक	४३
८.	तौ	१०	३४.	तुम्	४४
९.	ते	११	३५.	त्वा	४७
१०.	कर्ता	१२	३६.	हेतुनाम - प्रयोजनरूप	५१
११.	गति कर्म	१३	३७.	हेतुनाम - सहायरूप	५३
१२.	सामान्य कर्म	१४	३८.	सम्भव	५५
१३.	करण	१५	३९.	सती सप्तमी	५९
१४.	सह	१६	४०.	अनादर षष्ठी	६३
१५.	सप्रदान (माटे)	१८	४१.	विशेषण-विशेष्य (विभक्ति)	६६
१६.	आपवुं	१९	४२.	विशेषण-विशेष्य+कृदन्त	७०
१७.	रुचि	२०	४३.	वर्तमान कृदन्त	७६
१८.	स्पृहा	२१	४४.	अलम्	८०
१९.	अपादान	२२	४५.	कार्य-कारण	८३
२०.	सम्बोधन	२३	४६.	धिग्	८७
२१.	विशेषण-विशेष्य	२५	४७.	बहुव्रीहि	९०
२२.	वर्तमान-कर्तरि+भावे (प्रथमपुरुष)	२७	४८.	नञ् तत्पुरुष	९५
२३.	वर्तमान-कर्तरि+भावे (द्वितीयपुरुष)	२८	४९.	द्वन्द्व	९७
२४.	वर्तमान-कर्तरि+भावे (तृतीयपुरुष)	२९	५०.	गौण नाम षष्ठी	९९
२५.	वर्तमान-कर्तरि+भावे (नाम)	३१	५१.	गुजराती+संस्कृत	१०९
२६.	वर्तमान-कर्तरि+भावे (नाम)	३२	५२.	पत्रम्/पत्रकम्/दलम्	१२७

अहम्

१. हुं नमुं छुं
२. हुं चमकुं छुं
३. हुं सीखुं छुं
४. हुं दोरुं छुं
५. हुं जागुं छुं
६. हुं उल्लंघन करुं छुं
७. हुं इच्छुं छुं
८. हुं परीक्षा(लवुं) करुं छुं
९. हुं प्रयाण करुं छुं
१०. हुं प्रसन्न थावुं छुं
११. हुं अनुभवुं छुं
१२. हुं तिरस्कार करुं छुं
१३. हुं क्रीडा करुं छुं
१४. हुं स्मरण करुं छुं
१५. हुं आजीविका चलावुं छुं
१६. हुं छोडुं छुं
१७. हुं विवाद करुं छुं
१८. हुं दान आपुं छुं
१९. हुं निकळुं छुं
२०. हुं पलळुं (भीजाऊं) छुं
२१. हुं दुःखी थावुं छुं
२२. हुं चालुं छुं
२३. हुं आचरुं छुं
२४. हुं भणुं छुं
२५. हुं खावुं छुं
२६. हुं रक्षण करुं छुं
२७. हुं बोलुं छुं
२८. हुं रहुं (वसुं) छुं
२९. हुं पठन करुं छुं
३०. हुं अटन करुं छुं
३१. हुं पूजा करुं छुं
३२. हुं छोडी दऊं छुं
३३. हुं खाऊं छुं
३४. हुं खरुं छुं
३५. हुं जाप करुं छुं
३६. हुं खुश थावुं छुं
३७. हुं गीत गावुं छुं
३८. हुं गमन करुं छुं
३९. हुं देखुं छुं
४०. हुं खीलुं छुं
४१. हुं अनुसरुं छुं
४२. हुं अनुभव करुं छुं
४३. हुं समर्थ थाउं छुं
४४. हुं रमुं छुं
४५. हुं वंदन करुं छुं
४६. हुं भाषण करुं छुं
४७. हुं प्राप्त करुं छुं
४८. हुं रांधुं छुं
४९. हुं इच्छुं छुं
५०. हुं ध्यान धरुं छुं
५१. हुं सेवा करुं छुं
५२. हुं वावुं छुं
५३. हुं मांगुं छुं
५४. हुं लखुं छुं
५५. हुं स्पर्श करुं छुं
५६. हुं कम्पुं छुं
५७. हुं आळोटुं छुं
५८. हुं नृत्य करुं छुं

५९. हुं मुंझावुं छुं
६०. हुं ललचावुं छुं
६१. हुं पोषण करुं छुं
६२. हुं विचार करुं छुं
६३. हुं शान्त पडुं छुं
६४. हुं दण्डुं छुं
६५. हुं वर्णन करुं छुं
६६. हुं जाहेर करुं छुं
६७. हुं तोळुं छुं
६८. हुं शणगारुं छुं
६९. हुं कथा करुं छुं
७०. हुं चिन्ता करुं छुं
७१. हुं दुःख दऊं छुं
७२. हुं रंगुं छुं
७३. हुं शोक करुं छुं
७४. हुं मानुं छुं
७५. हुं शीखुं छुं
७६. हुं वखाणुं छुं
७७. हुं वर्णवुं छुं
७८. हुं प्रवेश करुं छुं
७९. हुं बोलुं छुं
८०. हुं फरुं छुं
८१. हुं जीवुं छुं
८२. हुं त्याग करुं छुं
८३. हुं निन्दा करुं छुं
८४. हुं सरकुं छुं
८५. हुं सम्भाळुं छुं
८६. हुं उडुं छुं
८७. हुं मळुं छुं
८८. हुं तरुं छुं
८९. हुं जोवुं छुं
९०. हुं शोभुं छुं
९१. हुं ध्रुजुं छुं
९२. हुं प्रकाशुं छुं

आवाम्

१. अमे बे नमीए छीए
२. अमे बे रहीए छीए
३. अमे बे आश्रय लईए छीए
४. अमे बे प्रवेश करीए छीए
५. अमे बे रचीए छीए
६. अमे बे अटकीए छीए
७. अमे बे शोचीए छीए
८. अमे बे चढीए छीए
९. अमे बे प्राप्त करीए छीए
१०. अमे बे वेचीए छीए
११. अमे बे ओळंगीए छीए
१२. अमे बे शोधीए छीए
१३. अमे बे मानीए छीए
१४. अमे बे मुकीए छीए
१५. अमे बे उखेडीए छीए
१६. अमे बे वावीए छीए
१७. अमे बे भेटीए छीए
१८. अमे बे आलोटीए छीए
१९. अमे बे रोपीए छीए
२०. अमे बे मांगीए छीए
२१. अमे बे रटीए छीए
२२. अमे बे सांचवीए छीए
२३. अमे बे मलीए छीए
२४. अमे बे लखीए छीए

२५.	अमे बे स्पर्श करीए छीए	५५.	अमे बे स्मरण करीए छीए
२६.	अमे बे खीलीए छीए	५६.	अमे बे आजीवीका चलवीए छीए
२७.	अमे बे कम्पीए छीए	५७.	अमे बे छोडीए छीए
२८.	अमे बे आवीए छीए	५८.	अमे बे विवाद करीए छीए
२९.	अमे बे नृत्य करीए छीए	५९.	अमे बे दान आपीए छीए
३०.	अमे बे संतोष पामीए छीए	६०.	अमे बे निकलीए छीए
३१.	अमे बे मुंझाईए छीए	६१.	अमे बे भींजाईए छीए
३२.	अमे बे ललचाईए छीए	६२.	अमे बे दुःखी थईए छीए
३३.	अमे बे पोषण करीए छीए	६३.	अमे बे बोलीए छीए
३४.	अमे बे विचारीए छीए	६४.	अमे बे प्रमाद करीए छीए
३५.	अमे बे पूजा करीए छीए	६५.	अमे बे दीपीए छीए
३६.	अमे बे शान्त पाडीए छीए	६६.	अमे बे मानीए छीए
३७.	अमे बे दण्ड करीए छीए	६७.	अमे बे क्रोध करीए छीए
३८.	अमे बे वर्णन करीए छीए	६८.	अमे बे थाकीए छीए
३९.	अमे बे जाहेर करीए छीए	६९.	अमे बे मलिए छीए
४०.	अमे बे तोलीए छीए	७०.	अमे बे बेसीए छीए
४१.	अमे बे शणगारीए छीए	७१.	अमे बे पुछीए छीए
४२.	अमे बे कहीए छीए	७२.	अमे बे आदेश करीए छीए
४३.	अमे बे चमकीए छीए	७३.	अमे बे लखीए छीए
४४.	अमे बे शिखीए छीए	७४.	अमे बे विचारीए छीए
४५.	अमे बे उल्लंघन करीए छीए	७५.	अमे बे चोरी करीए छीए
४६.	अमे बे दोरीए छीए	७६.	अमे बे गणत्री करीए छीए
४७.	अमे बे इच्छीए छीए	७७.	अमे बे उडीए छीए
४८.	अमे बे परीक्षा करीए छीए	७८.	अमे बे पक्षाल करीए छीए
४९.	अमे बे प्रयाण करीए छीए	७९.	अमे बे गणत्री करीए छीए
५०.	अमे बे प्रसन्न थईए छीए	८०.	अमे बे इच्छीए छीए
५१.	अमे बे जागीए छीए	८१.	अमे बे घोषणा करीए छीए
५२.	अमे बे अनुभव करीए छीए	८२.	अमे बे रांधीए छीए
५३.	अमे बे तिरस्कार करीए छीए	८३.	अमे बे प्रश्न पूछीए छीए
५४.	अमे बे क्रीडा करीए छीए		

८४. अमे बे पीईए छीए
८५. अमे बे शणगार करीए छीए
८६. अमे बे अनुसरीए छीए
८७. अमे बे रचना करीए छीए
८८. अमे ब्रे मोह पामीए छीए
८९. अमे बे चिन्तन करीए छीए
९०. अमे बे नमीए छीए
९१. अमे बे भणीए छीए
९२. अमे बे पडीए छीए
९३. अमे बे बोलीए छीए
९४. अमे बे खाईए छीए
९५. अमे बे चालीए छीए
९६. अमे बे जीवीए छीए
९७. अमे बे जपीए छीए
९८. अमे बे निंदा करीए छीए
९९. अमे बे सरकीए छीए
१००. अमे बे तरीए छीए
१०१. अमे बे प्राकाशीए छीए

वयम्

१. अमे नमीए छीए
२. अमे नृत्य करीए छीए
३. अमे अभिमान करीए छीए
४. अमे युद्ध करीए छीए
५. अमे मेलवीए छीए
६. अमे वहन करीए छीए
७. अमे विसामो लईए छीए
८. अमे थाकी जईए छीए
९. अमे शरण लईए छीए
१०. अमे वसीए छीए
११. अमे राज्य करीए छीए
१२. अमे यत्न करीए छीए
१३. अमे साचवीए छीए
१४. अमे बनावीए छीए
१५. अमे श्रृंगार करीए छीए
१६. अमे मुंझाईए छीए
१७. अमे भरीए छीए
१८. अमे भजीए छीए
१९. अमे तपीए छीए
२०. अमे कंटालीए छीए
२१. अमे निकलीए छीए
२२. अमे हारीए छीए
२३. अमे रांधीए छीए
२४. अमे खुश थईए छीए
२५. अमे चमकीए छीए
२६. अमे शिखीए छीए
२७. अमे उल्लंघन करीए छीए
२९. अमे दोरीए छीए
२९. अमे इच्छीए छीए
३०. अमे परीक्षा लईए छीए
३१. अमे प्रयाण करीए छीए
३२. अमे प्रसन्न थईए छीए
३३. अमे जागीए छीए
३४. अमे अनुभव करीए छीए
३५. अमे तिरस्कार करीए छीए
३६. अमे क्रीडा करीए छीए
३७. अमे स्मरण करीए छीए
३८. अमे आजीविका चलवीए छीए
३९. अमे छोडीए छींए

४०.	अमे विवाद करीए छीए	७०.	अमे प्रवेश करीए छीए
४१.	अमे दान आपीए छीए	७१.	अमे भेटीए छीए
४२.	अमे भींजाईए छीए	७२.	अमे क्रोध करीए छीए
४३.	अमे दुःखी थईए छीए	७३.	अमे विहार करीए छीए
४४.	अमे लखीए छीए	७४.	अमे रडीए छीए
४५.	अमे स्पर्श करीए छीए	७५.	अमे उभा छीए
४६.	अमे खीलीए छीए	७६.	अमे फरकीए छीए
४७.	अमे कम्पीए छीए	७७.	अमे विजय पामीए छीए
४८.	अमे आलोटीए छीए	७८.	अमे तरीए छीए
४९.	अमे ललचाईए छीए	७९.	अमे छांटीए छीए
५०.	अमे मुंझाईए छीए	८०.	अमे वांछीए छीए
५१.	अमे पोषण करीए छीए	८१.	अमे रहीए छीए
५२.	अमे विचारीए छीए	८२.	अमे भणीए छीए
५३.	अमे पूजा करीए छीए	८३.	अमे पडीए छीए
५४.	अमे शान्त पाडीए छीए	८४.	अमे बोलीए छीए
५५.	अमे दण्ड करीए छीए	८५.	अमे खाईए छीए
५६.	अमे वर्णन करीए छीए	८६.	अमे चालीए छीए
५७.	अमे तोलीए छीए	८७.	अमे जीवीए छीए
५८.	अमे शणगारीए छीए	८८.	अमे आचरीए छीए
५९.	अमे कहीए छीए	८९.	अमे निन्दा करीए छीए
६०.	अमे गर्जना करीए छीए	९०.	अमे सरकीए छीए
६१.	अमे पार पामीए छीए	९१.	अमे सम्भालीए छीए
६२.	अमे सरकीए छीए	९२.	अमे उडीए छीए
६३.	अमे त्याग करीए छीए	९३.	अमे मलीए छीए
६४.	अमे शोधीए छीए	९४.	अमे जोईए छीए
६५.	अमे रचना करीए छीए	९५.	अमे शोभिए छीए
६६.	अमे रक्षण करीए छीए	९६.	अमे ध्रुजीए छीए
६७.	अमे घोषणा करीए छीए	९७.	अमे चमकीए छीए
६८.	अमे चोरी करीए छीए	९८.	अमे प्रकाशीए छीए
६९.	अमे सिंचन करीए छीए		

त्वम्

१.	तुं नमे छे	२९.	तुं रडे छे
२.	तुं भणे छे	३०.	तुं गाय छे
३.	तुं पडे छे	३१.	तुं रमत करे छे
४.	तुं रक्षण करे छे	३२.	तुं भोजन करे छे
५.	तुं बोले छे	३३.	तुं उपरथी पडे छे
६.	तुं त्याग करे छे	३४.	तुं रस्तामां आलोटे छे
७.	तुं कहे छे	३५.	तुं विसर्जन करे छे
८.	तुं पूजा करे छे	३६.	तुं जाहेर करे छे
९.	तुं अटन करे छे	३७.	तुं अपेक्षा राखे छे
१०.	तुं दोडे छे	३८.	तुं इच्छे छे
११.	तुं जय पामे छे	३९.	तुं वखाणे छे
१२.	तुं भेंटे छे	४०.	तुं वरसे छे
१३.	तुं मेळवे छे	४१.	तुं परिवर्तन करे छे
१४.	तुं मोह पामे छे	४२.	तुं शोक करे छे
१५.	तुं माने छे	४३.	तुं प्रमोद करे छे
१६.	तुं वर्ते छे	४४.	तुं महेनत करे छे
१७.	तुं बोलावे छे	४५.	तुं राज्य करे छे
१८.	तुं जमे छे	४६.	तुं द्रोह करे छे
१९.	तुं बनावे छे	४७.	तुं खुश थाय छे
२०.	तुं झंखे छे	४८.	तुं गोखे छे
२१.	तुं रंगे छे	४९.	तुं परीक्षा करे छे
२२.	तुं हसे छे	५०.	तुं पोषण करे छे
२३.	तुं आवे छे	५१.	तुं सारुं वर्तन करे छे
२४.	तुं जाय छे	५२.	तुं अटके छे
२५.	तुं मारे छे	५३.	तुं तरे छे
२६.	तुं हसे छे	५४.	तुं प्रगटावे छे
२७.	तुं दण्डे छे	५५.	तुं विजय पामे छे
२८.	तुं पीडे छे	५६.	तुं प्रार्थना करे छे
		५७.	तुं तोले छे
		५८.	तुं ध्यान धरे छे

५९. तुं चाले छे
६०. तुं वसे छे

युवाम्

१. तमे बे नमस्कार करो छो
२. तमे बे नृत्य करो छो
३. तमे बे पडो छो
४. तमे बे नाशी जावो छो
५. तमे बे गुस्से थाव छो
६. तमे बे शान्त पाडो छो
७. तमे बे दोडो छो
८. तमे बे रांधो छो
९. तमे बे गभरावो छो
१०. तमे बे गोखो छो
११. तमे बे अटन करो छो
१२. तमे बे जीवो छो
१३. तमे बे शोक करो छो
१४. तमे बे कोप करो छो
१५. तमे बे त्याग करो छो
१६. तमे बे तरो छो
१७. तमे बे पीडो छो
१८. तमे बे लखो छो
१९. तमे बे जमो छो
२०. तमे बे दोडो छो
२१. तमे बे प्रयाण करो छो
२२. तमे बे अटको छो
२३. तमे बे सिद्ध थावो छो
२४. तमे बे विहार करो छो
२५. तमे बे शोभो छो
२६. तमे बे सेवा करो छो
२७. तमे बे सिञ्चन करो छो
२८. तमे बे भागो छो
२९. तमे बे प्रवेश करो छो
३०. तमे बे दुःखी थाव छो
३१. तमे बे शान्त करो छो
३२. तमे बे खसो छो
३३. तमे बे उभा छो
३४. तमे बे याद करो छो
३५. तमे बे हसो छो
३६. तमे बे पालन करो छो
३७. तमे बे मानता नथी
३८. तमे बे गर्जन करो छो
३९. तमे बे गांडा थावो छो
४०. तमे बे निरीक्षण करो छो
४१. तमे बे निवेदन करो छो
४२. तमे बे परिहार करो छो
४३. तमे बे प्रसंशा करो छो
४४. तमे बे प्रार्थना करो छो
४५. तमे बे लोभ करो छो
४६. तमे बे तिरस्कार करता नथी
४७. तमे बे स्वाद लो छो
४८. तमे बे फेलाव छो
४९. तमे बे विपरीत बोलो छो
५०. तमे बे इच्छा करो छो
५१. तमे बे ताबे थावो छो
५२. तमे बे आबाद थावो छो
५३. तमे बे चरो छो
५४. तमे बे गीत गावो छो
५५. तमे बे जीतो छो
५६. तमे बे क्रीडा करो छो

५७. तमे बे जाप करो छो

यूयम्

१. तमे नमो छो
२. तमे रखडो छो
३. तमे पूजा करो छो
४. तमे चालो छो
५. तमे तजो छो
६. तमे जीवो छो
७. तमे रक्षण करो छो
८. तमे वसो छो
९. तमे परिवर्तन पामो छो
१०. तमे अहीं विद्यमान छो
११. तमे खेद पामो छो
१२. तमे खोटी श्लाघा करो छो
१३. तमे (संस्कृत) शीखो छो
१४. तमे रोष करो छो
१५. तमे (अमने) वर्जो छो
१६. तमे माफ करो छो
१७. तमे उठो छो
१८. तमे उद्धार करो छो
१९. तमे सर्जन करो छो
२०. तमे विहार करता नथी
२१. तमे प्रयाण करो छो
२२. तमे भाषण द्यो छो
२३. तमे आश्रय लो छो
२४. तमे गभरातां नथी
२५. तमे उद्धार करतां नथी
२६. तमे झंखो छो
२७. तमे तिरस्कार करो छो
२८. तमे भागो छो
२९. तमे विराम ल्यो छो
३०. तमे प्राप्त करो छो
३१. तमे महेनत करो छो
३२. तमे वावो छो
३३. तमे मस्त थावो छो
३४. तमे मुंझाव छो
३५. तमे खेद पामो छो
३६. तमे अटन करो छो
३७. तमे फरो छो
३८. तमे खावो छो
३९. तमे भणो छो
४०. तमे क्षोभ पामो छो
४१. तमे कथा करो छो
४२. तमे निंदा करो छो
४३. तमे वधो छो
४४. तमे चोरी करो छो
४५. तमे गणो छो
४६. तमे आपो छो
४७. तमे मंगावो छो
४८. तमे लई जाव छो
४९. तमे चोरो छो
५०. तमे वन्दन करो छो
५१. तमे रांधो छो
५२. तमे हरण करो छो
५३. तमे पूछो छो
५४. तमे इच्छो छो
५५. तमे सजावो छो
५६. तमे (पट्टराणी ने) मलो छो

सः

१.	ते फेलाय छे	२९.	ते (सूर्य) तपे छे
२.	ते तजे छे	३०.	ते (शीतलता) आपे छे
३.	ते कम्पे छे	३१.	ते राज्य करे छे
४.	ते रहे छे	३२.	ते गांडो थाय छे
५.	ते विसामो ले छे	३३.	ते जन्म पामे छे
६.	ते उडे छे	३४.	ते नाशे छे
७.	ते हर्ष पामे छे	३५.	ते प्रकाशे छे
८.	ते तिरस्कार करे छे	३६.	ते तपे छे
९.	ते आदेश करे छे	३७.	ते बले छे
१०.	ते (अहीं) मस्त छे	३८.	ते दीपे छे
११.	ते वरसे छे	३९.	ते उडे छे
१२.	ते प्रवेश करे छे	४०.	ते वसे छे
१३.	ते सुकाय छे	४१.	ते बेसे छे
१४.	ते खेद पामे छे	४२.	ते नमे छे
१५.	ते वन्दन करे छे	४३.	ते भणे छे
१६.	ते अटकतो नथी	४४.	ते बोले छे
१७.	ते पोषण करे छे	४५.	ते रक्षण करे छे
१८.	ते उल्लंघन करे छे	४६.	ते फरे छे
१९.	ते थाकी जाय छे	४७.	ते चाले छे
२०.	ते लोभ करतो नथी	४८.	ते जय पामे छे
२१.	ते राज्य करे छे	४९.	ते जोखे छे
२२.	ते सेवा करे छे	५०.	ते रचे छे
२३.	ते वखाणे छे	५१.	ते क्रीडा करे छे
२४.	ते जुवे छे	५२.	ते तरे छे
२५.	ते शिखर पर आरूढ थाय छे	५३.	ते जाप करे छे
२६.	ते (लागणी) अनुभवे छे	५४.	ते जमे छे
२७.	ते (आकाशमां) झबके छे	५५.	ते दोडे छे
२८.	ते (धन) भेगुं करे छे	५६.	ते सरके छे

तौ

१.	ते बे भणे छे	२९.	ते बे शान्त थाय छे
२.	ते बे पीवे छे	३०.	ते बे पार पामे छे
३.	ते बे पूछे छे	३१.	ते बे झंखे छे
४.	ते बे बतावे छे	३२.	ते बे कहे छे
५.	ते बे तरे छे	३३.	ते बे प्रवेश करे छे
६.	ते बे सन्तोष पामे छे	३४.	ते बे दुःखी थाय छे
७.	ते बे लई जाय छे	३५.	ते बे शान्त करे छे
८.	ते बे भींजाय छे	३६.	ते बे हसे छे
९.	ते बे पडे छे	३७.	ते बे पालन करे छे
१०.	ते बे नमे छे	३८.	ते बे चोरी करे छे
११.	ते बे पूजा करे छे	३९.	ते बे प्रमाद करे छे
१२.	ते बे जमे छे	४०.	ते बे विहार करे छे
१३.	ते बे पोषण करे छे	४१.	ते बे भाषण करे छे
१४.	ते बे नाशी जाय छे	४२.	ते बे निन्दा करे छे
१५.	ते बे मळे छे	४३.	ते बे परीक्षा करे छे
१६.	ते बे सान्त्वन करे छे	४४.	ते बे महेनत करे छे
१७.	ते बे भूले छे	४५.	ते बे (पाणीथी) तृप्त थाय छे
१८.	ते बे फरे छे	४६.	ते बे (भगवान्ने) भजे छे
१९.	ते बे खसे छे	४७.	ते बे (झाड) सळगे छे
२०.	ते बे मरे छे	४८.	ते बे (चश्मा) पहेरे छे
२१.	ते बे जीवे छे	४९.	ते बे युद्ध करे छे
२२.	ते बे क्रीडा करे छे	५०.	ते बे मारे छे
२३.	ते बे जाप करे छे	५१.	ते बे बोले छे
२४.	ते बे जुवे छे	५२.	ते बे विजय पामे छे
२५.	ते बे उभा छे	५३.	ते बे (गरीबी) भोगवे छे
२६.	ते बे जाय छे	५४.	ते बे (दुःश्मनोने) मारता नथी
२७.	ते बे भूले छे	५५.	ते बे निवेदन करे छे
२८.	ते बे खेद पामे छे	५६.	ते बे (सोना महोर) गणे छे
		५७.	ते बे (आँख) धोवे छे
		५८.	ते बे कपट करे छे

५९.	ते बे (काँटा) काढे छे	२६.	तेओ गोखे छे
६०.	ते बे (स्थान) ग्रहण करे छे	२७.	तेओ शान्त पडे छे
६१.	ते बे कथा करे छे	२८.	तेओ पालन करे छे
	ते	२९.	तेओ गोखे छे
		३०.	तेओ लई जाय छे
१.	तेओ (विनयवान्) छे	३१.	तेओ पूरुं करे छे
२.	तेओ (पवित्र) छे	३२.	तेओ ध्यान करे छे
३.	तेओ रचे छे	३३.	तेओ वखाण करे छे
४.	तेओ युद्ध करे छे	३४.	तेओ मुके छे
५.	तेओ रोपे छे	३५.	तेओ मार्ग काढे छे
६.	तेओ महेनत करता नथी	३६.	तेओ विद्यमान छे
७.	तेओ अनुभवे छे	३७.	तेओ सेवा करे छे
८.	तेओ संभळे छे	३८.	तेओ माने छे
९.	तेओ दण्ड करे छे	३९.	तेओ वसे छे
१०.	तेओ पराजय पामे छे	४०.	तेओ चाले छे
११.	तेओ निन्दा करता नथी	४१.	तेओ नमे छे
१२.	तेओ फरे छे	४२.	तेओ पूजा करे छे
१३.	तेओ खसे छे	४३.	तेओ बोले छे
१४.	तेओ जिते छे	४४.	तेओ खरे छे
१५.	तेओ क्रीडा करे छे	४५.	तेओ त्याग करे छे
१६.	तेओ जाप करे छे	४६.	तेओ जमे छे
१७.	तेओ जमे छे	४७.	तेओ आलोटे छे
१८.	तेओ वरसे छे	४८.	तेओ मळे छे
१९.	तेओ रहे छे	४९.	तेओ प्रश्न पूछे छे
२०.	तेओ गणे छे	५०.	तेओ भजन करे छे
२१.	तेओ रक्षण करे छे	५१.	तेओ भाषण करे छे
२२.	तेओ भक्षण करे छे	५२.	तेओ दोडे छे
२३.	तेओ चोरी करे छे	५३.	तेओ चमके छे
२४.	तेओ जोखे छे	५४.	तेओ आपे छे
२५.	तेओ शणगारे छे	५५.	तेओ आदेश करे छे

५६. तेओ विचारे छे

कर्ता

१. हरेश नमे छे
२. दीपा खाय छे
३. भरत गाय छे
४. मनिषा बोले छे
५. मीतेश दोडे छे
६. श्वेता लखे छे
७. कामिनी हसे छे
८. अञ्जु पीवे छे
९. नीतिन जुवे छे
१०. रूपेश गोते छे
११. राजा जाय छे
१२. निमेश बोले छे
१३. घोडो कूदे छे
१४. सर्प करडे छे
१५. मनीष आपे छे
१६. मेनका भणे छे
१७. दिनेश रडे छे
१८. हरीश फरे छे
१९. भावना नमे छे
२०. ज्योति बले छे
२१. काजल रमे छे
२२. डिम्पल रखडे छे
२३. स्नेहल आवे छे
२४. सीमा पूछे छे
२५. हीना कहे छे
२६. दीना चाले छे
२७. रेखा मारे छे
२८. वृक्ष उगे छे
२९. रोहित तरे छे
३०. सूर्य तपे छे
३१. निमेश थाके छे
३२. कूत्तरो भसे छे
३३. सीता नमे छे
३४. मोनीत पडे छे
३५. साधना बेसे छे
३६. राखी बांधे छे
३७. गौरव मुके छे
३८. ध्वजा फरके छे
३९. नकुल भूले छे
४०. किरण झुले छे
४१. नेहा जमे छे
४२. गाय चरे छे
४३. गधेडुं भूंके छे
४४. गाय वागोळे छे
४५. मोहिनी (ऊभी) छे
४६. वीणा (बेठी) छे
४७. स्वीटु (सुती) छे
४८. साप सरके छे
४९. नीता शोक करे छे
५०. संजय याद करे छे
५१. फुल खीले छे
५२. रतिलाल विचारे छे
५३. धनपाल फेंके छे
५४. कवि रचे छे
५५. प्रवीणा गणे छे
५६. तरुणा झंखे छे
५७. दिव्या भूले छे

५८.	वृक्ष वधे छे
५९.	मां रांधे छे
६०.	मीनल सम्भाळे छे
६१.	जुली सम्भाळे छे
६२.	बादल वरसे छे
६३.	पारुल पीवे छे
६४.	मेघ गाजे छे
६५.	कमल खीले छे
६६.	चोर लुण्टे छे
६७.	अनील आळोटे छे
६८.	संगीता गाय छे
६९.	राजा दण्डे छे
७०.	व्यापारी तोले छे
७१.	समकित गोखे छे
७२.	निखिल डांटे छे
७३.	लीना वसे छे
७४.	पाणी टपके छे
७५.	पांदडुं खरे छे
७६.	लोक निन्दे छे
७७.	नीलेश बोले छे
७८.	कागडो उडे छे
७९.	चूडी खखडे छे
८०.	चेरी तजे छे
८१.	प्रधान खुश थाय छे
८२.	शीतल गभराय छे
८३.	शान्ता स्पर्शे छे
८४.	राखी रखडे छे
८५.	हुं (अर्ही) छुं
८६.	प्रवीण कूदे छे
८७.	प्रीतेश हसे छे
८८.	दमयन्ती झंखे छे
८९.	सोनल जीवे छे

गति कर्म

१.	ईश्वर जिनालय जाय छे
२.	गिरीश तलेटी जाय छे
३.	निकिता पालिताणा जाय छे
४.	उषा मन्दिर जाय छे
५.	राम अयोध्या जाय छे
६.	पारस स्कूल जाय छे
७.	बबीता बाजार जाय छे
८.	सीता वनमां जाय छे
९.	निमेश देरासर जाय छे
१०.	निलेश शिखरजी जाय छे
११.	राखी गिरनार जाय छे
१२.	संघ नाकोडा जाय छे
१३.	बीना भावनगर जाय छे
१४.	राजू दुकाने जाय छे
१५.	हनुमान लंका जाय छे
१६.	विशाल ऊना जाय छे
१७.	गुरुजी हॉस्पिटल जाय छे
१८.	अञ्जना जंगलमां जाय छे
१९.	निमेश कच्छ जाय छे
२०.	पुष्पा शंखेश्वर जाय छे
२१.	स्नेहा होटल जाय छे
२२.	हेमा सरकसमां जाय छे
२३.	देविका होस्टेल जाय छे
२४.	राजा परदेश जाय छे
२५.	गुञ्जन डेम जाय छे
२६.	मेहुल फोरेन जाय छे

२७. मोसम घेर जाय छे
२८. गोविन्द पाठशाला जाय छे
२९. जील नदीए जाय छे
३०. दमयन्ती वनमां जाय छे
३१. रेश्मा कोलेज जाय छे
३२. मनोज जंगलमां जाय छे

सामान्य कर्म

१. अमृत परमात्माने नमे छे
२. गणेश शंकरने नमे छे
३. कृष्ण कंसने मारे छे
४. गुरुजी आज्ञा आपे छे
५. बीनल जीनलने कहे छे
६. गौतम वीरने बोलावे छे
७. सूर्य प्रकाश आपे छे
८. सीता गीताने पूछे छे
९. मीरा कविता लखे छे
१०. निकीता नृत्य करे छे
११. दीपिका पुस्तक आपे छे
१२. गुरु शिष्यने शिखवे छे
१३. रचना कविता वांचे छे
१४. सुतार फर्निचर बनावे छे
१५. राधा रसोई बनावे छे
१६. बिलाडी दूध पीवे छे
१७. पोपट पाणी पीवे छे
१८. वांदरो फल खाय छे
१९. राजेश गीत बनावे छे
२०. शिष्य गुरुने वांदे छे
२१. माली पुष्प लावे छे
२२. संगीता आंगी रचे छे
२३. सासु वहुने धमकावे छे
२४. बालक चन्द्रने जुवे छे
२५. साधु संसारने तरे छे
२६. मीरा कृष्णने पूजे छे
२७. पिता पुत्रने समजावे छे
२९. कुम्भार घडो बनावे छे
२९. झाड छाया आपे छे
३०. अशोक गीत गाय छे
३१. अ.भगवन्त राजो..आपे छे
३२. बादल पाणी वरसे छे
३३. सुनीता संतोष पामे छे
३४. ममता मोह पामे छे
३५. दुर्योधन दुःशासनने भेटे छे
३६. बाहुबली अहंकार त्यजे छे
३७. कुणाल सुखने अनुभवे छे
३८. गोपाल भार उपाडे छे
३९. पक्षी दाणा चरे छे
४०. राम बाण आपे छे
४१. डॉक्टर दर्दीने वढे छे
४२. अमीर गरीबने मारे छे
४३. पवन पत्थर फेंके छे
४४. प्रीतेश धार्मिक भणे छे
४५. सिपाही चोरने पकडे छे
४६. नीशा फल तोडे छे
४७. भमरो फूल सुंघे छे
४८. निकिता ज्योतिने बोलावे छे
४९. नाविक नदीने तरे छे
५०. वंकचुल धन लुण्टे छे
५१. भीम पहाड खोदे छे
५२. मीनाक्षी पोपट पाळे छे

५३. सरस्वती विद्या आपे छे
५४. नयन नेत्र उघाडे छे
५५. मां अन्न रांधे छे

करण

१. रमेश पेन वडे लखे छे
२. मनीष जीभवडे चाखे छे
३. खुश्बु चश्मावडे जुवो छे
४. वांदरो पगवडे चाले छे
५. सोनुं कानवडे सांभळे छे
६. वैशाली कार वडे जाय छे
७. पूर्वी कातरवडे बाळ कापे छे
८. शीतल घडा वडे पाणी भरे छे
९. एकलव्य हाथवडे बाण छोडे छे
१०. रोहित पुस्तकवडे भणे छे
११. कृष्ण हाथवडे वांसली पकडे छे
१२. निकुंज आंखवडे T.V. जुवे छे
१३. रवि कार वडे दुकान जाय छे
१४. भानु बोल वडे रमे छे
१५. जिज्ञा पेन्सिलवडे दोरे छे
१६. आचार्य शिष्योवडे शोभे छे
१७. निर्मल दूरबीनवडे जुवे छे
१८. लाकडी वडे चोरने मारे छे
१९. हुं पुष्पोंवडे प्रभुने पूजुं छुं
२०. नीता श्रद्धावडे भक्ति करे छे
२१. संघ बसवडे जाय छे
२२. हुं मुख वडे भोजन करुं छुं
२३. पद्मिनी पगवडे नृत्य करे छे
२४. गुरुजी कंकुवडे पगलां करे छे
२५. श्याम पाणीवडे हाथ धोवे छे
२६. सूर्यना तापवडे कपडां सूकाय छे
२७. हुं दण्डासन वडे काजो लऊं छुं
२८. नाववडे लोको तरे छे
२९. वीरनी वाणीवडे लोको धर्म पामे छे
३०. किरण स्वेटर वडे ठंडी रोके छे
३१. योधो तलवारवडे युद्ध करे छे
३२. साधु तपवडे कर्म खपावे छे
३३. शिष्य गुरुवडे आगल वधे छे
३४. हुं पाणीवडे तरस मटाडुं छुं
३५. हुं नवकारवाडी वडे जापकरुं छुं
३६. पक्षीओ पांख वडे उडे छे
३७. क्षमावडे धर्म टके छे
३८. वृक्ष पाणी वडे उगे छे
३९. जया साईकल वडे आवे छे
४०. ते कटासणावडे सामायिक करे छे
४१. हुं रजोहरण वडे जयणा पालुं छुं
४२. स्त्री आभूषण वडे शृंगार करे छे
४३. हुं मनवडे वाक्यो विचारुं छुं
४४. जीवो पाणीवडे जीवे छे
४५. शायर पेनवडे शायरी लखे छे

४६. किशोर किताब वडे भणे छे
४७. कृपा साबुवडे कपडां धोवे छे
४८. नीला मशीनवडे पुस्तक छापे छे
४९. लुहार अग्निवडे लोढुं तपावे छे
५०. चन्द्रमा शीतलता वडे शोभे छे
५१. डॉक्टरवडे हॉस्पिटल शोभे छे
५२. पेट्रोलवडे वाहान चाले छे
५३. व्यापारी त्राजवावडे तोले छे
५४. नह्वण जलवडे श्रीपालनो कोढ जाय छे
५५. माणसो नाववडे नदी तरे छे

सह

१. सीतानो राम साथे पत्नीनो सम्बन्ध छे
२. मुगट साथे कुण्डल शोभे छे
३. पुण्डरीक स्वामी मुनिओ साथे मोक्षमां गया
४. आ. भ. मुनिओ साथे विहार करे छे
५. कृष्ण शेषनाग साथे रमे छे
६. शीला नीला साथे फरे छे
७. मेहुल गुंजन साथे जमे छे
८. लाल रंगनी साथे लीलो रंग जामे छे
९. कमल कादवनी साथे रहे छे
१०. नल राजा दमयन्ती साथे वनमां जाय छे
११. अमर कुमार गुणमंजरीनी साथे लग्न करे छे
१२. सीता गीता साथे बजार जाय छे
१३. रावण मन्दोदरी साथे नृत्य करे छे
१४. पाण्डवो मुनिओ साथे वनमां जाय छे
१५. शीला नीला साथे स्वाध्याय करे छे
१६. बीना लीना साथे वरघोडामां जाय छे
१७. हुं गरुजी साथे धर्मकथा करुं छुं
१८. सैनिको दुश्मन साथे लडे छे
१९. मृगावती चन्दना साथे समवसरणमां जाय छे
२०. पाणी दूध साथे मिश्र थाय छे
२१. गुरु शिष्य साथे प्रभु भक्ति करे छे
२२. अर्जुन कृष्ण साथे जय पामे छे
२३. मुमुक्षु परिग्रह साथे संसार त्यागे छे
२४. आत्मा साथे शरीर छे
२५. राजु सूरज साथे बहार जाय छे
२६. भाई साथे भाभी झगडे छे
२७. साहेबजी भगवान् साथे वात करे छे
२८. दीपक साथे ज्योत बले छे
२९. जिह्वा साथे बिन्दु निन्दा करे छे

३०.	मोनित मयूर साथे गभराय छे	५३.	योगिता साथे पिंकी आवे छे
३१.	देव साथे अप्सरा आवे छे	५४.	आशा साथे पुष्पा वातो करे छे
३२.	जमाई सासु साथे वातो करे छे	५५.	वर्षा साथे हर्षा जाप करे छे
३३.	हेतल हितेश साथे चढे छे	५६.	मोनिका मोनित साथे क्रोध करे छे
३४.	केरी पांदडां साथे पडे छे	५७.	पुण्य साथे पाप छे
३५.	मयूर ढेल साथे क्रीडा करे छे	५८.	पाटा साथे दसी ढांके छे
३६.	सीमा दिया साथे स्कूल जाय छे	५९.	सापडा साथे चोपडी छे
३७.	छोकराओ वानरांओ साथे रमे छे	६०.	फुल साथे अक्षत छे
३८.	बालक मां साथे जमे छे	६१.	तीर साथे कामठुं छे
३९.	भक्त साथे भगवान् होय छे	६२.	रथ साथे बलद छे
४०.	संयोग साथे वियोग होय छे	६३.	बारणा साथे स्टोपर छे
४१.	कविता साथे रचना लखे छे	६४.	घडा साथे काचली छे
४२.	नेहा दिशा साथे लाडवो खाय छे	६५.	पातरा साथे तरपणी छे
४३.	माली साथे मीना बगीचामां जाय छे	६६.	विनय साथे विद्या छे
४४.	योगेश साथे जयेश पडे छे	६७.	गुरु साथे शिष्य छे
४५.	श्याम स्वीटी साथे पूजा करे छे	६८.	रीना साथे सविता छे
४६.	राणी साथे राजा नमे छे	६९.	टेबल साथे खुरशी छे
४७.	सीमा साथे राजू रक्षण करे छे	७०.	ताला साथे चावी छे
४८.	राकेश साथे हितेश दोडे छे	७१.	चन्द्र साथे ताराओ छे
४९.	अर्पित साथे अंकित चोरी करे छे	७२.	गुलाब साथे कांटाओ छे
५०.	अक्षय साथे आकाश हसे छे	७३.	चम्पा साथे चमेली छे
५१.	किरण कृपा साथे फरे छे	७४.	साप साथे नोलियो झगडे छे
५२.	पारस साथे परेश नवकार गणे छे	७५.	भीष्म साथे गंगा छे
		७६.	तीर्थंकर साथे प्रातिहार्यो छे
		७७.	अकबर साथे बिरबल छे
		७८.	हुमायु साथे कर्णावती छे
		७९.	साईकल साथे स्कूटर छे
		८०.	व्हील साथे ब्रेक छे

८१. बन्दुक साथे गोली छे
८२. अप्पु साथे हाथी छे
८३. ट्रेन साथे इंजेन छे
८४. सुख साथे दुःख छे
८५. अणु साथे परमाणु छे
८६. वींटी साथे हिरो छे
८७. केवली साथे केवल ज्ञान छे
८८. जन्म साथे मरण छे
८९. दुर्जन साथे सज्जन छे
९०. मरुभूति साथे कमठ छे
९१. बरसाद साथे बिजली चमके छे

सम्प्रदान (माटे)

१. हुं रीना माटे पेन लावुं छुं
२. मीना शीला माटे डॉक्टर लावे छे
३. स्मिता श्वेता माटे रमकडां लावे छे
४. साधु मोक्ष माटे संसार त्यागे छे
५. साधु शासन माटे प्राण आपे छे
६. माँ बालक माटे रडे छे
७. बहेन भाई माटे रसोई करे छे
८. भूख्यो भोजन माटे तडपे छे
९. तरस्यो पाणी माटे तलसे छे
१०. राजेश पूनम माटे साडी लावे छे
११. शिष्य गुरुजी माटे गोचरी लावे छे
१२. अनिल देवी माटे हार लावे छे
१३. दीना प्रभु माटे पुष्पो लावे छे
१४. सुरेश पूजा माटे केसर लावे छे
१५. राम सीता माटे युद्ध करे छे
१६. मेकना पोपट माटे दाणा लावे छे
१७. माया महेमान माटे सीरो करे छे
१८. लीना दीना माटे खोटी थाय छे
१९. भिखारी पेट माटे रोटी मांगे छे
२०. साधना जात्रा माटे पर्वत चढे छे
२१. गरीब पेट माटे मजुरी करे छे
२२. वीरभाण उदयभाण माटे प्राण आपे छे
२३. विद्या माटे विदुष किताब लावे छे
२४. हीना माटे माँ पर्स लावे छे
२५. विणा माटे विवेक दिल्ली जाय छे
२६. शीला माटे सरला मिठाई लावे छे
२७. टीना रीना माटे स्वेटर लावे छे
२८. राजा कवि माटे भेंट लावे छे
२९. राजा गरीब माटे फल लावे छे
२९. हुं कल्याण माटे धर्म करुं छुं
३०. बहेन भाई माटे राखी लावे छे
३१. भीष्म पिता माटे राज्य तजे छे
३२. श्रावक साधु माटे कांबली लावे छे

३२. कुंती रंग माटे कलर लावे छे
३३. यात्रिको यात्रा माटे आबु जाय छे
३४. माली फुल माटे बगीचामां जाय छे
३५. हंसा बुद्धि माटे बदाम खाय छे
३६. राजा राणी माटे अंगूठी लावे छे
३७. शबरी राम माटे बोर लावे छे
३८. पविता कवित माटे ऊभी छे
३९. केतना माटे चेतना गिफ्ट लावे छे
४०. शिष्या गुरुजी माटे सर्मपण भाव लावे छे
४१. नर्स दर्दी माटे दवा लावे छे
४२. नमिता नम्रता माटे रडे छे

आपवुं

१. रेश्मा रमीलाने पेन आपे छे
२. आ. भ. श्रावकोने व्याख्यान आपे छे
३. नकुल सहदेवने धन्यवाद आपे छे
४. द्रोणाचार्य पाण्डवोने विद्या आपे छे
५. गुरु शिष्यने शिक्षा आपे छे
६. काका काकीने लाकडी आपे छे
७. मामा मामीने मिठाई आपे छे
८. सूरज छायाने चश्मा आपे छे
९. सूर्य जगतने प्रकाश आपे छे
१०. माँ बालकने प्रेम आपे छे
११. चन्द्र जगत्ने शीतलता आपे छे
१२. दहिं वडां जीभने स्वाद आपे छे
१३. पिता पुत्रने आशीर्वाद आपे छे
१४. साहेब विद्यार्थीने ज्ञान आपे छे
१५. पिता पुत्रीने दहेज आपे छे
१६. गुरु शिष्योने शिखामण आपे छे
१७. वर कन्याने वींटी आपे छे
१८. नदी तरस्याने पाणी आपे छे
१९. सेवा माणसने मेवा आपे छे
२०. नेहा स्नेहाने कुण्डल आपे छे
२१. माँ बालकने लाडवो आपे छे
२२. सुखियो दुःखियाने आश्वासन आपे छे
२३. भीम अर्जुनने शाबासी आपे छे
२४. मलयासुन्दरी महाबलने नवलखो हार आपे छे
२५. गुरु शिष्यने कामली आपे छे
२६. एकलव्य द्रोणाचार्यने गुरु दक्षिणा आपे छे
२७. बिरबलने अकबर सूचना आपे छे
२८. युधिष्ठर दुर्योधनने राज्य आपे छे

२९. दीपा गायने घास आपे छे
३०. पूजारी मयणाने केसर आपे छे
३१. संघ साधुने पदवी आपे छे
३२. रीना रींकुने सहाय आपे छे
३३. भाई बहेनने विदाय आपे छे
३४. आचार्य भगवन्त दीक्षार्थीने रजोहरण आपे छे
३५. गुरु शिष्यने आशीर्वाद आपे छे
३६. राजा गरीबने धन आपे छे
३७. व्यापारी ग्राहकने माल आपे छे
३८. टीना मीनाने चोकलेट आपे छे
३९. सासु वहुने दुःख आपे छे
४०. पोस्टमेन मेनाने टपाल आपे छे
४१. घडीयाल अमने टाईम आपे छे
४२. गायक पब्लिकने आनन्द आपे छे
४३. छाया मायाने बॅग आपे छे
४४. विरल विरागने चेक आपे छे

रुचि

१. मने मोक्ष गमे छे
२. सुश्मीताने आंगी गमे छे
३. गुरुम.ने वाचना गमे छे
४. बिरलने अध्ययन गमे छे
५. चोरने चोरी गमे छे
६. रञ्जितने गीत गमे छे
७. जस्माने जलेबी गमे छे
८. स्नेहाने स्तवन गमे छे
९. श्रेयांसने भक्ति गमे छे
१०. करुणाने दया गमे छे
११. श्वेताने रंग गमे छे
१२. दिव्याने साहित्य गमे छे
१३. क्रोधीने क्रोध गमे छे
१४. दर्दीने दवा गमे छे
१५. राणीने अलंकारो गमे छे
१६. नारीने शृंगार गमे छे
१७. भक्तने भगवान् गमे छे
१८. पुत्रीने शिखामण गमे छे
१९. माछलीने पाणी गमे छे
२०. देवने देवलोक गमे छे
२१. भमराने पुष्प गमे छे
२२. साधुने विहार गमे छे
२३. कमलने सरोवर गमे छे
२४. राजाने राज्य गमे छे
२५. अभयने संयम गमे छे
२६. मीराने भजन गमे छे
२७. प्रजाने राजा गमे छे
२८. कृष्णाने वांसली गमे छे
२९. सिंहने गुफा गमे छे
३०. रामने न्याय गमे छे
३१. मने वैयावच्च गमे छे
३२. दिनाने मुसाफरी गमे छे
३३. जमाईने घेबर गमे छे
३४. मनिषने क्रिकेट गमे छे
३५. पंकजने पार्टी गमे छे
३६. मेहुलने पेंटींग गमे छे
३७. कंजुसने धन गमे छे
३८. साधुने क्रिया गमे छे
३९. पण्डितजीने अभ्यास गमे छे
४०. भूख्याने भोजन गमे छे

४१. तरस्याने पाणी गमे छे

४२. मालीने फूल गमे छे

४३. कविने काव्यो गमे छे

४४. दीपाने दिपक गमे छे

४५. बिलाडीने ऊंदर गमे छे

४६. रचनाने कविता गमे छे

४७. श्रावकने धर्म गमे छे

४८. मीनलने रमकडां गमे छे

४९. जीनलने मूर्ति गमे छे

५०. स्नेहलने कार गमे छे

५१. वानरने फूल गमे छे

५२. सोनलने टी.वी. गमे छे

५३. रीनाने मयूर गमे छे

५४. दीपालिने घडियाल गमे छे

५५. भाविकोने भक्ति गमे छे

५६. देवांगनाओने नृत्य गमे छे

५७. पोपटने मरचुं गमे छे

५८. गुरुजीने जाप गमे छे

५९. वनिताने विनय गमे छे

६०. प्रभुने सर्वनुं कल्याण गमे छे

६१. मने प्रभु-मुखडुं गमे छे

६२. पतंगियाने ज्योत गमे छे

६३. चक्रवाकने चक्रवाकी गमे छे

६४. साधुने इर्या समिति गमे छे

६५. शरीरने अनुकुलता गमे छे

६६. शरीरने सेवा गमे छे

६७. राणीने हिंचको गमे छे

स्पृहा

१. हरेश मोक्षने झंखे छे

२. दुःखियो सुखने झंखे छे

३. गरीब धनने झंखे छे

४. व्यापारी धनने झंखे छे

५. दमयन्ती नलने झंखे छे

६. मुनि मोक्षने झंखे छे

७. मुमुक्षु संयमने झंखे छे

८. रोहित प्रभुदर्शनने झंखे छे

९. चातक वरसादने झंखे छे

१०. पब्लीक गायकने झंखे छे

११. कबुतर दाणाने झंखे छे

१२. गाय घासने झंखे छे

१३. दर्दी डॉक्टरने झंखे छे

१४. विद्यार्थी पाठने झंखे छे

१५. देवता व्रतने झंखे छे

१६. अञ्जना पवनने झंखे छे

१७. भिखारी रोटलीने झंखे छे

१८. कैदी मुक्तिने झंखे छे

१९. अपंग लाकडीने झंखे छे

२०. बिलाडी दूधने झंखे छे

२१. मैना पोपटने झंखे छे

२२. श्रावक सामायिकने झंखे छे

२३. नारकनाजीवो शान्तिने झंखे छे

२४. देवकी पुत्रने झंखे छे

२५. अनाथ प्रेमने झंखे छे

२६. बंदर जामुनने झंखे छे

२७. वीणा आईस्क्रीमने झंखे छे

२८. मुनि मौनने झंखे छे

२९. एकलव्य द्रोणाचार्यने झंखे छे

३०. मलया सुन्दरी महाबलने झंखे छे

अधिकरण

१.	ध्वजामां चक्र छे	२९.	मैसूरमां गार्डन छे
२.	अढी द्वीपमां जम्बूद्वीप छे	३०.	अग्निमां जीव छे
३.	महा विदेहमां सीमंधर स्वामी छे	३१.	उपधिमां संथारो छे
४.	ओघामां अष्ट मङ्गल छे	३२.	वाणीमां मीठास छे
५.	पेनमां साही छे	३३.	वींटीमां हीरो छे
६.	घडियालमां नंबर छे	३४.	लाडवामां मेवो छे
७.	भगवान्मां करुणा छे	३५.	पाण्डवोमां संप छे
८.	गुफामां सिंह छे	३६.	अञ्जनामां शीयल छे
९.	साडीमां डिझाईन छे	३७.	मूर्तिमां सौम्यता छे
१०.	सागरमां माछली छे	३८.	साडीमां फोल छे
११.	चोपडीमां वार्ता छे	३९.	गुरुजीमां गम्भीरता छे
१२.	व्यापारीमां लोभ छे	४०.	त्यागमां मोक्ष छे
१३.	तपेलीमां दूध छे	४१.	संयोगमां सुख छे
१४.	गुरुमां उदारता छे	४२.	वियोगमां दुःख छे
१५.	नवकारमां सार छे	४३.	तपमां तेज़ छे
१६.	सत्यमां जय छे	४४.	संयममां सुख छे
१७.	केरीमां मीठास छे	४५.	दुःखमां दर्द छे
१८.	गौशालामां गायो छे	४६.	रोगमां पीडा छे
१९.	जेलमां कैदी छे	४७.	श्रावकमां विनय छे
२०.	लाईटमां पावर छे	४८.	गरिबमां दरिद्रता छे
२१.	मोरमां कला छे	४९.	चारित्रमां सुवास छे
२२.	पुष्पमां सुगन्ध छे	५०.	सेवामां मेवा छे
२३.	रसमलाईमां दूध छे	५१.	आभूषणमां हीरा छे
२४.	उपाश्रयमां गुरुदेव छे	५२.	दुर्जनमां दुर्गुण छे
२५.	शिखरजीमां पार्श्वनाथ छे	५३.	कूवामां पाणी छे
२६.	मोक्षमां वीर प्रभु छे	५४.	दुकानमां नोकर छे
२७.	जम्बूद्वीपमां भरत क्षेत्र छे	५५.	हॉस्पिटलमां नर्स छे
२८.	संस्कृतमां वाक्यो छे	५६.	स्टेशनमां गाडी छे
		५७.	गाडीमां कोलसा छे
		५८.	देरासरमां मूर्ति छे

५९. पर्समां पैसा छे
६०. आल्बममां फोटो छे
६१. केमेरामां रोल छे
६१. थालीमां रोटली छे
६२. ग्लासमां शरबत छे
६३. सर्पमां विष छे
६४. हाथीमां मान छे
६५. दीपकमां ज्योत छे
६६. खाणमां सोनु छे
६७. रावणमां शक्ति छे
६८. गौतममां लब्धि छे
६९. संसारमां दुःख छे
७०. देहमां रोग छे
७१. साधकमां समता छे
७१. माँमां ममता छे

सम्बोधन

१. हे माणसो ! तमे नमन करो छो
२. हे माणसो ! तमे दुःखी थाव छो
३. हे प्रभु ! तुं मारी साथे क्यारे बोले छे ?
४. हे देवताओ ? तमे क्यां जाव छो ?
५. सखी ! तुं शिखरजी जईने आवी ?
६. राज कुमारो ! तमे शिकार करवा न जशो ?
७. गुरुदेव ? मने भणावशो ?
८. हे कोयल ! तारे गावुं जोईए
९. पूजारीओ ? तमे दरवाजो क्यारे उघाडशो ?
११. हे मुनि ! तमे भूला पड्या छो ?
११. हे सागर ! तारु पाणी खारुं केम छे ?
१२. सन्नी ! तुं कोनो फोटो पाडे छे ?
१३. हे भ्रमर ! तुं पुष्पमां केम लोभाई जाय छे ?
१४. हे सोनी ! तुं सारा घाट घडे छे
१५. साहेब ! मारां वाक्यो सांभलशो ?
१६. गुरुदेव ! हुं तलाटी जावुं ?
१७. नीला ! तुं फरवा जाय छे ?
१८. अङ्किता ! तुं शुं करवा जाय छे ?
१९. अर्पिता ! तारे आपवुं जोईए
२०. प्रदीप ! तुं परदेश जा
२१. मन्त्रिश्वर ! तमारो निर्णय शुं छे ?
२२. राजन् ! तमारो जय छे
२३. प्रजाजनो ! तमारुं वचन मान्य छे
२४. दीपिका ! तुं देरासरमां बेस
२५. दीप्ति ! तुं एक नृत्य करे छे ?
२६. प्रभु ! मने सहन शीलता आपो
२७. शामलीया लाल ! मने मुकी तमे क्यां जाव छो ?

२८. हे ध्वजा ! ऊचें फरकीने तुं शुं कहेवा मांगे छे ?
२९. हे कोश्या ! समुद्र मर्यादा मुके तो पण हुं डगवानो नथी
३०. हे शालीभद्र ! आप ३२ नारी लईने घरमां केम बेठां छो ?
३१. हे स्थुलीभद्र ! ते घणुं दुष्कर कर्युं
३२. हे धन्नामुनि ! तमे धन्य मानव भवने पाम्यां
३३. हे प्रभु ! बालपणमां तमे अमारां स्नेही हतां
३४. हे नारद ! तमे द्रोपदीने क्यां संताडी छे ?
३५. हे प्रजाजनो ! पांचालीने कोई उठावी गयुं छे
३६. अरे सुदर्शन ! तने आ कलंक शा माटे ?
३७. हे बादल ! तुं वरसीने घराने भींजाव
३८. हाथ ! तुं हवे केटलुं लखीश ?
३९. हरीश ! तुं आगल क्यारे वधीश ?
४०. सोनल ! आपणे अमेरिका क्यारे जईशुं ?
४१. प्रभु ! मारो मोक्ष क्यारे थशे ?
४२. हे नेम ! तमे पाछा केम फर्या ?
४३. साहेब ! हुं व्याकरण क्यारे भणीश ?
४४. राधा ! आपणे वन्दन करवा जईशुं ?
४५. हे गुरुजी ! आपणो विहार क्यारे थशे ?
४६. रीना ! आपणे गरीबने दान करीए
४७. साहेब ! देवलोकमां केवा विमान छे ?
४८. मीना ! नरकमां दुःख होय छे
४९. मोना ! तुं बजार जाय छे ?
५०. सोना ! आपणे क्यारे जईशुं ?
५१. हे भद्रेश ! तुं बेनने नथी याद करतो ?
५२. इलाची ! तुं दोरडा पर नाचे छे ?
५३. चंदना ! तुं क्यारे पारणुं करीश ?
५४. सूरज ! तुं निशाने भूली गयो ?
५५. प्रभुजी ! हुं क्यारे तरीश ?
५६. मेना ! तुं क्यारे बोलीश ?
५७. सर्प ! तुं झेर क्यारे चुसीश ?
५८. पारुल ! तुं कई कॉलेजमां हती ?
५९. हे लोको ! मारो अरणीक क्यां छे ?
६०. हे मदारी ! वांदरो केलुं क्यारे खाशे ?
६१. हे कुन्ती ! तें वरदान मांग्युं

हतुं ?

६२. श्रीपाल ! तुं आरती उतार

६३. हे राजा ! तारे देवलोकमां जवुं छे ?

६४. हे मीरां ! तुं कृष्णने भजे छे

६५. भूत ! तुं बालकने डरावे छे

६६. रोहिणिया चोर ! तुं कानमांथी आंगली काढ

६७. नीति ! तुं स्तवन बोल

६८. चेरी ! तुं क्यारे यात्रा करीश ?

६९. हे गुरुदेव ! आप आज्ञा फरमावो

७०. हे मीना ! तुं शुं विचारे छे ?

विशेषण-विशेष्य

१. लीला पार्श्वनाथ
२. काला नेमनाथ
३. गुलाबी बटवो
४. लाल घोडो
५. सफेद हंस
६. लीलां पान
७. काळो नाग
८. सुगन्धी मोगरो
९. स्वादिष्ट समोसा
१०. घटादार वृक्ष
११. तेजस्वी सूर्य
१२. तपस्वी मुनि
१३. शान्त मूर्ति
१४. गम्भीर गुरुजी
१५. लाल फूल
१६. लाम्बी पेन
१७. गांडो गधेडो
१८. होशियार प्रीतेश
१९. बलवान् राजु
२०. लडु चोर गणेश
२१. कालो, कृष्ण
२२. पराक्रमी अर्जून
२३. तीखां मरचां
२४. ऊचो पर्वत
२५. सुन्दर बगीचो
२६. ऊंडो कूवो
२७. मोटी दुकान
२८. वफादार कूत्तरो
२९. देखावडी ढिंगली
३०. पोचुं पपैयुं
३१. नाचतो मोर
३२. शान्त साधु
३३. चिकणु तेल
३४. खाटी पिपरमेन्ट
३५. सपाट जमीन
३६. लाम्बो जमाई
३७. दोडती छोकरी
३८. पीळो हळवो
३९. शीतल चन्द्र
४०. चंचल चोर
४१. ठण्डी कोफी
४२. कडवुं कारेलुं
४३. गरम कामळी
४४. लाम्बो चोटलो
४५. रेशमी बाल

४६.	लटकाली लता	७६.	सफेद पाकिट
४७.	सुगन्धी चन्दन	७७.	झेरी सर्प
४८.	गुणीयल शिष्या	७८.	लीलो पोपट
४९.	लाल पात्रा	७९.	ज्ञानी गुरु
५०.	फरकती ध्वजा	८०.	वि.वा. साध्वी
५१.	सोनेरी फ्रेम	८१.	सती सीता
५२.	मीठी केरी	८२.	दोडतुं स्कूटर
५३.	खाटी द्राक्ष	८३.	सुन्दर स्कूल
५४.	काळो सापडो	८४.	झगमगतुं देरासर
५५.	केसरी ध्वजा	८५.	धार्मिक पाठशाला
५६.	सफेद पाट	८६.	वीतराग प्रभु
५७.	गुलाबी पेन	८७.	त्यागी राम
५८.	पीळुं पेपर	८८.	परमात्मा वीर
५९.	खारुं पाणी	८९.	सुन्दर चमेली
६०.	सुन्दर घर	९०.	काली माटी
६१.	मनोहर बगीचो	९१.	लीला पिस्ता
६२.	विशाल मकान	९२.	सफेद दांत
६३.	मोटुं सरोवर	९३.	मुलायम साडी
६४.	रातुं कमल	९४.	लाम्बो ऊंट
६५.	वागतुं टेप	९५.	मायावी माणस
६६.	चालतो पंखो	९६.	दयालु शेठ
६७.	सफेद दूध	९७.	भूरी गाय
६८.	परम भक्त	९८.	पचरंगी ऊन
६९.	डाह्यो माणस	९९.	जिद्दी सोनु
७०.	गुणीयल श्रावक	१००.	मीठो मोदक
७१.	गम्भीर समुद्र	१०१.	सत्यवादी हरिशचन्द्र
७२.	लाम्बुं झाड	१०२.	भोली बहु
७३.	मोटी टुंक	१०३.	आझाद पक्षी
७४.	गरम मसालो	१०४.	भव्य आंगी
७५.	नानुं आसन	१०५.	गुलाबी गुलाब

१०६.	लीलो-बाम	१२०.	बहादुर शेर
१०७.	पवित्र गङ्गा	१२१.	प्रशस्त राजा
१०८.	सुखी प्रजा	१२२.	तीक्ष्ण बुद्धि
१०९.	न्यायी राजा	१२३.	कोमल काया
११०.	बलती आग	१२४.	काचो मार्ग
१११.	खीलती कली	१२५.	ममतालु माता
११२.	जीन्स पेण्ट	१२६.	प्रेमालु पिता
११३.	नटखट गुडियाँ	१२७.	निर्मल जल
११४.	झुलतो पुल	१२८.	रंगीन टी.वी.
११५.	वहेती नदी	१२९.	अपार सम्पत्ति
११६.	भोलो शंकर	१३०.	घोर उपसर्ग
११७.	रूपाळी राधा	१३१.	तरुण वय
११८.	उदास रवि	१३२.	पावन शीला
११९.	मधुर वाणी	१३३.	डुबती नैया

वर्तमान कर्तरि + भावे (प्रथम-पुरुष)

१.	हुं नमुं छुं	१.	मारा वडे नमाय छे
२.	हुं पुरुं करुं छुं	२.	मारा वडे पुरुं कराय छे
३.	हुं बारीकीथी जोवुं छुं	३.	मारा वडे बारीकीथी जोवाय छे
४.	हुं यत्न करुं छुं	४.	मारा वडे यत्न कराय छे
५.	हुं हुकम करुं छुं	५.	मारा वडे हुकम कराय छे
६.	हुं उद्धार करुं छुं	६.	मारा वडे उद्धार कराय छे
७.	हुं आश्रय लवुं छुं	७.	मारा वडे आश्रय लेवाय छे
८.	हुं मांगु छुं	८.	मारा वडे मंगाय छे
९.	हुं रोकुं छुं	९.	मारा वडे रोकाय छे
१०.	हुं विचारुं छुं	१०.	मारा वडे विचारय छे
११.	हुं गोतुं छुं	११.	मारा वडे गोताय छे
१२.	हुं काढुं छुं	१२.	मारा वडे कढाय छे
१३.	हुं जीतुं छुं	१३.	मारा वडे जीताय छे
१४.	हुं मारुं छुं	१४.	मारा वडे नचाय छे

१५.	हुं नाचुं छुं	१५.	मारा वडे अपाय छे
१६.	हुं आपुं छुं	१६.	मारा वडे आदेश अपाय छे
१७.	हुं आदेश आपुं छुं	१७.	मारा वडे वखाणाय छे
१८.	हुं वखाणुं छुं	१८.	मारा वडे रटाय छे
१९.	हुं रटुं (रटण करुं) छुं	१९.	मारा वडे शणगाराय छे
२०.	हुं शणगारुं छुं	२०.	मारा वडे भूलाय छे
२१.	हुं भूलुं छुं	२१.	मारा वडे मराय छे
२२.	हुं चाखुं छुं	२२.	मारा वडे चखाय छे
२३.	हुं सिद्ध थावुं छुं	२३.	मारा वडे सिद्ध थवाय छे
२४.	हुं चमकुं छुं	२४.	मारा वडे चमकाय छे
२५.	हुं जय पामुं छुं	२५.	मारा वडे जयपमाय छे
२६.	हुं गणुं छुं	२६.	मारा वडे गणाय छे
२७.	हुं निन्दा करुं छुं	२७.	मारा वडे निन्दा कराय छे
२८.	हुं क्रोध करुं छुं	२८.	मारा वडे क्रोध कराय छे
२९.	हुं स्पृहा करुं छुं	२९.	मारा वडे स्पृहा कराय छे
३०.	हुं खावुं छुं	३०.	मारा वडे खवाय छे
३१.	हुं हर्ष पामुं छुं	३१.	मारा वडे हर्ष पमाय छे
३२.	हुं रहुं छुं	३२.	मारा वडे रहेवाय छे
३३.	हुं वन्दन करुं छुं	३३.	मारा वडे वन्दन कराय छे
३४.	हुं तिरस्कार करुं छुं	३४.	मारा वडे तिरस्कार कराय छे
३५.	हुं जावुं छुं	३५.	मारा वडे जवाय छे

वर्तमान कर्तरि + भावे (द्वितीय पुरुष)

१.	तुं दीपे छे	१.	तारा वडे दीपाय छे
२.	तुं दुःख दे छे	२.	तारा वडे दुःख देवाय छे
३.	तुं प्रशंसे छे	३.	तारा वडे प्रशंसाय छे
४.	तुं विपरीत बोले छे	४.	तारा वडे विपरीत बोलाय छे
५.	तुं रोपे छे	५.	तारा वडे रोपाय छे
६.	तुं तोले छे	६.	तारा वडे तोलाय छे
७.	तुं त्याग करे छे	७.	तारा वडे त्याग कराय छे

८.	तुं क्रोध करे छे	८.	तारा वडे क्रोध कराय छे
९.	तुं लई जाय छे	९.	तारा वडे लई जवाय छे
१०.	तुं प्रकाशे छे	१०.	तारा वडे प्रकाशाय छे
११.	तुं दोडे छे	११.	तारा वडे दोडाय छे
१२.	तुं बळे छे	१२.	तारा वडे बलाय छे
१३.	तुं मळे छे	१३.	तारा वडे मलाय छे
१४.	तुं लखे छे	१४.	तारा वडे लखाय छे
१५.	तुं नाशे छे	१५.	तारा वडे नशाय छे
१६.	तुं वरसे छे	१६.	तारा वडे वरसाय छे
१७.	तुं वावे छे	१७.	तारा वडे ववाय छे
१८.	तुं धोवे छे	१८.	तारा वडे धोवाय छे
१९.	तुं ध्यान करे छे	१९.	तारा वडे ध्यान कराय छे
२०.	तुं उडे छे	२०.	तारा वडे उडाय छे
२१.	तुं भणे छे	२१.	तारा वडे भणाय छे
२२.	तुं फरे छे	२२.	तारा वडे फराय छे
२३.	तुं करे छे	२३.	तारा वडे कराय छे
२४.	तुं पडे छे	२४.	तारा वडे पडाय छे
२५.	तुं रडे छे	२५.	तारा वडे रडाय छे
२६.	तुं खरे छे	२६.	तारा वडे खराय छे
२७.	तुं आचरे छे	२७.	तारा वडे आचराय छे
२८.	तुं त्यजे छे	२८.	तारा वडे त्यजाय छे
२९.	तुं गणत्री करे छे	२९.	तारा वडे गणत्री कराय छे
३०.	तुं जपे छे	३०.	तारा वडे जपाय छे
३१.	तुं फरके छे	३१.	तेना वडे फरकाय छे

वर्तमान कर्तरि + भावे (तृतीय पुरुष)

१.	ते पामे छे	१.	तेना वडे पमाय छे
२.	ते गाय छे	२.	तेना वडे गवाय छे
३.	ते पूछे छे	३.	तेना वडे पूछाय छे
४.	ते तरे छे	४.	तेना वडे तराय छे

५.	ते निरीक्षण करे छे	५.	तेना वडे निरीक्षण कराय छे
६.	ते मस्त बने छे	६.	तेना वडे मस्त बनाय छे
७.	ते वहन करे छे	७.	तेना वडे वहन कराय छे
८.	ते शोभा करे छे	८.	तेना वडे शोभा कराय छे
९.	ते आह्वन करे छे	९.	तेना वडे आह्वन कराय छे
१०.	ते विसर्जन करे छे	१०.	तेना वडे विसर्जन कराय छे
११.	ते प्रेरे छे	११.	तेना वडे प्रेराय छे
१२.	ते श्लाघा करे छे	१२.	तेना वडे श्लाघा कराय छे
१३.	बालक रमे छे	१३.	बालक वडे रमाय छे
१४.	राधा दोडे छे	१४.	राधा वडे दोडाय छे
१५.	मोहन भणे छे	१५.	मोहन वडे भणाय छे
१६.	जिज्ञा विचारे छे	१६.	जिज्ञा वडे विचाराय छे
१७.	सोना हसे छे	१७.	सोना वडे हसाय छे
१८.	तीतली उडे छे	१८.	तीतली वडे उडाय छे
१९.	गाय चरे छे	१९.	गाय वडे चराय छे
२०.	साप करडे छे	२०.	साप वडे करडाय छे
२१.	मोना भरे छे	२१.	मोना वडे भराय छे
२२.	सैनिक लडे छे	२२.	सैनिक वडे लडाय छे
२३.	भमरो सुंघे छे	२३.	भमरा षडे सुंघाय छे
२४.	मोर नाचे छे	२४.	मोर वडे नचाय छे
२५.	प्रधान आपे छे	२५.	प्रधान वडे अपाय छे
२६.	भीक्षु मांगे छे	२६.	भीक्षु वडे मंगाय छे
२७.	नदी वहे छे	२७.	नदी वडे वहाय छे
२८.	वन बळे छे	२८.	वन वडे बलाय छे
२९.	मीरा भजे छे	२९.	मीरा वडे भजाय छे
३०.	संघ प्रयण करे छे	३०.	संघ वडे प्रयाण कराय छे
३१.	मेना प्रसन्न थाय छे	३१.	मेना वडे प्रसन्न थवाय छे
३२.	गुरु म०सा० गाय छे	३२.	गुरु म.सा. वडे गवाय छे
३३.	विमान उडे छे	३३.	विमान वडे उडाय छे

वर्तमान कर्तरि + भावे (नाम)

१. पूजारी घसे छे
२. नयना विश्राम ले छे
३. राजु रक्षण करे छे
४. मोहन बोले छे
५. सुरज गभराय छे
६. भरत जुवे छे
७. दिशा पाले छे
८. अनील सर्जे छे
९. सीता संतोष माने छे
१०. स्वीटी जाय छे
११. बिलाडी पीवे छे
१२. ऊर्मिला वखाणे छे
१३. मेह वरसे छे
१४. नेहा भूले छे
१५. सोनी रचे छे
१६. रावण हरे छे
१७. ममता जागे छे
१८. कामिनी समृद्ध थाय छे
१९. सर्प निकले छे
२०. लुहार काढे छे
२१. परमाधार्मिक दुःख दे छे
२२. गधेडुं आलोटे छे
२३. दुर्योधन निष्फल थाय छे
२४. हनुमान बाले छे
२५. देव उत्पन्न थाय छे
२६. इन्द्रभूति माने छे
२७. कालसौरिक कसाई - द्रोह करे छे

१. पूजारी वडे घसाय छे
२. नयना वडे विश्राम लोवाय छे
३. राजु वडे रक्षण कराय छे
४. मोहन वडे बोलाय छे
५. सुरज वडे गभरावाय छे
६. भरत वडे जोवाय छे
७. दिशा वडे पळाय छे
८. अनील वडे सर्जाय छे
९. सीता वडे संतोष मनाय छे
१०. स्वीटी वडे जवाय छे
११. बिलाडी वडे पीवाय छे
१२. ऊर्मिला वडे वखाणाय छे
१३. मेह वडे वरसाय छे
१४. नेहा वडे भूलाय छे
१५. सोनी वडे रचाय छे
१६. रावण वडे हराय छे
१७. ममता वडे जगाय छे
१८. कामिनी वडे समृद्ध थवाय छे
१९. सर्प वडे निकळाय छे
२०. लुहार वडे कढाय छे
२१. परामाधार्मिक वडे दुःख देवाय छे
२२. गधेडा वडे आलोटाय छे
२३. दुर्योधन वडे निष्फल थवाय छे
२४. हनुमान वडे बळाय छे
२५. देव वडे उत्पन्न थवाय छे
२६. इन्द्रभूति वडे मनाय छे
२७. कालसौरिक कसाई वडे

२८.	मयणा पूछे छे		द्रोह कराय छे
२९.	मध टपके छे	२८.	मयणा वडे पूछाय छे
३०.	चन्दना वहोरावे छे	२९.	मध वडे टपकाय छे
३१.	नलराजा तजे छे	३०.	चन्दना वडे वहोरावाय छे
३२.	गजसुकुमाल ध्यान धरे छे	३१.	नल राजा वडे तजाय छे
		३२.	गजसुकुमाल वडे ध्यान धराय छे

वर्तमान कर्तरि + भावे (नाम)

१.	रेवती नमे छे	१.	रेवती वडे नमाय छे
२.	सुन्दरी करे छे	२.	सुन्दरी वडे कराय छे
३.	कृष्ण वगाडे छे	३.	कृष्ण वडे वगाडाय छे
४.	कुम्भार घडे छे	४.	कुम्भार वडे घडाय छे
५.	वकिल लडे छे	५.	वकिल वडे लडाय छे
६.	अनीता रांधे छे	६.	अनीता वडे रंधाय छे
७.	सविता मारे छे	७.	सविता वडे मराय छे
८.	पविता वसे छे	८.	पविता वडे वसाय छे
९.	जिनल खाय छे	९.	जिनल वडे खवाय छे
१०.	विनल गुस्सो करे छे	१०.	बिनल वडे गुस्सो कराय छे
११.	डिम्पल भागे छे	११.	डिम्पल वडे भगाय छे
१२.	हितेश पकडे छे	१२.	हितेश वडे पकडाय छे
१३.	दमयन्ती डरे छे	१३.	दमयन्ती वडे डराय छे
१४.	माली उखेडे छे	१४.	माली वडे उखेडाय छे
१५.	भरत आवे छे	१५.	भरत वडे अवाय छे
१६.	माँ चिन्ता करे छे	१६.	माँ वडे चिन्ता कराय छे
१७.	राजा (द्यूतमां) हारे छे	१७.	राजा वडे (द्यूतमां) हराय छे
१८.	सिंहासन कम्पे छे	१८.	सिंहासन वडे कम्पाय छे
१९.	करिम स्वाद ले छे	१९.	करिम वडे स्वाद लेवाय छे
२०.	समुद्र खळ भळे छे	२०.	समुद्र वडे खळभळाय छे
२१.	कैलाश शोक करे छे	२१.	कैलांश वडे शोक कराय छे
२२.	बादल गरजे छे	२२.	बादल वडे गंरजाय छे

२३.	भमरो गुञ्जे छे	२३.	भमरा वडे गुञ्जाय छे
२४.	मन्दोदरी नाचे छे	२४.	मन्दोदरी वडे नचाय छे
२५.	गौतम स्वामी चढे छे	२५.	गौतम स्वामी वडे चढाय छे
२६.	रमेश जीते छे	२६.	रमेश वडे जिताय छे
२७.	राकेश वढाडे छे	२७.	राकेश वडे वढाय छे
२८.	सुनीता पूजे छे	२८.	सुनीता वडे पूजाय छे
२९.	अनीता पडे छे	२९.	अनीता वडे पडाय छे
३०.	संजय लखे छे	३०.	संजय वडे लखाय छे
३१.	हंसा संतोष पामे छे	३१.	हंसा वडे संतोष पमाय छे
३२.	जया कहे छे	३२.	जया वडे कहेवाय छे

अपादान

१. अग्निमांथी ज्वाला निकले छे
२. कामलीमांथी लीलो रंग जाय छे
३. गीता बोक्षमांथी हिरानो सेट् काढे छे
४. तरुणा तिजोरीमांथी मारा पैसा काढे छे
५. भगवान्नी मूर्तिमांथी शीतल-सुगंधी अमी झरे छे
६. साधना डोलमांथी स्वच्छ-शीतल पाणी काढे छे
७. सपना विडियोमांथी लग्ननी केसेट काढे छे
८. रवि खाणमांथी सोनु काढे छे
९. कुम्भार माटीमांथी घडो बनावे छे
१०. माली बगीचामांथी गुलाबी पुष्पो लावे छे
११. वादलमांथी पाणी वरसे छे
१२. टीना आलबममांथी दीक्षाना फोटा काढे छे
१३. रमा कबाटमांथी सुवर्णनो हार काढे छे
१४. प्रीतेश भजीयांमांथी मरचां काढे छे
१५. साहेब लाल थेलीमांथी ब्लू रूमाल काढे छे
१६. दरजी कापडमांथी ड्रेस बनावे छे
१७. श्वेता पूजनमांथी प्रभावना लावे छे
१८. लुहार लोढामांथी ओजार (खेतीना साधनो) बनावे छे
१९. सोनी सोनामांथी बंगडी बनावे छे
२०. उषा कूवामांथी पीवा माटे पाणी काढे छे
२१. केसर केरीमांथी मीठो केसरी

रस निकले छे

२२. अमे संस्कृत बूकमांथी वाक्यो करीए छीए

२३. भरतनी आँगलीमांथी सुवर्णनी वींटी पडे छे

२४. बालकनी आँखमांथी आँसु टपके छे

२५. ऐंजिनमांथी धुंवाडो निकले छे

२६. पानखर ऋतुमां झाडमांथी पांदडां खरे छे

२७. रावण युद्ध माटे लंकामांथी आवे छे

२८. माखणमांथी घी थाय छे

२९. गुलाबना फुलमांथी सुगंध आवे छे

३०. पत्थरमांथी मूर्ति बने छे

३१. रेल्वे स्टेशनमांथी यात्रिको गाममां आवे छे

३२. सुवर्णना पिञ्जरामांथी तारो पोपट उडे छे

३३. चोर राज्यना भण्डारमांथी रत्नोनी चोरी करे छे

३४. स्त्रीओ बाजारमांथी रसोडानो सामान खरीदे छे

३५. माछीमार समुद्रना पाणीमांथी माछलीओ काढे छे

३६. जंगलमांथी सिंह पलायन थाय छे

३७. वाल्मीकी लुण्टारामांथी ऋषि बने छे

३८. संयोगमांथी वियोग उत्पन्न थाय छे

३९. नेमनाथ रागीमांथी विरागी बने छे

४०. आत्मामांथी परमात्मा बने छे

४१. भूख्यो सिंह गुफामांथी गर्जना करे छे

४२. प्रिया माथाना बालमांथी जू काढे छे

४३. गुरुदेव लीला बटवामांथी वासक्षेप ले छे

४४. माता घऊंमांथी कांकरां काढे छे

४५. राधा सांवरणी वडे रुममांथी कचरो काढे छे

४६. अल्पा केमेरामांथी यात्रानो रोल काढे छे

४७. मध्याह्ने गुरुदेव पात्रामांथी ठण्डी गोचरी काढे छे

४८. शशी सागरना पेटालमांथी मोती लावे छे

४९. दादीमाँ डाबलीमांथी तमाकुं काढे छे

विना

१. हुं निशा विना बगीचामां जती नथी

२. सुरज विना प्रकाश मलतो नथी

३. माँ विना वात्सल्य मलतुं नथी

४. साबु विना कपडां धोती नथी
५. सूत्र विना अर्थ थतां नथी
६. अग्नि विना ज्वाला निकलती नथी
७. हुं गुरु विना यात्रा करवा जावुं ?
८. मारे मिष्ठान विना चलाववुं जोईए
९. हुं जुली विना शिखरजी गई हती
१०. खाण्ड विना चा बनती नथी
११. पाणी विना माछली रहेती नथी
१२. हथीयार विना युद्ध थतुं नथी
१३. रात विना दिवस उगतो नथी
१४. केवलज्ञान विना मोक्ष मलतो नथी
१५. दासीए भाव विना दान दीधुं हतुं
१६. मुकुट विना राजा शोभतो नथी
१७. बिल विना सर्प रहेतो नथी
१८. झाड विना फल आवतां नथी
१९. राधा सहेलियो विना फरवा जाय छे
२०. वर विना बहु आवती नथी
२१. दीपक विना ज्योत बलती नथी
२२. राम विना हनुमान जतो नथी
२३. पुरुषार्थ विना सफलता मलती नथी
२४. राजा विना प्रजा दुःखी थाय छे
२५. बालक विना लाडवो कोण खाय ?
२६. पवन विना माणसो मुंझाय छे
२७. राधा कंकु विना पगलां पाडती नथी
२८. दूत विना संदेशो मलतो नथी
२९. नणंद विना भाभीए रहेवुं जोईए
३०. वीर विना गौतम रडे छे
३१. रतिलाल भावना विना सामायिक करे छे
३२. घुंघरुं विना मन्दोदरी नाचती नथी
३३. विश्वास विना वचन देती नथी
३४. सिंह विना गर्जना थती नथी
३५. प्रधान आज्ञा विना जतो नथी
३६. भूल विना क्षमा मलती नथी
३७. हुं जित विना हर्ष पामती नथी
३८. कृष्ण विना मथुरा नगरी शोभती नथी
३९. तीर्थंकर विना देव समवरसण रचतां नथी
४०. पेन विना वाक्यो लखती नथी
४१. पुस्तक विना संस्कृत भणती नथी
४२. हुं पात्रा विना गोचरी जाती नथी
४३. घडा विना पाणी लावती नथी

४४. भाव विना भक्ती थती नथी
४५. दया विना धर्म थतो नथी
४६. चाँद विना चाँदनी थती नथी
४७. वादल विना पाणी वरसतुं नथी
४८. दशी विना ओघो बनतो नथी
४९. जित विना अरिष्ठ लखे छे
५०. मोनिका विना सोनिका भणे छे
५१. हुं चश्मा विना जोती नथी
५२. फुल विना सुगन्ध आवती नथी
५३. हुं विचार्या विना वाक्यो बोलुं ?
५४. नेम विना राजुल रडती हती
५५. राजा विना राणी शोभती नथी
५६. गुरुदेव विना ज्ञान मलतुं नथी
५७. त्याग विना तप थतो नथी
५८. पाँख विना पोपट उडतो नथी
५९. हुं लेशन कर्या विना पाठशाला जावुं ?
६०. हुं गुरुदेवनी आज्ञा विना आवुं ?
६१. राजानी आज्ञा विना प्रधान काम करे छे
६२. ते भगवान्नी आज्ञा पालन विना मुक्ति मेलवतो नथी
६३. ते दुःख भोगव्या विना सुख मेलवतो नथी
६४. निलेश जम्या विना बजार जाय छे
६५. भक्तने भगवान् विना गमतुं नथी
६६. चीकुंने चोकलेट विना गमवुं जोईए
६७. मारे अनुकुलता विना जीववुं जोईए
६८. हुं आज्ञा विना सूई जावुं ?
६९. जिनेश पुष्प विना पूजा करवा (माटे) जाय छे
७०. भगवाननी आज्ञा विना माणसोए आगल न जवुं जोईए
७१. जीवो नारकीमां इच्छा विना दुःख भोगवे छे
७२. ते पुण्य विना सुख मेलवे ?
७३. बालक प्रोत्साहन विना आगल वधे ?
७४. मीना विना रीना देरासर जाय छे
७५. अञ्जु विना निशा भणती नथी
७६. अल्पा विना शिल्पा फरे छे
७७. दीपालि दीपक विना पूजा करे छे
७८. जया बूक विना पाठशाला गई हती
७९. तारे चम्पल विना देहरासर जवुं जोईए
८०. हाथ विना काम (र्य) थतुं नथी

८१. हुं शक्ति विना पर्वत चढती नथी
८२. कटाशणा विना सामायिक थतुं नथी
८३. कमला कार विना बजार जाय छे
८४. सुजाता रवि विना रमे छे
८५. अध्यापक चोपडी विना भणावे छे
८६. गुरु विना शिष्या तलेटी जाय छे
८७. कमल विना रमेश जमतो नथी
८८. ते बन्दुक विना शेरने मारे छे
८९. कामलीना ओढ्य विना उज्जेही पडे छे
९०. राम विना लक्ष्मण रहेतो नथी
९१. हुं दाण्डा विना गोचरती जंती नथी
९२. मूर्ति विना मन्दिर शोभतुं नथी
९३. संगीत विना नाट्यगृह शोभतुं नथी
९४. राजा विना राज-दरबार शोभतो नथी
९५. पूर्वी विना आशा स्कूल जाय छे
९६. ध्वजा विना शिखर शोभतुं नथी
९७. ते गुरखानी रजा विना अन्दर प्रवेशतो नथी
९८. तुं केस कढाव्या विना डॉक्टर पासे जती नथी
९९. मुखकोश बांध्या विना प्रभु पूजा थती नथी
१००. सही कर्या विना बेंकमांथी पैसा मलता नथी
१०१. इन्टर्व्यु आप्या विना सर्विस मलती नथी
१०२. हरियाली विना बगीचो शोभतो नथी
१०३. पाणी विना होडी चालती नथी
१०४. बालक महेनत विना फल मोलवतो नथी
१०५. विनय विना विद्या आवती नथी
१०६. चन्दनानी आँखना आँसु विना वीर पाछा फरे छे
१०७. दण्डासण विना जयणा पळाती नथी

सम्प्रश्न

१. हुं पालिताणा जावुं के शङ्खेश्वर जाऊं ?
२. हुं पालिताणामां गामनी धर्मशालामां उतरुं के आगम मन्दिरमां उतरुं ?
३. हुं काँचना देरासर जावुं के बाबुना देरासर ?
४. हुं आचार्य महाराज साहेबने वन्दन करवा जावुं के देरासर

जावुं ?

५. हुं साध्वीजी महाराज साहेबने धर्मशालामां बोलवुं के उपाश्रयमां बोलावुं ?

६. नीता कुमारपाल राजानी आरतीमां जाय के अन्यत्र ?

७. हुं साहित्य मन्दिरमां जावुं के साचा सुमतिनाथना दर्शन करवा जावुं ?

८. हुं धर्मशालामां दीक्षा जोवा जावुं के वरघोडामां जावुं ?

९. हुं पन्नारूपामां महापूजनना दर्शन करवा जावुं के तलेटी जावुं ?

१०. हुं आगम मन्दिरमां सुन्दर प्रतिमाजीना दर्शन करुं के केशरीया जीमां जावुं ?

११. मारे चन्द्रदीपक धर्मशालामां भक्ति राखवी के नन्दामां राखवी ?

१२. हुं गिरिविहारमां भणुं के राजेन्द्र भुवनमां भणुं ?

१३. हुं साबरमतीमां व्याख्यान साम्भलवा जावुं के गिरिविहारमां पूजनमां आवुं ?

१४. हुं गिरिविहारमां भोजनगृह बन्धावुं के हॉस्पिटल बन्धावुं ?

१५. हुं यतिन्द्र भवनमां जमुं के ओसवाल भुवनमां जमुं ?

१६. हुं यात्रा करवा पालिताणा जावुं के हस्तगिरि जावुं ?

१७. हुं केसर घसुं के बरास घसुं ?

१८. हुं देहेरासर जावुं के तलेटी जावुं ?

१९. हुं गहुंली करुं के साथियो करुं ?

२०. हुं देव-वन्दन करुं के चैत्य वन्दन करुं ?

२१. हुं स्तवन बोलुं के उवसग्गहरम् बोलुं ?

२२. हुं पूजा करुं के क्रिया करुं ?

२३. हुं मोटी प्रदक्षिणा दऊं के नानी प्रदक्षिणा दऊं ?

२४. हुं नवटुंक जावुं ? के घेटीपाग जावुं ?

२५. हुं भक्तामर देरासरमां करुं के उपाश्रयमां करुं ?

२६. हुं पच्चक्खाण देरासरमां करुं के उपाश्रयमां करुं ?

२७. हुं छट्ठ करीने सात यात्रा करुं के अट्ठम करीने (११) अग्यार यात्रा करुं ?

२८. हुं भावनामां जावुं के पूजामां जावुं ?

२९. हुं वरखनी आंगी करुं के उननी करुं ?

३०. हुं स्नात्र भणावुं के पञ्चकल्याणक पूजा भणावुं ?

३१. हुं देववन्दन करुं के

पच्चक्खाण करुं ?

३२. हुं प्रतिक्रमण करुं के सामायिक करुं ?

३३. हुं काँप काढुं के भणवा बेसुं ?

३४. हुं संस्कृत करुं के प्राकृत करुं ?

३५. हुं वाक्यो बोलुं के रूपो लखुं ?

३६. हुं स्तवन करुं के सज्झाय शिखुं ?

३७. हुं गाथा गोखुं के अर्थ करुं ?

३८. हुं भक्ति करुं के यात्रा करुं ?

३९. हुं पडिलेणह करुं के टपाल लखुं ?

४०. हुं आयंबिल करुं के एकासणुं करुं ?

४१. हुं व्याख्यानमां जावुं के वन्दन करवा जावुं ?

४२. हुं बोर्ड पर लखुं के बूकमां लखुं ?

४३. तमे दाण्डो लेसो के कामली लेशो ?

४४. तमे चा लेसो के कॉफि लेशो ?

४५. अमे साहेब पासे भणीए के गुरुजी पासे भणीए ?

४६. हुं रीन साबु वापरुं के पावडर वापरुं ?

४७. हुं काजो लवुं के लुणा काढुं ?

४८. हुं संस्थारो करुं के पग दाबुं ?

४९. अमे पाँचमे विहार करीए के सातमे ?

५०. हुं विहारमां संस्कृत बूक लवुं के स्वाध्याय ?

५१. आपणे विहार पहेलां तलेटी जईए के गुरुमन्दिर ?

५२. आपणे विहारमां काचा रस्ते चालीए के रोड उपर चालीए ?

५३. हुं घडो ऊचकुं के तरपणी ऊचकुं ?

५४. हुं विहारमां गुरुजीथी आगल रहुं के पाछल रहुं ?

५५. हुं विहारमां डाबी बाजु चालुं के जमणी बाजु चालुं ?

५६. हुं विहारमां एकासणा करुं के बियासणा करुं ?

५७. हुं मौन राखुं के रूपो बोलुं ?

५८. आपणे पाटण जईए के शङ्खेश्वर जईए ?

५९. हुं विहारमां बे कामली ओढुं के एक कामली ओढुं ?

६०. आजे आपणे सवारे विहार करीए के सांजे करीए ?

६१. आजे आपणे १५ कि.मी. चालीए के २५ कि.मी. चालीए ?

६२. आजे आपणे पाँचवागे निकलीए के चार वागे निकलीए ?

६३. हुं विहारमां जोड लऊं के भगवान् लऊं ?

६४. आपणे काले गुरुकुल जईए के पीपरला जईए ?

६५. हुं विहारमां पाकिट राखुं के विटलो ?

६६. आपणे विहार करीने पालिताणा जईए के सुरत जईए ?

६७. आपणे आजे स्कूलमां उत्तरीए के उपाश्रयमां ?

६८. हुं उपाश्रय दादावाडीमां बनावुं के पटालममां बनावुं ?

६९. हुं ओली वेपेरीमां करुं के केसर वाडीमां करुं ?

७०. हुं आराधना भवनमां जाप कराऊं के साधारण भुवनमां कराऊं ?

७१. हुं दीक्षा एकली लऊं के कोईनी साथे लऊं ?

७२. दीक्षामां अमे पूजन रखावीए के वरघोडो चडावीए ?

७३. आचार्य म.सा नव्वाणुं करावे के चोमासुं करावे ?

७४. हुं पौषध करुं के उपवास करुं ?

७५. गुरुजी होस्पेट चोमासुं करे के मद्रास करे ?

७६. हुं साहेब पासे संस्कृत शिखुं के कर्मग्रन्थ करुं ?

७७. हुं गुजराती वाडीमां कल्पसूत्र वांचुं के बारसासूत्र वांचुं ?

७८. हुं मैसुर गार्डनमां जावुं के बेंग्लोर डेगानमां जावुं ?

७९. हुं उद्यानमां बेसुं के फरुं ?

८०. हुं फुल तोडुं के पाणी पावुं ?

८१. हुं मालीने बोलावुं के मालणने बोलावुं ?

९०. हुं फुलनी माला गुंथुं के छुटा फुल राखुं ?

९१. हुं वेचुं के खरीदुं ?

९२. हुं पुष्प लवुं के कुम्पण लवुं ?

९३. हुं गीत गावुं के नृत्य करुं ?

९४. हुं पुष्पमाला चढावुं के मोगरानी माला चढावुं ?

९५. हुं मित्रोने पुष्प दऊं के मालीने दऊं ?

९६. हुं बगीचामां रमुं के बेसुं ?

९७. हुं बगीचाने जोईने संतोष पामुं के गुरुदेवने जोईने ?

९८. हुं गुलाब लऊं के कमल लऊं ?

९९. हुं गुलाब गीताने आपुं के रीटाने आपुं ?

१००. हुं महेमानने बगीचो देखाडुं के म्युझियम ?

१०१. हुं वृन्दावनमां जावुं के महा

लक्ष्मीमां जावुं ?

१०२. कैलास १ प्लेट फोर्ममां जाय के २ प्लेट फोर्ममां जाय ?

१०३. अमर कोल्ड ड्रिंक्स पीये के आईस्क्रीम खाय ?

१०४. टिकिट चेक करवा टी.सी. आवे के इन्स्पेक्टर ?

१०५. टीना गाडीमां जाय के बसमां जाय ?

१०६. स्टेशन पर रेकडी आवे के रीक्षा आवे ?

१०७. हुं गाडीमां चढुं के प्लेट फोर्म पर बेसुं ?

१०८. इंजेन कोलसाथी चाले के करंटथी चाले ?

१०९. हुं ट्रेनमां केन्टीन चलावुं के छापा वेचुं ?

११०. गाडीमां मुसाफिर सुवे के बेसे ?

१११. गाडी स्टेशन पर उभी रहे के चाले ?

११२. गार्ड गाडीने लाल झंडी देखाडे के लीली झंडी ?

११३. गाडी धीमी चाले के उतावडी चाले ?

वर्तमान नकारात्मक

१. हुं उपाश्रय जती नथी

२. हुं सामायिक करती नथी

३. तमे वन्दन करता नथी

४. तेओ उपाश्रय आवता नथी

५. तमे बे नवकार गणता नथी

६. वेपारी परदेश जतो नथी

७. कोमलने कमल गमतुं नथी

८. रीटा रखडवा (माटे) जती नथी

९. पोपट उडतो नथी

१०. वानरो फल खातो नथी

११. हुं पूजा करती नथी

१२. हुं निन्दा करती नथी

१३. चीकु जातो नथी

१४. हुं कॉप काढती नथी

१५. हुं फरवा जती नथी

१६. हुं बजारनुं खाती नथी

१७. मेहुल टी.वी. नथी जोतो

१८. गुञ्जन रडतो नथी

१९. जिज्ञेश स्कूल जतो नथी

२०. हुं भणती नथी

२१. सुनीता पडती नथी

२२. हुं लखती नथी

२३. रमेश नमतो नथी

२४. शर्मीला चालती नथी

२५. हुं नरकमां जती नथी

२६. अमे बे ७मी नरकमां जतां नथी

२७. राजाने राज्य गमतुं नथी

२८. प्रधानने आज्ञा पाळवी गमती नथी

२९. राज कुंवरी चिन्ता करती नथी
३०. अश्व दोडतो नथी
३१. राणी पूजा करती नथी
३२. राजा युद्ध करतो नथी
३३. सीता बोलती नथी

ह्यस्तन नकारात्मक

१. हुं उपाश्रय गई न हती
२. हुं सामायिक करती न हती
३. तमे वन्दन कर्युं नथी
४. तेओ उपाश्रय आव्या नथी
५. तमे बे ए नवकार नथी गण्यां
६. वेपारी परदेश गयो न हतो
७. कोमलने कमल गमतुं न हतुं
८. रीटा रखडवा (माटे) गई न हती
९. पोपट उडतो न(ह)तो
१०. वानराए फल न खाधुं
११. में पूजा न करी
१२. में निन्दा करी नहीं
१३. चीकु न गयो (गयो नहीं) (गयो न हतो)
१४. में काँप काढ्यो न हतो
१५. हुं फरवा गई न हती
१६. हुं बजारनुं खाती न हती
१७. मेहुल टी. वी. जोतो न हतो
१८. गुञ्जन रडतो न हतो
१९. जिज्ञेश स्कूल न गयो
२०. हुं भणी न हती
२१. सुनीता पडी न हती
२२. में लख्युं न हतुं
२३. रमेश नम्यो न हतो
२४. शर्मीला चालती न'ती
२५. हुं ७मी नरकमां गई न हती
२६. अमे बे ७मी नरकमां गया न हतां
२७. राजाने राज्य गमतुं न हतुं
२८. प्रधानने आज्ञा पाळवी गमती न हती
२९. अश्व दोडतो न हतो
३०. राणी पूजा न'ती करती
३१. राजा युद्ध करतो न हतो
३२. सीता बोलती न हती
३३. हुं लेख लखती न हती

विध्यर्थ नकारात्मक

१. मारे उपाश्रये न जवुं जोईए
२. मारे सामायिक न करवुं जोईए
३. तमारे वन्दन न करवुं जोईए
४. तेओए उपाश्रये न आववुं जोईए
५. तमारे बेए नवकार न गणवा जोईए
६. वेपारीए परदेश न जवुं जोईए
७. कोमलने कमल न गमवुं जोईए

८. रीटाए रखडवा(माटे) जवुं न जोईए
९. पोपटे उडवुं न जोईए
१०. वानराए फल खावुं न जोईए
११. मारे पूजा करवी न जोईए
१२. मारे निन्दा करवी न जोईए
१३. चीकुए जवुं न जोईए
१४. मारे काप न काढवो जोईए
१५. मारे फरवुं न जोईए
१६. मारे बजारनुं न खावुं जोईए
१७. मेहुले टी.वी. न जोवुं जोईए
१८. गुञ्जने रडवुं न जोईए
१९. जिज्ञेशे स्कूल न जवुं जोईए
२०. मारे भणवुं न जोईए
२१. सुनीताए पडवुं न जोईए
२२. मारे न लखवुं जोईए
२३. मारे नमवुं न जोईए
२४. शर्मिलाए न चालवुं जोईए
२५. मारे ७मी नरकमां जवुं जोईए नहीं
२६. आमारे बेए ७मी नरकमां जवुं न जोईए
२७. राजाने राज्य गमवुं न जोईए
२८. अश्वे दोडवुं न जोईए
२९. प्रधाने आज्ञा न पाळवी जोईए
३०. राजकुवरीए चिन्ता करवी जोईए नहीं
३१. राणीए पूजा करवी जोईए नहीं
३२. राजाए युद्ध न करवुं जोईए
३३. रामे रावणने न मारवो जोईए

आज्ञार्थ नकारात्मक

१. हुं उपाश्रय न जावुं ?
२. हुं सामायिक न करुं ?
३. तमे वन्दन न करो
४. तेओ उपाश्रय न आवे
५. तमे बे नवकार न गणो
६. वेपारी परदेश न जाय
७. कोमलने कमल न गमे
८. रीटा रखडवा न जाय
९. पोपट(न) उडे (नहीं)
१०. वानरो फल न खाय
११. हुं पूजा (न) करुं ? (नहीं ?)
१२. हुं निन्दा न करुं ?
१३. चीकु स्कूल न जाय
१४. हुं काँप न काढुं ?
१५. हुं फरवा न जावुं ?
१६. हुं बजार न जावुं ?
१७. मेहुल टी.वी. न जुवे
१८. गुञ्जन न रडे
१९. जिज्ञेश स्कूल न जाय
२०. हुं (न) भणुं ? (नहीं ?)
२१. सुनीता (न) पडे (नहीं)
२२. हुं न लखुं ?
२३. रमेश न नमे
२४. शर्मीला न चाले
२५. हुं ७मी नरकमां न जावुं ?

२६. अमे बे ७मी नरकमां न जईए?
२७. राजा राज्य न करे
२८. प्रधान आज्ञा न पाले
२९. राजकुंवरी चिन्ता न करे
३०. अश्व न दोडे
३१. राणी पूजा न करे
३२. राजा युद्ध न करे
३३. हुं लेख न लखुं ?

तुम्

१. वर वधु प्रार्थना करवा माटे मन्दिरमां जाय छे
२. अप्सरा नृत्य करवा माटे सज्ज थाय छे
३. विसामो लेवा माटे हुं ओटला उपर बेठी छुं
४. नवीन टी.वी. देखवा माटे सोफा उपर बेठो छे
५. राजु वांचवा माटे नेहा पासेथी चोपडी मांगे छे
६. स्त्री पोतानुं रक्षण करवा माटे भाई ने बोलवे छे
७. तप करवा माटे हुं झंखना करती हती
८. सुरसेन भीमसेनने भेटवा माटे उभो छे
९. पितानी सेवा करवा माटे पुत्र आवे छे
१०. साधु कर्म क्षय करवा माटे प्रयत्न करे छे
११. भिक्षुक खावा माटे भिख मांगवा (माटे) जाय छे
१२. राम नमवा माटे तैयार थाय छे
१३. रीना कूवामां पडवा माटे जाय छे
१४. ललिता तजवा माटे तैयार थाय छे
१५. सैनिको लडाईमां दुःश्मनोने जितवा माटे जाय छे
१६. वकिल कोर्टमां (केस) जीतवा माटे जाय छे
१७. पक्षी उडवा माटे वृक्ष उपरथी आकाशमां जाय छे
१८. रूपेश भोजन करवा माटे फेक्टरीथी आवे छे
१९. हुं लखवा माटे टेबल लऊं छुं
२०. गायक गीतो गावा माटे विदेश जाय छे
२१. मुनि ध्यानधरवा माटे वृक्षनी नीचे बेसे छे
२२. नेताओ भाषण देवा माटे आम तेम फरे छे
२३. गोवालो आजीविका चला-ववा माटे पशु पाले छे
२४. बिलाडी उंदरने पकडवा माटे इच्छे छे
२५. उपाश्रयमां आराधना करवा माटे बेनो आवे छे

२६.	भमरो पुष्पमांथी रस चुंसवा माटे जाय छे	४१.	रानी बीनाने मलवा माटे बगीचामां जाय छे
२७.	कपिल खेलवा माटे बोल लावे छे	४२.	दर्शन पूजा करवा माटे देरासर जाय छे
२८.	विकास आंगी रचवा माटे वरख लावे छे	४३.	सैनिक युद्ध करवा माटे तैयारी करे छे
२९.	लीना चाय बनाववा माटे उभी छे	४४.	इनाम लेवा माटे बालको उत्सुक थाय छे
३०.	चोर चोरी करवा माटे राज-महेलमां जाय छे	४५.	नदी तरवा माटे नाविको जहाज लावे छे
३१.	वेपारी वस्तु तोलवा माटे दुकानमां बेठो छे	४६.	रूपेश सामान भरवा माटे रिक्सा लावे छे
३२.	मीरा नृत्य करवा माटे घुंघरुं लावे छे	४७.	गाडी रोकवा माटे सिग्नल बतावे छे
३३.	स्मिता भणवा माटे स्नेहा पासेथी किताब लावे छे	४८.	चाय पीवा माटे दोस्त ने बोलावे (ह्वे) छे
३४.	सुगन्धी जाप करवा माटे बेठी छे	४९.	चोरने पकडवा माटे पोलिस आवे छे
३५.	धीरज बलवा माटे जाय छे	५०.	फल वेचवा माटे रेकडी आवे छे
३६.	रानी भणवा माटे दीनाना घरे जाय छे	५१.	सखियो वरने जोवा माटे दोडे छे
३७.	तरुण तजवा माटे तैयार थाय छे	५२.	केदियो छुटवा माटे प्रयत्न करे छे
३८.	सोनु निन्दा करवा माटे उभी छे	५३.	रेश्मा पाणी भरवा माटे नदीए आवे छे
३९.	अशोक रक्षण करवा माटे तलवार लईने आवे छे	५४.	खेडुत अनाज वाववा माटे बीज लावे छे
४०.	धनपाल व्यापार करवा माटे परदेश जाय छे	५५.	जंगलमां हरण भक्षण करवा

माटे फरे छे
५६. राजा प्रजा माटे सुन्दर नगरी वसावे छे (सम्प्रदान)
५७. मुसाफर टाईम पास करवा माटे सींग चणा खाय छे
५८. श्याम दिल्ली जवा माटे ट्रेनमां बेठो छे
५९. भिखारी पैसा लेवा माटे स्टेशनमां फरे छे
६०. आ. भ. व्याख्यान देवा माटे विराजमान थाय छे
६१. भाविक सेवा करवा माटे दोडे छे
६२. दर्दी दवा लेवा माटे मेडिकल जाय छे
६३. साधु कर्म क्षय करवा माटे महेनत करे छे
६४. गुरुदेव पापथी बचवा माटे धर्म बतावे छे
६५. हुं आत्म कल्याण करवा माटे धर्म करुं छुं
६६. चेकिंग करवा माटे टी.सी. आवे छे
६७. साधक साधना करवा माटे जंगलमां जाय छे
६८. जीना रीना माटे खरीदी करवा मार्केटमां जाय छे
६९. मोनिका सामायिक करवा माटे उपाश्रयमां जाय छे
७०. परमात्मा जगत्नुं कल्याण करवा माटे देशना आपे छे
७१. गुरुदेव जयणा करवा माटे रजोहरण आपे छे
७२. भूख्यानी भूख मिटाववा दयालु दान आपे छे
७३. पिता अने पुत्र दहेज लेवा माटे इच्छता नथी
७४. पुत्रने आगल वधवा माटे पिता प्रोत्साहन आपे छे
७५. ओटला उपर बहेनो निन्दा करवा माटे भेगी थाय छे
७६. उदय रत्न मुनि प्रभु गुण गावा माटे तलसे छे
७७. संघपतिनी प्रशंसा करवा माटे लोको उभा छे
७८. श्रेणिक दासीने दान देवा माटे धन आपे छे
७९. साधु इन्द्रियोने जितवा माटे तप करे छे
८०. माता रिंकुने रमवा माटे रमकडां आपे छे
८१. राजा न्याय आपवा माटे दरबारमां बेठो छे
८२. शत्रुञ्जयना शिखरो जोवा माटे विदेशियों आवे छे
८३. शियाल द्राक्षने खावा माटे झाड ने पकडे छे

८४. दुर्योधन राज्य मेलववा माटे पाण्डवोनी साथे युद्ध करे छे
८५. मुमुक्षु संयम लेवा माटे अने संसारथी छुटवा माटे इच्छे छे
८६. गरीब माणस बालकनु पोषण करवा माटे चिंता करे छे
८७. डाकु गामनो नाश करवा माटे लाकडी लावे छे
८८. रहिम श्यामने भूलवा माटे कोशिश करे छे
८९. रोगी रोगनो नाश करवा माटे दवा ले छे
९०. रेश्मा प्रतिष्ठामां जवा माटे श्रृंगार करेछे
९१. करिम रुई लेवा माटे घरे जाय छे
९२. मोना दवाई लेवा माटे दुध पीवे छे
९३. दुःखीने शान्त करवा माटे मनोरमा प्रयत्न करे छे
९४. लोको जीववा माटे पाणी पीवे छे
९५. टीचर भूल सुधारवा माटे पेन मांगे छे
९६. रानी लेशन तपासवा माटे टीचरने बूक आपे छे
९७. मोन्टु लखवा माटे कागज लावे छे
९८. रंगारो रंगवा माटे पींछी लावे छे
९९. रींकु कपडा धोवा माटे साबुन लावे छे
१००. राजा रोणीने मनाववा माटे जाय छे

त्वा

१. राजा राणी बगीचानी सुन्दरता जोईने किल्लोल करे छे
२. बगीचाने जोईने राजा आवे छे
३. रीना फुल तोडीने माथामां नाखे छे
४. बगीचाना झुलामां बेसीने हुं खुश थावुं छुं
५. माली फुलने तोडीने वेंचवा (माटे) जाय छे
६. लोको बगीचाने जोईने आनं-दित थाय छे
७. वज्रस्वामी श्री देवी पासेथी पुष्प लईने श्राव्वकोने आपे छे
८. मैसूरना विशाल उद्यानने जोईने लोको प्रशंसा करे छे
९. फुलनी कोमलता जोईने कवि कविता लखे छे
१०. बगीचामां पक्षीओनो किल-किलाट सांभलीने राजा हसे छे
११. पतंगीया पुष्प उपर बेसीने रस पीवे छे

१२.	प्रफुल पुष्प लईने प्रभुने चढावे छे	२८.	शोभा फल जोईने खाय छे
		२९.	मीरा घुंघरुं बांधीने नाचे छे
१३.	बगीचानी हरियाली जोईने हेतल हर्षित थाय छे	३०.	डाकू चोरी करीने दोडे छे
		३१.	रूपा रूमाल लईने आवे छे
१४.	उद्यानमां बेसीने लोको शान्ति अनुभवे छे	३२.	ते मानव भव पूर्ण करीने देवलोकमां जाय छे
१५.	विदेशी लोको मैसूरना बगी-चाने जोईने आश्चर्य पामे छे	३३.	देवता विमानमां बेसीने भ्रमण करे छे
१६.	रीटा उद्यानमां जईने रमे छे	३४.	तीर्थंकरनो जन्म थयो जाणीने देव सुघोषा घंट वगाडे छे
१७.	जीनल बीनलने गुलाब विणीने आपे छे		
		३५.	चोसठ इन्द्र प्रभुने लईने मेरु पर्वत उपर जाय छे
१८.	रामू पैसा लईने बजार जाय छे		
१९.	कपिल दुकानमां जईने कपडां जोवे छे	३६.	अप्सराओ नृत्य करीने देवोने रीझवे छे
२०.	अल्पेश कपडां जोईने भाव करे छे	३७.	देवता वैक्रिय रूप करीने रेवतीनी परीक्षा करे छे
२१.	तरुण भाव करीने कपडां खरीदे छे	३८.	हरीणगमैषी इन्द्रनी आज्ञा लईने त्रिशलानो गर्भ बदले छे
२२.	अरुण कपडां पहेरीने स्कूल जाय छे	३९.	सौधर्म देवने वचन आपीने हरिणगमेषी मनुष्य जन्म ले छे
२३.	पीस्ता बजारमां जईने बदाम खरीदे छे	४०.	भगवान्नी सहन शीलता सांभलीने देव परीक्षा करे छे
२४.	कमला कारमां बेसीने गाम जाय छे	४१.	देरासरमां देवो आवीने नाट्यरंभ करे छे
२५.	शेठ दुकानमां बेसीने वेपार करे छे	४२.	देवो देवीओनुं रूप जोईने हरण करे छे
२६.	भरत वस्तु तोलीने आपे छे	४३.	भगवान्नुं च्यवन कल्याणक जाणीने इन्द्र शक्रस्तव बोले छे
२७.	नीता पुस्तक लईने विचार करे छे		

४४.	भगवान्ने केवल ज्ञान थयुं जाणीने देवता समवसरण रचे छे	६०.	राजा युद्ध करीने नगरमां प्रवेश करे छे
		६१.	प्रजानुं सुख जोईने राजा संतोष अनुभवे छे
४५.	भगवान्नो विहार समय जाणीने देवो नव सुवर्ण कमल रचे छे	६२.	राजा राणीने हार आपीने खुश थाय छे
४६.	भगवान्नी दाढा लईने देवता जाय छे	६३.	प्रजा राजानी आज्ञा पालीने राजानु गौरव वधारे छे
४७.	देवो दुर्गन्ध जोईने भागे छे	६४.	राणी श्रृंगार सजीने राज-सभामां आवे छे
४८.	नन्दीश्वर द्वीप जईने देवो अट्ठाइ महोत्सव करे छे	६५.	प्रधाननी सलाह मेलवीने राजा कार्य करे छे
४९.	देवो १० हजार वर्ष सुधी नाटकजोईने उठे छे	६६.	युद्धनो विचार करीने राजा सेनापतिने अश्व तैयार करवानुं कहे छे
५०.	स्कूलमां आवीने बालको भणे छे		
५१.	बालको भणीने रमे छे .	६७.	राजा युद्ध करीने जय पामे छे
५२.	बालको रमीने नास्तो करे छे	६८.	राणी राजानी राह जोईने थाकी गई
५३.	पाठ करीने लेशन करे छे		
५४.	लेशन वांचीने तेना अर्थ लखे छे	६९.	राणी पुत्रने जन्म आपीने प्रमोद करे छे
५५.	बालको स्कूलथी रीक्षामां बेसीने घेर जाय छे	७०.	दासी पुत्र जन्मनी वधामणी लईने राज सभामां आवे छे
५६.	बालको घेर जईने माता साथे धमाल करे छे	७१.	राजा पुत्रने जोईने आनन्दित थाय छे
५७.	बालको धमाल करीने रडे छे	७२.	राजा राज कुमारने तैयार करीने मन्त्रीनी साथे परदेश मोकले छे
५८.	बालको रड्या पछी जमवा बेसे छे		
५९.	राज-सभामां नर्तकी नृत्य करीने इनाम मेलवे छे	७३.	सखियों ने मलीने राजकुमारी महेलमां आवे छे

७४. राजानी आज्ञा लईने राज कुमारी महेलमांथी उद्यानमां जाय छे

७५. राज कुमारीना लग्न करावीने राणीनी चिन्ता राजा दूर करे छे

७६. युवराजने पदवी आपीने राजा हर्षित थाय छे

७७. राणीनी पीडा जोईने राजा मुर्च्छित थाय छे

७८. राजाने मुर्छित जोईने मन्त्रीओ वैद्योने बोलावे छे

७९. मयंक सवारे उठीने नवकार मन्त्र गणे छे

८०. अमे आवश्यक क्रिया करीने देरासरमां जईए छीए

८१. ते शिखरने जोईने नमो जिणाणं कहे छे

८२. प्रभु दर्शन करीने स्तुति बोले छे

८३. भावेश मुखकोश बाँधीने पूजा करे छे

८४. नीला अष्ट प्रकारी पूजा करीने कर्म खपावे छे

८५. केसर घसीने वाटकी भरे छे

८६. संघ उपाश्रय आवीने चोमासानी विनंती करे छे

८७. साहेब उपाश्रयमां आवीने संस्कृत बूक आपे छे

८८. सोनल उपाश्रयमां आवीने सूत्र गोखे छे

८९. श्रावको उपाश्रयमां आवीने मुनिओने कामली वहोरावे छे

९०. विमला उपाश्रयमां जईने बेसे छे

९१. बेसीने म.सा.ने वन्दन करे छे

९२. सोनल सामायिक लईने स्वाध्याय करे छे

९३. बहेनो उपाश्रयमां आवीने व्याख्यान सांभले छे

९४. भाईओ उपाश्रयमां आवीने बोली बोले छे

९५. काजल उपाश्रयमां आवीने प्रतिक्रमण करे छे

९६. संघ उपाश्रयमां आवीने संघ पूजन करे छे

९७. उपाश्रयमां आवीने बहेनो निन्दा करे छे

९८. उपाश्रयमां आवीने सीता स्मरण गणे छे

९९. उपाश्रयमां जईने बेनो भावना भावे छे

१००. उपाश्रयमां आवीने बेनो पौषध करे छे

१०१. खेडुत दाणा लावीने वावे छे

१०२. दीपक बळीने प्रकाश आपे छे

१०३. उंदर बिलाडीने जोईने भागे छे

१०४. बालक मयूरने जोईने नाचे छे

१०५. धर्मी पापने जोईने कम्पे छे

१०६. शेरने जोईने शियाल नाशे छे

हेतुनाम प्रयोजन-रूप

१. संजय खरिदीना प्रयोजनथी बजारमां जाय छे
२. लग्नना प्रयोजनथी सामान खरीदे छे
३. दीक्षाना प्रयोजनथी गाम जमण करे छे
४. दीक्षाना प्रयोजनथी मुमुक्षोनुं बहुमान छे
५. शान्त थवाना प्रयोजनथी नवकार गणे छे
६. पोताना रक्षणना प्रयोजनथी सुरसुन्दरी समुद्रमां पडे छे.
७. धन मेलववाना प्रयोजनथी व्यापारी गामो गाम फरे छे
८. शील रक्षणना प्रयोजनथी नर्मदा गांडी बने छे
९. आचारांग सूत्र भणवाना प्रयोजनथी साध्वीयो जोग करे छे
१०. पापनो नाश करवाना प्रयोजनथी तप करे छे
११. चोमासाना प्रयोजनथी आचार्य भगवन्त उपाश्रयमां प्रवेश करे छे
१२. नव्वाणु यात्रा करवाना प्रयोजनथी पादरली भवनमां भाविको आवे छे
१३. शिष्योना अभ्यासना प्रयोजनथी गुरुदेवनी उपाश्रयमां स्थिरता छे
१४. उपाश्रयमां पूजनना प्रयोजनथी सिद्धचक्रनुं माण्डलुं काढे छे
१५. विहार करवाना प्रयोजनथी साध्वीजी महाराज साहेब माणसने बोलावे छे (हे)
१६. क्षुधाना प्रयोजनथी साधु गोचरी वापरे छे
१७. तपस्याना पारणाना प्रयोजनथी धर्मशालामां आचार्य भगवन्तना पगलां थाय छे
१८. भक्तिना प्रयोजनथी वन्दन करे छे
१९. जयणाना प्रयोजनथी रजोहरण वापरे छे
२०. हुं लखवाना प्रयोजनथी बूक लावुं छुं
२१. भणवाना प्रयोजनथी हुं जागुं छुं
२२. बूक मुकवाना प्रयोजनथी हुं टेबल लावुं छुं
२३. भणाववाना प्रयोजनथी अध्यापक आवे छे
२४. बेल वगाडवाना प्रयोजनथी वोचमेन आवे छे
२५. बालकने स्कूल मुकवाना

प्रयोजनथी माता आवे छे

२६. रतिलाल स्वादना प्रयोजनथी खीर पीवे छे

२७. लेशन पुरुं करवाना प्रयोजनथी साहेब वढे छे

२८. बाधा(ना) पालवाना प्रयोजनथी नित्य देरासर जाय छे

२९. स्तुतिना प्रयोजनथी उत्कृष्ट भाव लावे छे

३०. रत्न-त्रयी मेलववाना प्रयोजनथी प्रदक्षिणा दे छे

३१. मोक्ष पद प्राप्त करवाना प्रयोजनथी सिद्ध-शिला उपर फल अर्पण करे छे

३२. पूजन भणाववाना प्रयोजनथी मन्दिरमां तैयारी करे छे

३३. अट्ठाई महोत्सवमां भक्ति गीति गावा माटे अशोक गेमावतने बोलावे छे

३४. कर्म-क्षयना प्रयोजनथी राधा मोनिका साथे नृत्य करे छे

३५. पूजन भणाववाना प्रयोजनथी गजानन्द ठाकुरने बोलावे छे

३६. आवाज बन्ध करवाना प्रयोजनथी गजानन्दभाई बुम पाडे छे

३७. पूजननी प्रभावना लेवाना प्रयोजनथी रेखा मोनीत रतिलाल दोडीने आवे छे

३८. चोकलेट मेलववाना प्रयोजनथी बालक चोर पासे जाय छे

३९. संस्कृत शिखववाना प्रयोजनथी साहेब आवे छे

४०. वृद्धो सवारनी ताजगी मेलववाना प्रयोजनथी घासमां चाले छे

४१. वृद्धो फरवाना प्रयोजनथी उद्यानमां जाय छे

४२. कन्याओ शणगार करवाना प्रयोजनथी फुलो तोडे छे

४३. ते चकडोलमां बेसवाना प्रयोजनथी टिकीट खरीदे छे

४४. ते बे दोस्ती करवाना प्रयोजनथी उद्यानमां मले छे

४५. सुगन्ध मेलववाना प्रयोजनथी गुलाब सुंघे छे

४६. लपसवाना प्रयोजनथी लपसणी पर चडे छे

४७. बालको रमवाना प्रयोजनथी उद्यानमां दोडा दोड करे छे

४८. रोगी इलाजना प्रयोजनथी होस्पिटल आवे छे

४९. डॉ. शक्तिना प्रयोजनथी ग्लुकोस चढावे छे

५०. बालकने इञ्जेक्शन आपवाना प्रयोजनथी चोकलेट आपे छे

५१. हॉस्पिटलनी सफाईना प्रयोजनथी नोकर राखे छे

५२. रोगी स्वास्थ्यनां प्रयोजनथी

डॉ. नी आज्ञा माने छे

५३. दर्दी रोग दूर करवाना प्रयोजनथी आराम करे छे

५४. चोकीदारे रक्षण करवाना प्रयोजनथी जागृत रहेवुं जोईए

५५. राजाए न्याय आपवाना प्रयोजनथी विचारवुं जोईए

५६. चोर चोरी करवाना प्रयोजनथी भागे छे

५७. बिलाडी दूध पीवाना प्रयोजनथी ताके छे

५८. हुं सुवाना प्रयोजनथी संथारो करुं छुं

५९. साहेबने बताववाना प्रयोजनथी वाक्यो लखुं छुं

६०. यात्राना प्रयोजनथी यात्रिको पालिताणा आवे छे

६१. दादाने भेटवाना प्रयोजनथी हुं गिरिराज चढुं छुं

६२. ते सम्बन्धीने मलवाना प्रयोजनथी स्टेशन आवे छे

६३. ते सामान लेवाना प्रयोजनथी कुलीने बोलावे छे

६४. ते चोमासु करवाना प्रयोजनथी नागेश्वर जाय छे

६५. रीना छ'री पालित संघमां जवाना प्रयोजनथी शङ्खेश्वर जाय छे

हेतुनाम-सहाय-रूप

१. जयणा पालवामां रजोहरण सहाय रूप छे

२. वाक्यो लखवामां विचारो सहाय रूप छे

३. निन्दा करवामां जिह्वा सहाय रूप छे

४. नदी तरवामां जहाज सहाय रूप छे

५. साधुने क्रिया करवामां अष्ट प्रवचन माता सहाय रूप छे

६. अकबरने निर्णय आपवामां बिरबल सहाय रूप छे

७. भारतनी आझादीमां गांधीजी सहाय रूप हतां

८. मनुष्य भवनी प्राप्तिमां पुण्य सहाय रूप छे

९. लोकालोकनुं स्वरूप जाणवा केवलीने केवल ज्ञान सहाय रूप छे

१०. दुःखावाने मिटाववा बाम सहाय रूप छे

११. तरस मिटाववा पाणी सहाय रूप छे

१२. वार्ता लखवामां अलंकारित भाषा प्रयोगो सहाय रूप छे

१३. गिरिराज चढवामां लाकडी

सहाय रूप छे

१४. राजाने राज्य करवामां प्रधान सहाय रूप छे

१५. गुजरान चलाववा साधर्मिक दान सहाय रूप छे

१६. मरजीवाने डुबकी मारवामां ओक्सिजन सहाय रूप छे

१७. छोकराओने स्केटिंग करवामां स्केटिंग बुट सहाय रूप छे

१८. जुगारीने जुगार रमवामां पासा सहाय रूप छे

१९. निगोदना जीवोने प्रगति करवामां सिद्धना जीवो सहाय

२०. वाहनो चलाववामां पेट्रोल सहाय रूप छे

२१. काजो लेवामां दण्डासण सहाय रूप छे

२२. सिंहने रहेवामां गुफा सहाय रूप छे

२३. पथिकोने विश्राम लेवामां वृक्षनी छाया सहाय रूप छे

२४. गौतम स्वामीने अष्टापद चढवामां किरण सहाय रूप छे

२५. वृद्ध यात्रिकोने यात्रा करवामां डोली सहाय रूप छे

२६. चक्रवर्तीने छ खण्ड साधवामां चक्र सहाय रूप छे

२७. विद्यार्थीओने समजावामां बोर्ड सहाय रूप छे

२८. कूवामांथी पाणी काढवामां दोरडुं सहाय रूप छे

२९. बजार जवामां स्कूटर सहाय रूप छे

३०. अर्जुनने जय थवामां कृष्ण सहाय रूप छे

३१. तपनी पुर्णाहुतिमां शासन देव सहाय रूप छे

३२. मलया सुन्दरीने पुरुष वेष धारण करवामां गुटिका सहाय रूप छे

३३. चोरने चढवामां दोरडुं सहाय रूप छे

३४. झाड़नी वृद्धिमां पाणी सहाय रूप छे

३५. अमर कुमारने अग्निनुं सिंहासन बनवामां नवकार सहाय रूप छे

३६. जीवने मोक्ष पामवामां क्षपक क्षेणि सहाय रूप छे

३७. झाडनी वृद्धिमां पाणी सहाय रूप छे

३८. दर्शनावरणीय बांधवामां निद्रा सहाय रूप छे

३९. लखवामां पेन सहाय रूप छे

४०. कविता लखवामां कविनुं दिमाग सहाय रूप छे

४१. रामने स्कुल जवामां पग सहाय रूप छे

४२. जितुने पेन पकडवामां हाथ सहाय रूप छे

४३. कल्पनाने गलत वाक्य काढवामां रब्बर सहाय रूप छे
४४. मोनितने रमवामां डिम्पल सहाय रूप छे
४५. बालकने मारवामां लाकडी सहाय रूप छे
४६. स्वाद लेवामां जीभ सहाय रूप छे
४७. हथियार युद्धमां सहाय रूप छे
४८. युद्धमां जवा माटे हाथी-घोडा-रथ सहाय रूप छे
४९. राज-कुंवरीने राज कुंवर साथे मलवामां दासी सहाय रूप छे
५०. वंकचूलने पल्लीमां जवामां पुष्पचुला सहाय रूप छे
५१. युद्धमां घायल थयेला हाथीने सजीवन थवामां वैद्य सहाय रूप छे
५२. प्रजाना आनन्दमां राजा सहाय रूप छे
५३. राजा विनयी बन्यो एम जाणीने पूजाने महोत्सव करवामां प्रधान सहाय रूप छे
५४. युवराजने परदेश मोकलवामां राजाने राणी सहाय रूप थवी जोईए
५५. चण्डकौशिकने प्रतिबोध करवामां वीर सहाय रूप हता
५६. पाञ्चालीना शीलनुं रक्षण करवामां कृष्ण सहाय रूप हता
५७. साहेबने फरवामां सायकल सहाय रूप छे
५८. प्रभुना जन्म कल्याणक निमित्ते मेरु पर्वत उपर जवामां देवोने देव विमान सहाय रूप थाय छे
५९. ट्रेन चलाववामां इञ्जेन सहाय रूप छे
६०. गाडी ऊभी राखवामां सिग्नल सहाय रूप छे
६१. सामान मुकवामां कुली सहाय रूप थाय छे
६२. रिर्जवेशन करवामां टी.सी. सहाय रूप छे

सम्भव

१. आचार्य नरकमां जाय पण
२. हुं कर्मग्रन्थना अर्थ करुं पण
३. शंकर त्रीजी आँख खोलो पण
४. गंधन कुलना सर्प झेर चुंसे पण
५. ललीता राखीनुं मुहूर्त कढावे पण
६. राजुल नेमनी पाछल संसार छोडे पण
७. पू....सूरि म.सा. सरस्वतीनी साधना करे पण
८. समता धारी श्रावक दु:श्मनने क्षमा करे पण

९.	नरकमां श्रेणिक राजा समताथी दु:ख भोगवे पण	२४.	लव-कुश रामनी साथे युद्ध करे पण
१०.	मोनित भजियाना मरचा खाय पण	२५.	सती शीयलना कारणे पोताना प्राण आपे पण
११.	गर्भमां रहेलो तीर्थंकरनो जीव माताने दु:ख आपे पण	२६.	ते समुद्रमांथी मोती लावे पण
		२७.	आ कालमां छमासी तप थाय पण
१२.	सती गायत्री पोताना पतिने यमराज पासेथी पाछो मांगे पण	२८.	पू....म.सा. ५१ उपवास करे पण
१३.	मुर्च्छित थयेला राजाने जोईने राणी गभराय पण	२९.	अमे सुरत चोमासु करीए पण
		३०.	उपवासमां भूख लागे पण
१४.	पूर्वनुं वेर लेवा उदयभाणनी माता सापण बनीने मारे पण	३१.	स्वप्नमां भगवान् देखाय पण
		३२.	संकटमां देवो सहाय करे पण
१५.	साधुनो वेश जोई ने भव्य जीवो चारित्रने झंखे पण	३३.	चौद पूर्वी मुनि निगोदमां जाय पण
१६.	नाचती सुन्दरीने जोईने राजानी नियत बगडे पण	३४.	भाव विना दीक्षा लाभदायक बने पण
१७.	युवराज पोताना पराक्रमथी दु:श्मनोने जिते पण	३५.	महा-मुनि संयममां डगे पण
		३६.	काला माथानो मानवी धारे ते करे पण
१८.	अजगरना मुखमांथी महाबल मलयासुन्दरीने काढे पण	३७.	नीलम सुमतिने वेश्याना फंदा-मांथी छोडावे पण
१९.	हुं नियम अधुरा राखुं पण		
२०.	वधारे भणवाथी चश्मा आवे पण	३८.	ओरमान पुत्रने जोईने माताने इर्ष्या थाय पण
२१.	हरीश परीक्षामां १ नम्बरे आवे पण	३९.	धनना लोभमां ललचाईने भाई भाईने मारे पण
२२.	राजा राणीना मृत्युथी बीजा लग्न करे पण	४०.	रस-गुल्लाने जोईने मोढामां पाणी आवे पण
२३.	हुं अट्ठम करीने २१ यात्रा करुं पण	४१.	रणजीत १०० रसगुल्ला खाय पण

४२.	हुं उत्तराध्ययनना ३६ अध्ययन कण्ठस्थ करुं पण	६३.	अपेक्षा स्कूल जाय पण
		६४.	हमणां मोर अहींथी उडे पण
४३.	हुं कलाकमां गिरिराज चढुं पण	६५.	कदच लाईट चालु थाय पण
४४.	हुं संस्कृतमां बोली शकुं पण	६६.	शासन देवना क्रोधथी उपद्रव थाय पण
४५.	हुं दुःखियाने आश्वासन आपुं पण	६७.	शन्नी आजे धमाल करे पण
४६.	हुं १०० किलोग्राम. वजन उपाडुं पण	६८.	ते बालक जीवे पण
		६९.	तडकामां फरवाथी माथु दुःखे पण
४७.	मुनिओ जंगलमां रहे पण		
४८.	हुं ५० घडा पाणी लावुं पण	७०.	गारुडी मन्त्रथी झेर उत्तारे पण
४९.	हुं सिद्धचक्रनुं मांडलुं बनावुं पण	७१.	स्प्रींग दबाववाथी उछले पण
		७२.	ढळावमां गाडी छटके पण
५०.	राधा सम्यक्त्व प्राप्त करे पण	७३.	जन्म दिवस छे माटे पार्टी आपे पण
५१.	चोर ताळा तोडे पण		
५२.	हुं एक दिवसमां ५० किलोमीटर चालुं पण	७४.	आजे पू....विजयजी स्तवन बोले पण
५३.	अकबर बिरबलने मन्त्री पदथी काढे पण	७५.	परिश्रम करवाथी ताव आवे पण
५४.	ते आचार्य पद प्राप्त करे पण	७६.	स्कूटर चलाववा जतां एक्सि-डण्ट थाय पण
५५.	रवि सर्पने पकडे पण		
५६.	वकिल साचो न्याय आपे पण	७७.	अमीता धमाल करे तो मार खाय पण
५७.	हुं घोर अंधारामां चालुं पण		
५८.	लालचन्द्र आचार्य भगवन्तना पगलां करावे पण	७८.	पाप क्रिया करे तो लोको निन्दा करे पण
५९.	वृद्ध साधु मासक्षमण करे पण	७९.	श्राविका सामायिकमां वातो करे पण
६०.	माँ बालकने घरमां भणावे पण		
		८०.	ठण्डी छे माटे स्वेटर पहेरुं पण
६१.	रवि केवी पण कठिन समस्या हल करे पण	८१.	थाक छे माटे वाक्यो न पण लखुं
६२.	तमे डॉ. बनो पण	८२.	भाडे आपवा मकान बन्धावे

पण
८३. दोरडा उपर नाचतो इलाची कुमार पडे पण
८४. देवताओ मनुष्य लोकमां आवे पण
८५. संदीप बालपणमां कार चलावे पण
८६. दादी म.सा. दादानी यात्रा करे पण
८७. दमनो दर्दी विमानमां बेसे पण
८८. गुञ्जन घोडा रेसमां प्रथम नम्बर आवे पण
८९. हाथीना कानमां कीडी पेसे पण
९०. सामान्य मुनि ग्रन्थोनी रचना करे पण
९१. आजे बालकोनुं बहुमान थाय पण
९२. हुं प्राकृत भणुं पण
९३. कालियो नाग कृष्णने डंख मारे पण
९४. नलराजा दमयन्तीने मुकी जाय पण
९५. पक्षालना प्रभावथी कोढ रोग दूर थाय पण
९६. आजना कालमां पक्षीवडे संदेश अपाय पण
९७. चक्रवर्ती दीक्षा ले पण
९८. साधु म. सा. भगवती सूत्र भणे पण
९९. कवि ग्रन्थ लखे पण
१००. हुं ५०० आयंबिल करुं पण
१०१. व्रतधारी श्रावक गोचरी लावे पण
१०२. गृहस्थ लोच करे पण
१०३. साहेब १ महिनामां बूक पूरी करावे पण
१०४. हुं ६८ उपवास करुं पण
१०५. आचार्य सर्व संघने सम्भाले पण
१०६. मन्दोदरी नृत्य करतां तीर्थंकर नामकर्म बांधे पण
१०७. आ.भ. नव वर्षना नाना बालकनुं मुहूर्त काढे पण
१०८. चन्दन बाला भगवान्ने पारणुं करावे पण
१०९. ते शान्तिथी भगवान्नी भक्ति करे पण
११०. छ'री पालित संघ मद्रासथी शिखरजी जाय पण
१११. मोर वरसादमां पाँख फेलावी नृत्य करे पण
११२. अवधी ज्ञानी अढी द्वीपनी बहार देखे पण
११३. छ महिनानो बालक दोडे पण
११४. ते ओघानी दशी गणे पण
११५. ते सुन्दर वाक्यो लखे पण
११६. राम रहिम साथे दोस्ती करे पण
११७. पोपट मरचुं खाय पण
११८. हुं आचाराङ्ग भणुं पण

११९. अपंगो यात्रा करवा जाय पण
१२०. बाने छीकणी सुंघतां छींक आवे पण
१२१. कदाच गुरुजी आज्ञा करे पण
१२२. मने वाक्यो लखतां ऊँघ आवे पण
१२३. हुं गिरिराजना पगथियां चढुं पण
१२४. सेवक सेवा न पण करे
१२५. ते लाम्बा लाम्बा विहार करे पण
१२६. ते साहेबनुं लेशन पुरुं करे पण
१२७. दीक्षा लईने जोग करे पण
१२८. गुरु शिष्यने सम्भाले पण
१२९. नरकना जीवो समता राखे पण
१३०. वंकचुल ७ (सात) व्यसनमां मस्त रहे पण

सती सप्तमी

१. ते देरासर गये छते भावना भावे छे
२. तेने मिठाई खाते छते सुगर वधे छे
३. बादल गर्जते छते वरसाद आव्यो हतो
४. ते व्याख्यान सांभलते छते जीवनमां उतारतो नथी
५. सोनल सामायिक करते छते गाथा गोखे छे
६. तारामां विवेक होते छते ज्ञान वधे छे
७. ते प्रभु भक्ति करते छते कर्म तोडे छे
८. तीर्थंकर मोक्षमां जते छते निगोदनो जीव व्यवहार राशि-मां आवे छे
९. ते काउस्सग्ग करते छते स्थिरता पामे छे
१०. सामायिक करते छते समता आवे छे
११. धर्म ध्यान करते छते जूना कर्मो तोडे छे
१२. दुःख सहन करते छते नारकनुं आयुष्य भोगवे छे
१३. पुरुषार्थ करते छते सफलताने मेलवे छे
१४. पशुओनो पोकार साम्भलते छते नेमनाथ रथ पाछो फेरवे छे
१५. परमात्मानी भक्ति करते छते श्रेणिक राजा तीर्थंकर नाम कर्म बाँधे छे
१६. परमात्मानी आरती उतारते छते कुमारपाल राजा पोतानुं नाम अमर बनावे छे
१७. छमासी तप करते छते चम्पा श्राविका जैन शासननी शोभा वधारे छे

१८. बिजोरा पाक वहोरावते छते रेवती तीर्थंकर नाम कर्म बाँधे छे

१९. हुं वाक्यो विचारते छते खोटां पडे छे

२०. जुगारी जुगार रमते छते पैसा कमाय छे

२१. विनय करते छते विद्या प्राप्त थाय छे

२२. परीक्षा आपते छते संजु नकल करे छे

२३. पेंटिंग करते छते पेण्टर रंग पूरे छे

२४. मेघ वरसते छते बालको जाय छे

२५. संगीत वागते छते भक्तो भाव विभोर थाय छे

२६. पूर्व भवमां घृतनुं दान देते छते धन सार्थवाहे तीर्थंकर नाम कर्म बांध्युं

२७. श्रावक मुनिने मोदक वहोरा-वते छते ना ना कहे छे

२८. कार्योत्सर्ग ध्यानमां होते छते प्रसन्नचन्द्र मुनि राज्यनुं चिंत-वन करे छे

२९. बालकोनी टीम वॉली बोल रमते छते हारी जाय छे

३०. डोशीमां लाकडीना टेके चालते छते पडी जाय छे

३१. स्वामिवात्सल्यनुं आयोजन होते छते वस्तु खुटे छे

३२. रावण वीणा बगाडते छते मन्दोदरी नृत्य करे छे

३३. कोणिक रोजना सो कोडा मरावते छते श्रेणिक समता धारण करे छे

३४. कृष्ण वासली बगाडते छते राधा आवे छे

३५. राक्षा बन्धन आवते छते बहेन पासे भाई राखी बन्धावे छे

३६. रेश्मा स्कूल जते छते युनिफोर्म बगाडे छे

३७. तीर्थंकरनुं कल्याणक होते छते देवताओ महोत्सव करे छे

३८. पुष्प पूजा करते छते साप डंखे छे

३९. समवसरणमां बेठे छते चन्दन-बाला समयने भूले छे

४०. उटी फरवा जते छते ते कन्या-कुमारी जाय छे

४१. चण्डकौशिक दंस दते छते वीरना अंगूठेथी दूधनी धारा वहे छे

४२. दीपकमां घी पूरते छते ज्योत बुझाई जाय छे

४३. गिरिराज चढते छते हुं पडी हती

४४. वाक्यो लखते छते मारे विचारवुं जोईए

४५. चोकलेट खावानी इच्छा करते छते बालक रडे छे

४६. रथयात्रा देखते छते लोको समकित पामे छे
४७. सतीनुं सतीत्व जोते छते लोको अजायबी पामे छे
४८. सिंहनी गर्जना साम्भलते छते शिकारीओ दोडे छे
४९. पेनने खोलते छते साही ढोलाय छे
५०. साप दंस मारते छते जीभ बहार काढे छे
५१. दोरडां कूदते छते राधा चक्कर खाय छे
५२. माता रडते छते दीक्षार्थी संसारने छोडे छे
५३. सखियो रडते छते ते अलङ्कारोनो त्याग करे छे
५४. चन्दनाए अट्ठम कर्ये छते बाकुलाथी पारणुं कर्युं
५५. चन्दनाए मुण्डन कर्ये छते आँखमां अश्रु न हतां
५६. नवकार मन्त्र गणते छते सर्प पण फुलनी माला बने छे
५७. सुभद्रा जल छंटकाव करते छते नगरना दरवाजा खुले छे
५८. श्रीपाल पक्षाल लगाडते छते कोढ रोग दूर थाय छे
५९. महावीर स्वामीए घोर तपस्या करते छते उपसर्गोने सहन कर्या
६०. हुं प्रतिक्रमण करते छते निंदा करुं छुं
६१. सूर्योदय थये छते कोयल टहुकार करे छे
६२. रोहक कानमांथी आंगली काढ्ये छते भगवान्‌नी देशना साम्भले छे
६३. शालीभद्रनी ऋद्धि अपार होते छते देवलोकमांथी नव्वाणु पेटियो उतरे छे
६४. नवा वर्षे गौतम स्वामीनुं नाम लीधे छते ऋद्धि सिद्धि अपार थाय छे
६५. प्रभुने जन्म थये छते हरिण गमेषीदेव घंटनाद करे छे
६६. दीक्षानो समय जणाते छते नव लोकान्तिक देवो आवे छे
६७. हुं दरवाजो खोलते छते साहेब आवे छे
६८. संकेत केलावडां खाते छते चटणी मांगे छे
६९. राणी रिसाये छते राजा गभराय छे
७०. बालक हठ पकडते छते माता मारे छे
७१. वांदरो फल फेंकते छते बालक झीले छे
७२. हुं सुती छती स्वप्न जोवुं छुं
७३. राजा दान आपते छते लोको दोडे छे
७४. सिंहनी गर्जना साम्भलते छते

	पशुओ भागे छे	९१.	माली फुल लावते छते पूजारी फुल चढावे छे
७५.	मदारी वांसली वगाडते छते सर्प नृत्य करे छे	९२.	लक्ष्मण मुर्च्छित थये छते हनुमान औषधि लावे छे
७६.	नीतु थाकते छते बेसे छे	९३.	लक्ष्मण नरकमां दुःख भोगवते छते सीता सान्त्वना आपे छे
७७.	चीकु चोरी करते छते रींकु जुवे छे	९४.	वृक्षमांथी फल पडते छते वांदराओ खाय छे
७८.	बेन रडते छते भाई विदाय आपे छे	९५.	मार खाते छते बिलाडी दूध पीवे छे
७९.	पुण्य होते छते करोडपति बने छे	९६.	स्वीटी स्कूल जाते छते रडे छे
८०.	बेन विदाय लेते छते भाई समजावे छे	९७.	जीव यात्रा करते छते थाके छे
८१.	वैयावच्च करते छते भाव जागे छे	९८.	हनुमान पत्थर लावते छते ते पुल बाँधे छे
८२.	ते आर्तध्यान करते छते कर्म उपार्जन करे छे	९९.	सीता हरणनी माँग करते छते राम दोडे छे
८३.	ते पुण्य भोगवते छते देवलोकनो भवपूर्ण करे छे	१००.	मुनि लोच करते छते कर्म खपावे छे
८४.	रोहित पुरुषार्थ करते छते पाछळ पडे छे	१०१.	तमे आवते छते दरवाजो बन्ध करो
८५.	घडो फुटते छते पाणी ढोळाय छे	१०२.	ठण्डी पडते छते सरदी थाय छे
८६.	भूख लागते छते नीरु रडे छे	१०३.	विहार करते छते तेओना पग छोलाय छे
८७.	ऊँघ आवते छते हुं सुवुं छुं	१०४.	सुलसाना ३२ पुत्रो मरण पामते छते ते शोक करती नथी
८८.	राजुल विलाप करते छते नेमनाथ पाछा जाय छे	१०५.	हुं वाक्यो वांचते छते आनन्द पामुं छुं
८९.	संसारी संसारना सुख भोगवते छते वैरागी बने छे	१०६.	सुनीता स्नात्र करते छते नाचे
९०.	वैरागी संसारमां रहेते छते कर्म खपावे छे		

छे

१०७. कामली ओढते छते मारा वडे जीवोनी जयणा पलाय छे

१०८. हुं काँप काढते छते गोखुं छुं

१०९. हाथी सुंढ ऊँची करते छते लोकोने डरावे छे

११०. मुमुक्षु करोडोनी सम्पति होते छते वैभवनो त्याग करे छे

अनादर-षष्ठी

१. माता वलोपात करते छते धन्नो अणसण करे छे

२. बगीचो होते छते माली फुलोनी सजावट करतो नथी

३. फुलो होते छते, पूजारी प्रभुनी पुष्प पूजा करतो नथी

४. वकिल होते छते केस जल्दी छुटतो नथी

५. पोलिस होते छते चोर चोरी करे छे

६. रीना बोलावते छते मीना आवती नथी

७. राजानी आज्ञा होते छते प्रजा पालन करती नथी

८. शक्ति होते छते पङ्कज तप करतो नथी

९. पाणी होते छते तुं घडो खाली राखे छे

१०. पेन होते छते कल्पेश पेनसिलथी लखे छे

११. मनुष्य जन्म प्राप्त थये छते कर्माधिन मनुष्यो रत्नत्रयीनी आराधना करतां नथी

१२. पिताजी ना पाडते छते प्रफुल शेर बजारमां जाय छे

१३. राखीने गुरुजी कहेते छते मुर्हूर्त कढावती नथी

१४. सूर्यनो प्रकाश होते छते ते लाईट करे छे

१५. गोचरी लावीने भक्ति करते छते तेणी उपवास करे छे

१६. माता ना पाडते छते दिव्या कॉलेज जाय छे

१७. छत्री होते छते पारुल वरसादमां भींजाय छे

१८. दशरथनुं मन न होते छते कैकयी वरदान ले छे

१९. चन्दना रडते छते मूला शेठाणी चन्दनाने भोंयरामां पूरे छे

२०. कुत्तरानी इच्छा न होते छते लोको तेने बांधी राखे छे

२१. बेसवानी व्यवस्था होते छते माणसो प्रसंगोमां ऊभा रहे छे

२२. प्रजापाल ना पाडते छते मयणा कोढियाने वरे छे

२३. सखियो ना पाडते छते राजकुंवरी शिकार रमवा जाय छे

२४. खेडूतोनी बेदरकारी होते छते पशुओनी हालत बगडे छे

२५. पशुओनी हालत बगडते छते खेडुतो बेदरकार रहे छे

२६. यशोदा मनाई करते छते कृष्ण माखण चोरे छे

२७. सेनापति होते छते युद्धमां सिपाहीयो प्रमाद करे छे

२८. मेताराज मुनि निर्दोष होते छते सोनी एमनी उपर शंका करे छे

२९. साहेबनुं रजिस्टर होते छते हुं लेशन पुरुं करती नथी

३०. गुरुदेव ना पाडते छते ते मद्रास तरफ विहार करे छे

३१. महावीर स्वामी होते छते ते गौतम स्वामिना गुणगान करे छे

३२. रावण ना पाडते छते बिभिषण रामथी सम्बन्ध जोडे छे

३३. चेलणा राणी होते छते कोणिक श्रेणिक राजाने कोडा मारे छे

३४. साधु म.सा.ना पाडते छते श्रावको देरासरमां आशातना करे छे

३५. वरसाद वरसते छते मालि वृक्षोने पाणी सिञ्चे छे

३६. साध्वीजी भ.ना पाडते छते श्राविकाओ वातो करे छे

३७. भगवान् होते छते गोशलक पोताने तीर्थंकर जणावे छे

३८. भिष्म पितामह जोते छते दुर्योधन द्रौपदीनुं चीर खेचे छे

३९. मृगावतीने केवल ज्ञान होते छते चन्दनबाला ठपको आपे छे

४०. मातानो निषेध होते छते लव-कुश पिता साथे युद्ध करे छे

४१. शिष्य कहेते छते शैलकाचार्य विहार करता नथी

४२. साहेब ना पाडते छते हुं वाक्यो बोलुं छुं

४३. आचार्य भगवान्त ना पाडते छते शिष्यो असज्झायमां भणे छे

४४. आचार्य भगवन्त वासक्षेप आपते छते तेओ नथी लेता

४५. गुरुदेव ना पाडते छे हुं उपवास करुं छुं

४६. रस्तामां जिनालय आवेत छते तेओ "नमो जिणाणं" नथी बोलता

४७. नर्तकी नाचते छते राजा शाबाशी आपतो नथी

४८. गुरुदेव ना कहेते छते श्याम गिरिराज चढे छे

४९. गुरुदेव होते छते श्याम चोमासामां शत्रुञ्जयनी यात्रा करे छे

५०. फुलनी सुगन्ध होते छवे रिंकु नाक बन्ध करे छे

५१. मीनाक्षी बेन जैन देरासर होते

	छते विष्णुना मन्दिरमां जाय छे	६५.	पिता ना पाडते छते पुत्र गुरु पासे जाय छे
५२.	दीक्षा मण्डपमां जग्या होते छते लोको ऊभा छे	६६.	जटायु ना पाडते छते रावण सीताने लई जाय छे
५३.	दीक्षार्थी होते छते राजा दीक्षार्थीना अवगुण गाय छे	६७.	साधु भ० उपदेश देते छते लोको धर्म करता नथी
५४.	साहेब पाठशाळा भणावते छते रीनु घरमां भणे छे	६८.	साधु भ० उपदेश देते छते लोको पाप-प्रवृत्ति आचरे छे
५५.	माता काम करते छते पूर्वी रमे छे	६९.	राजा आदेश देते छते युवराज युद्धमां जतो नथी
५६.	संकेत साम्भलते छते पिताने जवाब आपतो नथी	७०.	राजा युद्धनो आदेश देते छते युवराज राजमहेलमां आनन्द माणे छे
५७.	हुं वाक्यो बोलते छते कोई साम्भलतां नथी		
५८.	पच्चक्खाण लीधे छते सामायिकमां बेनो वातो करे छे	७१.	धृतराष्ट्रनी ना होते छते दुर्योधन पाण्डवो साथे झगडे करे छे
५९.	राम अने लक्ष्मण ना पाडते छते सुर्पणखा मांगणी करे छे	७२.	लोको समजावते छते इलाची कुमार नटडी पासे जाय छे
६०.	सेजलदे ना पाडते छते सुमति कामसेना पासे जाय छे	७३.	देवकी ना पाडते छते कंस पुत्रोने मारे छे
६१.	यशोदा ना पाडते छते कृष्ण मटकी फोडे छे	७४.	देवकी देखते छते कंस पुत्रोने मारे छे
६२.	पू. भद्रबाहुसूरि ना पाडते छते शिष्य वैश्याने त्यं चातुर्मास करवा जाय छे	७५.	शान्तनु रोकते छते गङ्गा पाछी जाय छे
		७६.	अर्जुन ना पाडते छते अभिमन्यु युद्धमां जाय छे
६३.	राधाने आज्ञा आपते छते साधु म. साने गोचरी वहोरावती नथी	७७.	राजा शान्त्वन आपते छते प्रजा शोक करे छे
६४.	नेता आज्ञा आपते छते लोको आज्ञा मानता नथी	७८.	नैना ना पाडते छते सुधीर फटाकडा फोडे छे

७९. लक्ष्मण ना पाडते छते सीता लक्ष्मण रेखा ओलंगे छे
८०. बोट् होते छते ते हाथथी समुद्रमां तरे छे
८१. गुलाब होते छते ते मोगराने सुंघे छे

विशेषण-विशेष्य

१. नूतन देरासरमां मनोहर मूर्ति जोईने परम शान्ति अनुभवे छे
२. प्रभुजीनुं मटकालु मुख भाविको निहाले छे.
३. प्रभुजीना मुखथी झरतुं अमृत लोको झीले छे
४. शामलिया पार्श्वनी चमत्कारी प्रतिमा जोईने लोको विस्मय पामे छे
५. नूतन जिनालयनी भव्य प्रतिष्ठा करावता महान् आचार्य भगवन्त पधारे छे
६. त्रिलोकी नाथनी अपरम्पार कृपाथी जीवन धन्य बने छे
७. काचना विशाल देरासनी सुन्दरता जोवा विदेशियो पण आवे छे
८. हर्ष घेली मयणा प्रभुजीने सोनाना फूलडे वधावे छे
९. मन हरणी प्रभुनी सुन्दर प्रतिमा जोईने लोको क्षण वार संसारने भूले छे
१०. मयणा प्रभुजीनी सुन्दर आंगी रचे छे
११. प्रभुजीनी भव्य अङ्ग रचना जोईने मुग्ध बालको खसता नथी
१२. नूतन जिनालयमां सोनानुं सुन्दर सिंहासन होवुं जोईए
१३. शामलिया पार्श्वनाथ भ. लोकोने आकर्षित करे छे
१४. भव्याति भव्य पूजनमां आचार्य भ. पधारे छे
१५. रवि निर्मल जलथी प्रभुजीनो प्रक्षाल करे छे
१६. देरासरनी फरती ध्वजा लोकोने आकर्षित करे छे
१७. देरासरना पगथियां खुब लिसा छे
१८. श्याम देरासरमां रंगीन पट बनावे छे
१९. देरासरनो नानो कलस जोईने नानो बालक मांगे छे
२०. पार्श्व प्रभुनी करुणा दृष्टिथी लोको आनन्द पामे छे
२१. नटखट शन्नी गरम स्वादिष्ट समोसा खाय छे
२२. काली बिलाडी ठण्डुं दूध जल्दी जल्दी पीवे छे
२३. देखावडी ढिंगली राजा सामे सुन्दर नृत्य करे छे
२४. गोल्डन ना दरियानो आनन्द

मेलववा राधा-मनिष लाल बोटमां बेसे छे

२५. गोल्डन ना स्थिर पूतलाने जोईने फोरेनर आनन्द पामे छे

२६. गार्डनमां करुण शुटिंग जोईने निरीक्षक माणस पण रडे छे

२७. गार्डनमां चालती लटकाली लताने जोईने राधा बोलवे छे

२८. गार्डनमां कलरिंग फुवारो जोवा माटे बालक रडे छे

२९. गार्डनमां दोडता सफेद ससलाने जोईने मनिषने पकडवानुं मन थाय छे

३०. गार्डनमां महान् ऋषिने जोईने माणसो नमस्कार करे छे

३१. गार्डनमां गर्जता सिंहना अवाजथी माधुरी डरती नथी

३२. नयना पोतानी गमगीनी दुर करवा माटे साहेलियो साथे विशाल बगीचामां जाय छे

३३. कमलेश लाल शर्ट पहेरीने बगीचामां क्रिकेट रमे छे

३४. सूरज गार्डनमां गांडा हाथीने जोईने पोताना इलाजथी काबुमां लावी शकतो नथी

३५. राजानी आज्ञाथी माली बगीचामांथी राणी माटे सुन्दर फुलो लावे छे

३६. निशा नाना बगीचाने विशाल करवा माटे पिताजी पासे अरजी करे छे

३७. बगीचाने खोदतां नयनाने नवलखोहार मले छे

३८. सुधिर बगीचानी तीखी भेल खाईने निन्दा करे छे

३९. जिज्ञा पिताजी साथे बगीचामां मोटा चकडोलमां बेसे छे

४०. भरत बगीचामां अनाथ बालकने जोईने वासु साथे वात करे छे

४१. गांडो माणस बगीचामां मालीने पूछ्या वगर फूल ताडे छे

४२. श्रीपाल महाराजानी पत्नीने बगीचामो कालो सर्प करड्यो

४३. नर्तकी बगीचामां पोतानी सुन्दर कला बतावीने पब्लिकने खुस करे छे

४४. विशाल उपाश्रयमां परम पू. आ. भ. विरजामान छे

४५. उपाश्रयमां सिद्ध चक्र पूजन भणाववा गम्भीर पण्डितजी आवे छे

४६. उपाश्रयमां मोटा बे दरवाजा लोखण्डनां छे

४७. सुन्दर उपाश्रयने जोईने लोको प्रशंसा करे छे

४८. ऊननुं गरम कटासणुं लईने बेनो सामायिक करे छे

४९. उपाश्रयमां श्रावको मधुर

भक्ति गीत गाय छे

५०. उपाश्रयमां वृद्ध साध्वीयोने जोईने श्रावको भक्ति करवा माटे अने वहोराववा माटे आवे छे

५१. उपाश्रयमां ज्ञान पञ्चमीने दिवसे सुन्दर ज्ञान उत्साहथी श्रावक-श्राविकाओ गोठवे छे

५२. उपाश्रयमां उत्साहथी कल्पसूत्र वांचवा माटे मोटी बोलीओ श्रावको वडे बोलाय छे

५३. बालको उपाश्रयमां रंगीन मांडलुं कलर वाला चावलथी दोरे छे

५४. उपाश्रयमां मोटी तपस्या निमित्ते संघ पूजन थाय छे

५५. उपाश्रयमां नानो बालक आवीने दीक्षा माटे रडे छे

५६. उपाश्रयमां महान् तपस्वीने जोईने भवि लोको वन्दन करवा आवे छे

५७. उपाश्रयमां प्रभावशाली आचार्य भगवन्तने जोईने माणसो जापनो वासक्षेप नखावे छे

५८. विशाल उपाश्रयमां दीक्षार्थी सारुं भाषण आपे छे

५९. उपाश्रयमां नाना बोलको जगडु शाहनो ड्रामा करे छे

६०. मोटा उपाश्रयमां लाल थेली लईने, लाल शर्ट पहेरीने साहेब संस्कृत भणाववा आवे छे

६१. सफेद माला पहेरीने दीक्षार्थी दीक्षाना वरघोडामां जाय छे

६२. साधु. म.सा. सफेद दाण्डो लईने गोचरी जाय छे

६३. झरीनो लाल बटवो लईने आ.भ. वासक्षेप नाखे छे

६४. सञ्जय सफेद शाल ओढीने देहरासर जाय छे

६५. स्विटी काली बेग लईने स्कूल जाय छे

६६. अनीता लीलुं टेबल लईने लखे छे

६७. सुनीता गुलाबी साडी पहेरीने उपाश्रय आवे छे

६८. श्याम लाल आसन पर धर्म क्रिया करे छे

६९. कालो नाग माणसने जोईने मोटी फणा मारे छे

७०. गुच्छावाला मोटा दण्डासणथी साध्वीजी म.सा. काजो ले छे

७१. लाल पेनथी हरेश साचा वाक्यो लखे छे

७२. भूरो शर्ट पहेरीने अनील सुन्दर गार्डनमां जाय छे

७३. सफेद ड्रेस पहेरीने नरेश गणतन्त्र दिवस मनावे छे

७४. सफेद सुपडी लईने चन्दन

	बाला बांकुला वहोरावे छे		लोको डरे छे
७५.	गरम कांबली ओढीने साध्वीजी म. यात्रा करे छे	८९.	गाडीने रवाना करवा माटे सफेद कोर्ट वालो गार्ड हरी झंडी बतावे छे
७६.	नानो लाल डब्बो लईने सुरेश गाँव जाय छे	९०.	गाडीने ठहरवा माटे लाल झंडी बतावे छे
७७.	सलगता कोलसाथी सीता स्वादिष्ट भोजन बनावे छे	९१.	गाडीमांथी मोनित सोनेरी अंगुठी नाखे छे
७८.	प्लास्टिकनी ब्लु डोलमां गीता गरम पाणी लावे छे	९२.	चालती गाडीमांथी मोह न गन्दा प्लेट फोर्म पर उतरतो नथी
७९.	सफेद ग्लासमां नीता मीठुं दूध पीवे छे		
८०.	बनारसनी पीली साडी पहेरीने राखी पौषध करे छे	९३.	स्टेशन पर गरीब कूलीने जोईने मने दया आवे छे
८१.	काली सुट्केश लईने ललिता नाना भाईने मलवा जाय छे	९४.	स्टेशन पर अपंग माणस मधुर गीत गाईने घणा पैसा मेळवे छे
८२.	घरथी स्टेशन जवा माटे पीला रिक्षामां बेसे छे	९५.	गाडीनुं काळुं इञ्जिन सलगता कोलसाना गरम तापथी चाले छे
८३.	सफेद टिकिट लईने कला लाल रेलगाडीमां आवे छे		
८४.	ट्रेनमां बेसीने स्वादिष्ट भोजन करे छे	९६.	पूनाथी निकलती गाडी अंधारी गुफामांथी पसार थाय छे
८५.	स्टेशन पर उतरीने मीठां जामुन ले छे	९७.	माता पिताने गाडीमां बेसतां जोईने नानो मनिष रडे छे
८६.	स्टेशन पर दुःखी भिखारी मेला कपडां पहेरीने भीख मांगे छे	९८.	गाडीमां समय पसार करवा माटे करुण वार्ताओ वांचे छे
८७.	टिकिट चेक करवा माटे काला कोट वालो टी.सी. आवे छे	९९.	प्रीतेश स्टेशन पर मलवा माटे आवे त्यारे सुन्दर भेट लावे छे
८८.	टी. सी. नो दुष्ट स्वभाव जोईने	१००.	स्टेशन पर दोडता चोरने जोईने लोको बूम पाडे छे

१०१. लाल साडी पहेरावीने गांडी कलाने डॉक्टरने बताववा माटे समकित काळुं पेण्ट अने सफेद सर्ट पहेरीने लाल कारमां बेसीने स्टेशन पर जईने सफेद टिकिट लईने लाल डब्बामां ए.सी. कोचमां बेसीने बोम्बेनी प्रख्यात मेण्टल हॉस्पिटलमां लई जाय छे

१०२. आजे विशाल नूतन हॉस्पिटलनो शीलान्यास छे

१०३. हॉस्पिटलनो नकसो सुन्दर अने आकर्षक छे

१०४. हॉस्पिटलमां सफेद आरसना मोटा अने लिसा पत्थर होवा जोईए

१०५. नूतन हॉस्पिटलमां होंशियार डॉक्टरो आववाना छे

१०६. हॉस्पिटलना बारी बारणाओने लीला रंगना पडदा छे

१०७. हॉस्पिटलना नर्सोने सफेद युनिफोर्म छे

१०८. हॉस्पिटलनुं नाम सुन्दर अक्षरोमां लखेलुं छे

१०९. डॉक्टर रोगीना भयंकर रोगने जोई विचारे छे

११०. हॉस्पिटलमां दर्दीओने पोष्टिक खोराक आपे छे

१११. हॉस्पिटलनी भींतोनो क्रिम कलर छे

११२. हॉस्पिटलमां शिखर बन्धी विशाल देरासर होवुं जोईए

११३. हॉस्पिटलमां बेसवा लाकडानी लाम्बी बेंच छे

११४. हॉस्पिटलनुं उद्घाटन मन्त्री द्वारा रीब्बन कापीने कराय छे

११५. दर्दीओ माटे डॉक्टरना हृदयमां करुणा होय छे

११६. बधा डॉक्टरो साथे मलीने हॉस्पिटलनी ख्याति माटे विशाल जन समुदायनी मिटिंग राखे छे

११७. ट्रेननुं एक्सिडण्ट थतां गम्भीर रीते घायल थयेलां लाल लोहीथी खरडायेला नाना मोटा बालक-वृद्ध-आदिने बोम्बेनी प्रख्यात "बॉम्बे हॉस्पिटलमां" पहोंचाडवामां आवे छे

विशेषणविशेष्य-कृदन्त

१. तीर्थ स्वरूप पालिताणामां वृद्धाश्रममां वृद्ध साधु-साध्वी अने श्रावक श्राविकाओ माटे पुण्यशाली श्रावको उत्तम लक्ष्मीथी उत्साह पूर्वक उदार दिलथी वैयावच्च करे छे

२. परम पूज्य सरल स्वभावी आचार्य भगवन्त....सूरि म. सा.नी पावन निश्रामां नाना बे बालको पोताना पवित्र आत्माने मोक्षमां लई जवा माटे भयंकर संसारने त्यजीने अमूल्य चारित्र ग्रहण करवा माटे ममतालु माता पासे आज्ञा मांगे छे

३. काला नेम्र कुमार किमती वस्त्र आभूषणो धारण करीने सफेद घोडा वाला रत्न जडीत रथमां बेसीने उग्रसेन राजानी लाडली पुत्री राजुलने वरवा माटे जतां, नाना पशुओनो करुण पोकार साम्भलीने रोती राजुलने मुकी रथ पाछो वालीने संयम ग्रहण करे छे

३. परमात्मा वीरना शासनमां महान् आचार्यो भव्य जीवोने प्रतिबोध करीने संयमनी उत्कृष्ट भावना जागृत करी मोह रूपी संसारने छोडी समता धारक श्रेष्ठ जीवन बनाववानी प्रेरणा करे छे

४. सती नीलम देवी पोताना प्राणनाथ सुमतिने मेलववा माटे सुन्दर स्वप्न अनुसार गोवालणनो अद्भूत वेश धारण करी माथा उपर लाल घडामां मधुर गोरस लईने वेश्याना विशाल भवन आगल लटकाली चालथी चालती गोरस ल्यो गोरस एम (बोलती) कोकिल कण्ठथी अवाज करती फरे छे

५. हॉस्पिटलमां समय पसार करवा माटे दर्दी रूमनी मोटी बारीमां प्लास्टिकनी कुर्सी पर बेठा बेठा सवारमां सूर्यना लाल किरणोने तेमज सामेना बगीचामां रमतां, खिलता लाल गुलाबी पीला पुष्पोने सुंघतां नाना बालकोने जुवे छे

६. घोर जंगलमां भयंकर क्रोधित सर्पने जोईने रूपालि राधा अतिशय भयभीत थईने पोताना मोटा भाईने जोरथी बूम पाडीने दोडीने जल्दी आववानुं कहे छे

७. विशाल स्कूलना मनोहर उद्यानमां नाना नाना बालकोनी रमत अने एमनी मीठी मीठी तोतिली बोली साम्भलीने अध्यापक मनमां खुब ज आनन्द अनुभवे छे अने बालकोने खुब सुन्दर प्रोत्साहन आपे छे

८. दयालु शेठ गरीब दुनियाना माणसोने स्वादिष्ट भोजन अने

सुन्दर वस्त्रो खुब ज उल्लासथी पोतानी सुन्दर हवेलीमां बोलावीने पोताना हाथथी हर्षोल्लास पूर्वक अर्पण करे छे

९. ज्ञानि-ध्यानि-त्यागि-तपस्वि-मुनि महाराज पोतानी विशाल नगरीने छोडीने आत्माराधनानी अपूर्व साधना करवा माटे उग्र विहार करीने, भवि लोकोने प्रतिबोध करीने भयंकर जंगलमां निर्भय बनीने कार्योत्सर्ग करे छे

१०. तारक परमात्माना पावन दर्शन पूजनथी आत्मा परम शान्ति एवं पूर्व सञ्चित क्लिष्ट कर्मोनो जल्दी नाश करीने शीघ्र मोक्षपद प्राप्त करे छे

११. कलिकाल सर्वज्ञ हेमचन्द्राचार्य लघुवयमां चारित्र अंगीकार करी पोतानी बुद्धिमत्ता एवं होंशियारीथी अनेक ग्रन्थोनी सुन्दर रचना करी अढार देशना पराक्रमी राजा कुमारपाल महाराजाने प्रतिबोध करी जैन शासननी खुब-खुब शोभा वधारे छे

१२. राजकुंवरी मखमलना गादला पर घोर निद्रामां प्रसन्न मुखवाली सुन्दर स्वप्नमां लीला आकाशमांथी श्वेत रंगना घोडा पर मुल्यवान् झगमगता वस्त्रो, गलामां चमकतो हार, अने माथे पीली झरीनी पाघडीथी सुशोभित एवा राज कुमारने आवतो जुवो छे

१३. स्टेडियममां विशाल जन समूहनी वच्चे सफेद युनिफार्म, लाल टोपी, आँख पर काला चश्मा, माथा पर टोपो, हाथमां ग्लोक्स, पगमां पेड बांधीने हाथमां लाकडानी बेट अने सीझन बोल लईने लोकोनुं मनोरञ्जन करवा क्रिकेटर मैदानमां आवे छे

१४. सफेद विदेशी लाल बेग लईने ऊंचा पहाड उपर सफेद बुट पहेरीने मधुर मुस्कानथी धीरे धीरे चाले छे

१५. संदीप पोताना मित्रोनी साथे लीली फियेट कारमां काली सीट पर बेसीने मुम्बईनी प्रख्यात चोपाटीना मनोहर गम्भीर उच्छाला मारता समुद्रना किनारे फरतां फरतां त्यांना रमणीय वातावरणने निहालतो डुबता सूर्यनी लालासथी आनन्द पामतो किल्लोल करे छे

१६. विशाल अने भव्य उज्जैनी

नगरीमां (राजा) प्रजापाल प्रजानुं सुन्दर अने न्यायथी पालन करतां पोतानी मोटी दिकरी मयणा अने नानी सुर-सुन्दरीनी गुरुकुलमांथी ज्ञान ध्यानमां केवी प्रवीण थई छे? तेनी परीक्षा करवा भर दरबारमां प्रधानो सामन्तो प्रजाजनो अने अन्तःपुर सहित तारा मण्डलनी मध्यमां रहेला चन्द्रनी जेम शोभतो एवो ते जात जातना चित्र विचित्र प्रश्नोनी वृष्टि करे छे

१७. नाना नाना बालको स्कूल जवा माटे लाल रंगनो रेईन कोट पहेरीने प्लास्टिकनी बेगमां प्लास्टिकना पूंठा वाली पुस्तको भरीने वरसादी बुंट पहेरीने थोडाक बालको रंग बीरंगी छत्री लईने वरसादनी मजा मानता वाहनोना जोरे उडता कादवना छांटाओथी बचता स्कूले जाय छे

१८. काली साडी पहेरीने लाम्बी ललीता पाञ्चमी रुममांथी गरण पाणी लईने लाल घडामां भरीने नानी राखीने आपे छे

१९. मोटा उपाश्रयमां व्रतधारी श्रावक सफेद कटासणु लईने महान् आचार्य पासे मोटा ग्रन्थना वाञ्चन करवानो थोडो प्रयत्न करतां सारी सफलता मेलवे छे

२०. त्यागी साधु मोटो तप करवा माटे मोटा आचार्य पासे मन्त्रित वासक्षेप नखावीने लीला पार्श्वनाथ सामे लीली नवकारवाडी लईने सफेद आसन पर बेसीने उत्कृष्ट ध्यान धरे छे

२१. सञ्जय लाल पेनथी सफेद बूक पर ब्लु शब्दोथी मोटुं नाम लखीने पुस्तक उपर सुन्दर सजावट करे छे

२२. लाम्बी लाकडीने सहारे वृद्ध बुढिया सफेद साडी हाथमां लईने महान् दीक्षार्थीने सुन्दर भेट आपवांथी अति प्रसन्न थाय छे

२३. चार बूक लईने लाम्बो सुनील जाडा अध्यापक पासे आवीने गहन अर्थनी सुन्दर विवेचना करे छे

२४. नीति सफेद साडी पहेरीने नूतन देहरासर जवा माटे तैयार थईने स्वादिष्ट मिठाई अने सरस फल लईने तथा सुन्दर रुमाल लईने जल्दी जल्दी देहरासर जईने प्रभुनुं मटकालुं

मुख जोईने विनम्रपणे बे हाथ जोडीने प्रभुने पांचेय अंग नमावीने वन्दन करे छे

२५. प्रकाश दौडती ट्रैनमां बेसीने सुन्दर प्लेट फार्म पर उतरीने मोटी धर्मशालामां जवा माटे सुन्दर रिक्सामां बेसीने धर्मशाला आवीने जल्दीथी ऊंचो पर्वत चढीने आदीश्वर दादानुं चमकतुं मुखडुं जोईने खुब ज आनन्द पामे छे

२६. कामिनी काली कारमां बेसीने सुन्दर महल जोवा माटे आवीने उत्सुक भावथी सुन्दर महल जोईने महल बनावनार माणसनी खुब ज तारीफ करीने पाछा वलतां सुन्दर गार्डनने जोईने त्यांना रंगीन फुवारा खीलता फूल आदिने जोईने मनने प्रफुल्लित करे छे

२७. साहेब काली सीट वाली सायकल पर बेसीने लाल थेली अने ब्राउन रुमाल लईने धर्मशाला आवीने काला बोर्ड पर रंगीन चोक पीसथी लखीने अमने खुब ज सारी रीते समजावीने घणुं लेशन आपे छे

२८. कञ्चन सफेद पेन लईने काली रीफल नाखीने बिना कलरवाली पुस्तकनी अन्दर क्रीम कलरना पेपर उपर सुन्दर अक्षरथी लखीने रंगीन पेनथी खुब ज सारी डिजाइन करीने बधा लोकोने आकर्षित करे छे

२९. छ'री पालित संघने कढाववानी उत्तम भावना राखीने पू. महान् आचार्य भगवन्त पासे सुश्रेष्ठ (शुभ) मुर्हूर्त कढावीने देश विदेश सुन्दर पत्रिका मोकले छे अने ममतालु माता, प्रेमालु पिता स्वजनो वगेरेने संघमां आववा माटे भावभर्यु आमन्त्रण आपे छे

३०. प्रातःकाल ऊठीने नमस्कार महामन्त्रनुं स्मरण करीने आकर्षक एवा फोटाना दर्शन करीने उत्तम एवी पूजानी सामग्री तैयार करीने जिन मन्दिर जाय छे, "निस्सिही" "नमो जिणाणं" करीने हृदयना भाव भर्या उमलका साथे त्रिलोकी नाथना दर्शन करीने भाववाही स्तुति करी छे

३१. नाना मासुम बालकने पाँच वर्षनी उम्मर थतां उमंग-भरेली माता नर्सरीमां टाई, युनिफार्म पहेरावीने ग्रीन साडी पहेरीने

कालाः रीक्षामां बेसाडवा जाय छे ने साथे सुन्दर एवा चित्रवाली बूक अने पेन तेमज स्वादिष्ट काजु-द्राक्षवालो चेवडो लंच बोक्षमां भरी आपे छे

३२. विशाल विनीता नगरी ना गम्भीर अने महा पराक्रमी प्रथम चक्रवर्ती भरत महाराजा सुन्दर-भव्य आरिसा भुवनमां अनित्य भावना भावतां भावतां चार घाती कर्म रूपी शत्रुथी विजयी बनी उत्कृष्ट अद्भुत अप्रतिपाती केवल ज्ञानने पामे छे

३३. पवित्र गिरिराज पर भाव पूर्वक चढतो भक्तिवान् श्रावक पोतानी शुभ भावनाथी अपार इच्छाने पोताना मनोबलने पूर्ण करवा माटे भावी लोकोनी साथे उल्लास पूर्वक प्रभुना मधुर गीत गातो शाश्वत गिरिने स्पर्शना करतो मननी भावनाथी डोलतो जयणा पूर्वक चालतो दादाना दर्शन माटे दौडतो मनोहर मूर्ति त्रिलोकी नाथने निरखतां अनराधार आंसु वरसावतो मोटी स्तुति बोलतो पोताना जीवननी करुण कथनी कहेतो परमात्माने हैयाभीनी श्रद्धाथी भावपूर्वक नमस्कार करे छे

३४. भव्य मथुरा नगरीमां माखण चोर शामलीयो पोताना मित्र साथे नगरीमां रमतो पोताना महान् पराक्रमथी शेष नागने डरावतो घरोनी लाल मटकी फोडतो अप्सरा जेवी गोपीओ साथे फरतो साक्षात् रम्भा समान राधा साथे मधुर कोकिल कण्ठथी मोरली वगाडतो पूज्य पिताश्री वासुदेवनी पूर्ण आज्ञा पालतो पोताना ज्येष्ठ बन्धु गम्भीर बलदेवनी साथे गुरुकुलमां शान्त मूर्ति, प्रभावशाली गुरुदेव पासेथी धार्मिक विद्या स्थिर मनथी उत्कृष्ट भावनाथी प्राप्त करीने कपटी कंस साथे घोर रणमां महान् बलथी घोर युद्ध करीने विजयी बनी विशाल नगरीनो राजा बने छे

३५. पूज्य पिताश्री साथे अणमोल मुक्तिनो पंथ ग्रहण करवा तत्पर बनेलो रत्नत्रयी चारित्रने मेलववा झंखतो अमूल्य रजोहरण झीलवा उत्कृष्ट भावनाथी दोडी रहेलो अरणिक दीक्षा ग्रहण करीने

संयम जीवन टकाववा माटे भक्तिपूर्वक गोचरी लेवा माटे भर तडकामां चालतो पगे दाझतो मोटा महेलनी नीचे ऊभो रहेलो वेश्यानी नजरे अवतो पोताना संयम जीवनथी चलित थतो मातानो करुण रुदन एवं पोकार सांभली सुन्दर महेलथी उतरतो तत्काल माताना पवित्र शरणमां पडतो दीलथी क्षमा मांगतो मातानी आज्ञा पाळवा धग धगती शीला पर शुभ भावनाथी मोक्षरूपी संथारो (संस्तारक) करे छे

३६. चोरी करतो महा पराक्रमी अपार लक्ष्मीने मेळववा माटे दोडतो मोटा दोरडा पर चढतो ऊंडी तिजोरीनी जाडी चावी लईने मोटुं तालुं खोलतो सुन्दर आह्लाददायक नव लखा घरेणा लेतो नवी कडकडती नोटोना मोटा बंडल लईने जल्दीथी दोडतो पुलिसनी नजरे चडतो क्रोधी इन्स्पेक्टर वडे पकडातो मोटी ब्लु जीपकारमां बेसीने जेलमां आवीने लुखी रोटली खातो जेलनुं मुश्केल काम करतो मोटी भयानक सजा पूरी करीने पूज्य पिताश्री पासे आवीने पवित्र शरणमां प्रेम पूर्वक शीष झुकावीने दिल खोलीने क्षमा मांगे छे

वर्तमान-कृदन्त

१. दोडता हरणने जोईने सीता हसे छे

२. गर्जतो सिंह मोढुं फाडे छे

३. नाचती अप्सरा थाकी जाय छे

४. बोलती मेना वडे अटकाय छे

५. नाचतो मोर कला करे छे

६. भीख मांगतो भीखारी रखडे छे

७. भक्ति करता मोर वडे हसाय छे

८. भसतुं कुत्तरुं करडे छे

९. दोडता काका पडे छे

१०. भूंकतो गधेडो अलोटे छे

११. नाटक करतो सूरज रखडे छे

१२. प्रदक्षिणा करतो मुकेश स्तुति बोले छे

१३. परमात्मानी पूजा करतो नागकेतु कर्म खपावे छे

१४. लखतो मनिष धातु गोखे छे

१५. प्रभुनी भक्ति करतो रावण तीर्थंकर पद बाँधे छे

१६. चकडोलमां बेसेलो बालक रडे छे

१७. दहेज लेतो ससरो हर्ष अनुभवे छे

१८.	पुरुषार्थ करतो ते सफलता मेळवे छे		छे
१९.	ते पुरुषार्थ करतां सफलता मेळवे छे	३५.	गर्जना करता सिंहथी जंगलना पशुओ डरे छे
२०.	गरीब माणस याचतां (मांगतां) शरमाय छे	३६.	घोर जंगलमां ध्यान करता मुनिने राजा नमस्कार करे छे
२१.	जमता भाईने बेन पीरसे छे	३७.	अवाज करतां बालकोने अध्यापक डांटे छे
२२.	तीर्थंकरने जोतो इन्द्रभूति विस्मय पामे छे	३८.	रमता श्यामने माँ बोलावे छे
२३.	प्रतिक्रमण करतो श्रावक उंघे छे	३९.	धन लई जता चोरने राजा दण्डे छे
२४.	रूममां प्रवेश करतां साहेब 'मत्थएण वन्दामि' बोले छे	४०.	संसारनो त्याग करतां बालको आनन्द अनुभवे छे
२५.	चालतो बळद गभराय छे	४१.	चालती गाडी बन्ध पडे छे
२६.	उतरतो देव अवलोकन करे छे	४२.	आवता साहेबने जोईने अमे जल्दी आवीए छीए
२७.	रडता बालकने माता लाडवो आपे छे	४३.	सासुने जोतां जमाई हरखे छे
		४४.	लखती हुं थाकती नथी
२८.	दोडता उंदरने बिलाडी पकडे छे	४५.	रमतो बालक पडे छे
		४६.	स्कूले जती सोनल रडे छे
२९.	भागता चोरने सिपाही पकडे छे	४७.	संसारमां विरक्त रहेलो मुमुक्षु संयमने झंखे छे
३०.	राजाने अन्याय करतो जोईने प्रजा हाहाकार मचावे छे	४८.	शासननी प्रभावना करतां आचार्य भगवन्त व्याख्यान आपे छे
३१.	नाचती राधाने राजा ईनाम आपे छे	४९.	बेनने विदाई आपतो भाई उदास छे
३२.	उडता पक्षीने पाराधी बाण मारे छे	५०.	चण्डकौशिकने प्रतिबोध करता वीर बुझ-बुझ कहे छे
३३.	झगडता रतिलालने लोको धूतकारे छे	५१.	दीपकनी झळहळती ज्योत चमके छे
३४.	खेलती गुडियां देखावडी लागे छे		

५२. वरघोडामां गाती नारी शोभे छे

५३. वरघोडामां आगळ चालती अष्ट मङ्गलनी झाँकिया अद्भुत छे

५४. रेसमां आगळ दोडतो सफेद घोडो पहेलो नम्बर लावे छे

५५. वर्ल्ड दौडमां प्रथम आवती पी.टी. ऊषानुं सन्मान थाय छे

५६. आकाशे उडतुं विमान अटके छे

५७. पैराशूटथी नीचे उतरतो पाय-लोट गभराय छे

५८. गुरुदेवना स्नेह-आशीषने पामती शिष्या हर्ष अनुभवे छे

५९. रामनुं स्मरण करती सीता अटन करे छे

६०. कृष्णने भजती मीरा एमां खोवाई जाय छे

६१. शिक्षणना आधारे आगल वधता विद्यार्थिओ गौरव पामे छे

६२. सीतानुं हरण करतो रावण कपट करे छे

६३. मधुर कण्ठे स्तवन बोलतां पू. ....म.सा. डोले छे

६४. देरासर खोलतो पूजारी नवकार गणे छे

६५. अष्ट प्रकारी पूजा करतो श्रावक भावना भावे छे

६६. कायोत्सर्गमां मुनि स्थिर रहे छे

६७. बीरबलनुं सन्मान करतो अकबर थाकतो नथी

६८. पारेवाने अभयदान आपता मेघरथ राजा सोलमां तीर्थंकर बने छे

६९. बालक दोडतो दोडतो माँनी पासे आवे छे

७०. नोट गणतो रूपेश भूली जाय छे

७१. गिरिराज चढतो वसु शुभ भावना भावे छे

७२. आदीश्वर दादाने भजतो ते ध्यान मग्न बने छे

७३. जमाईने जमतो जोईने ससरो मीठाई लावे छे

७४. आचार्य भगवन्त झगडता बालकने प्रतिबोध करे छे

७५. अनाथ नाना रखडता बालकने जोईने हेमाने दया आवे छे

७६. वातो करता माणसो थाकता नथी

७७. गोचरी जता साधुने जोईने इलाचीने केवल ज्ञान थाय छे

७८. १४ स्वप्ना जोती माता आनन्द पामे छे

७९. विहार करता मुनि अनेक कष्ट सहन करे छे

८०. भयंकर सर्पने जोता बालको डरता नथी

८१. सुन्दर आंगी जोतो सूरज

	आनन्दित थाय छे	९९.	हसतो राजा सभामां आवे छे
८२.	मजुरो पासे काम करावती मेना गुस्से थाय छे	१००.	देव विमानमांथी उतरतो देव गिरिराजनी स्पर्शना करे छे
८३.	दान आपतो राजा हर्षित थाय छे	१०१.	केसर घसतो पूजारी वातो करे छे
८४.	पाछा वलता नेमने जोईने राजुला मुच्छित थाय छे	१०२.	नाचतो मोर मेहने बोलावे छे
		१०३.	दोडता ससला खाडामां पडे छे
८५.	भक्ति करती मीना नाचे छे		
८६.	रोती राजुलाने मुकी नेम जाय छे	१०४.	बगीचामां चालतो नरेश आनन्द पामे छे
८७.	दूध पीती बिलाडी डरे छे	१०५.	सामायिक करतो श्रावक समता राखे छे
८८.	सुती राजकुवंरी स्वप्न जुवे छे		
८९.	संदेश देतो दूत गभराय छे	१०६.	पूजा करतो कमलेश चिन्तन करे छे
९०.	पास थतो राजू ईनाम मेळवे छे		
९१.	पाणी पीतो हाथी सूंढ ऊंची करे छे	१०७.	समुद्रमां तरतो रूपेश गोथा खाय छे
९२.	फुंफाडा मारतो नाग जीभ बहार काढे छे	१०८.	ध्याने चढतो ज्ञानी आत्मसात् करे छे
९३.	वांचना आपता गुरु महाराज समजावे छे	१०९.	शिकार करतो युवराज खोवाई जाय छे
९४.	संस्कृत भणता बालमुनि आगल वधे छे	११०.	जवला चणतो पक्षी सुई जाय छे
९५.	तीखा मरचां खातो गणेश पाणी पीवे छे	१११.	जवला बनावतो सोनी साधुने नमस्कार करे छे
९६.	कॉलेजमां भणती ममता प्रभुदर्शन करती नथी	११२.	काष्ठनी भारी नाखते (छते) क्रौंच पक्षी जागे छे
९७.	रत्नोनी माला लेती दासी हरखाय छे	११३.	जवला जोतो सुनार (सोनी) संयम ग्रहण करे छे
९८.	अट्ठम करती चन्दनबाला अतिथिनी राह जुवे छे	११४.	मन वचन कायानी स्थिरता करतो सोनी केवल ज्ञान पामे

छे

११५. बोर्ड पर लखता साहेब अमने समजावे छे

११६. चालता साधु गाथा गोखे छे

अलम्

१. नव्वाणु यात्रा वडे सर्यु

२. रोगीने हॉस्पिटल वडे सर्यु

३. रोगीने केन्सर वडे सर्यु

४. डॉ. ने ऑपरेशन करवा वडे सर्यु

५. दर्दीने दवा ग्रहण वडे सर्यु

६. नर्सने दर्दीने इन्जक्शन प्रदान वडे सर्यु

७. हॉस्पिटलमां वातो करवा वडे सर्यु

८. रोगीने दर्शन वडे सर्यु

९. हॉस्पिटलमां डॉ.थी परिचय वडे सर्यु

१०. डॉ. ने दर्दीने धमकावा वडे सर्यु

११. हॉस्पिटलमां बारी बारणाना पडदानी शोभा वडे सर्यु

१२. डॉ.ने आदेश वडे सर्यु

१३. डॉ. हॉस्पिटलमां प्रवेश वडे सर्यु

१४. रोगीना घा उपर स्प्रेना सिंचन वडे सर्यु

१५. दमना दर्दीने ऑक्सिजन वडे सर्यु

१६. दोडती नर्सना चश्माना स्फोटन वडे सर्यु

१७. नवी हॉस्पिटल बनाववा माटे विशाल जग्या ग्रहण करवा वडे सर्यु

१८. माउन्ट आबुमां सुन्दर हॉस्टेल वडे सर्यु

१९. हॉस्टेलमां प्रिन्सिपालनी जोडे वार्तालाप वडे सर्यु

२०. हॉस्टेलमां खुश्बु-मनीषने एड्मीशन वडे सर्यु

२१. हॉस्टेलना टिचरोनी मुश्केलीना समाधान वडे सर्यु

२२. हॉस्टेलमां गोवा ट्रीप वडे सर्यु

२३. विद्यार्थीओने पेइन्टींगनी हरिफाई वडे सर्यु

२४. हॉस्टेलना लोनमां आकर्षक उद्यान वडे सर्यु

२५. हॉस्टेलनी रुमोमां कूर्सी टेबलनी स्थापना वडे सर्यु

२६. हॉस्टेलना वार्षिक उत्सवमां बलवन्त ठाकुरने बोलववा वडे सर्यु

२७. हॉस्टेलमां रीनाने स्पेश्यल क्लास वडे सर्यु

२८. हॉस्टेलना चोकमां गणतन्त्र दिवसनी उजवणी वडे सर्यु

२९. हॉस्टेलना मध्यभागमां मालिकना पुतडाना दर्शन वडे सर्यु

३०. मेहलुने हॉस्टेलनी केबिनमां

	नास्ता- वडे सर्युं		वडे सर्युं
३१.	हॉस्टेलमां लाईटना रंगीन झुम्मर वडे सर्युं	४६.	उपाश्रयमां साध्वी समुदायना समावेश वडे सर्युं
३२.	हॉस्टेलमां टेली ग्रामना समाचार साम्भली दीप्तिना रुदन वडे सर्युं	४७.	उपाश्रयमां सिरीयस साध्वीने नवकार स्मरण वडे सर्युं
३३.	मोनाना पिताश्रीने हॉस्टेलमां फीस्स थवा वडे सर्युं	४८.	उपाश्रयमां नाना बालकोने प्रोत्साहन रूपी प्रभावना वडे सर्युं
३४.	क्लास टिचर न आवतां विद्यार्थीने लेशन वडे सर्युं	४९.	उपाश्रयमां गृहस्थना लोच वडे सर्युं
३५.	प्रीतेशने काका साथे उपा-श्रयना प्लान वडे सर्युं	५०.	उपाश्रयमां दीक्षार्थीना माता-पिताने समजाववा वडे सर्युं
३६.	उपाश्रयना उद्घाटनमां सुरेश भाई वडे सर्युं	५१.	उपाश्रयमां गुरु महाराजनी वांचना वडे सर्युं
३७.	उपाश्रयमां नवा ट्रस्टी वडे सर्युं	५२.	बालकोने स्कूल वडे सर्युं
३८.	उपाश्रयमां महान् साधुओना पारणा वडे सर्युं	५३.	अध्यापकने भणाववा वडे सर्युं
३९.	उपाश्रयमां युवानोनी शिबिरो वडे सर्युं	५४.	बूक मुकवा वडे सर्युं
		५५.	अध्यापकने मलवा वडे सर्युं
४०.	उपाश्रयमां जगडुशाहना नाटक वडे सर्युं	५६.	बेल वडे सर्युं
		५७.	अध्यापकना आगमन वडे सर्युं
४१.	उपाश्रयमां गमन करता फेरीयाने नवकारवाली वेचवा वडे सर्युं	५८.	हरीशने रूपेश साथे भणवा वडे सर्युं
४२.	उपाश्रयमां आ.भ.ने विनन्ति वडे सर्युं	५९.	नीतेश ! अल्पेशने वातो करवा वडे सर्युं
४३.	हॉस्टेलमां नवा साधनो वडे सर्युं	६०.	अध्यापक ! राकेशने ईनाम आपवा वडे सर्युं
४४.	उपाश्रयमां स्पर्धा वडे सर्युं	६१.	छात्रोने दण्ड करवा वडे सर्युं
४५.	उपाश्रयमां मुमुक्षुना भाषण	६२.	मोहनने परीक्षामां पहला

नम्बरथी पास थवा वडे सर्युं

६३. पुस्तक लई जता तरुण वडे सर्युं

६४. अध्यापकने शिकायत करवा वडे सर्युं

६५. सर ! पेपरने फाडवा वडे सर्युं

६६. अध्यापक अने छात्रोना हसवा वडे सर्युं

६७. उद्यानमां गमन वडे सर्युं

६८. बगीचामां फुलोनी सुगन्ध वडे सर्युं

६९. वृन्दावन गार्डनना कलरींग फुवारा वडे सर्युं

७०. उद्याननां चकडोल वडे सर्युं

७१. बगीचानी टिकिट वडे सर्युं

७२. गार्डनमां मालणने सिञ्चन वडे सर्युं

७३. गार्डनमां बालको वडे सर्युं

७४. गार्डनमां मोनाने फुल वडे सर्युं

७५. उद्यानमां मित्रो वडे सर्युं

७६. नीतिनने सुरज साथे सुटिंग वडे सर्युं

७७. मीनाने भेल खाता मर्चा काढवा वडे सर्युं

७८. उद्यानमां राज कुमारी मुर्च्छित थतां पाणीना छंटकाव वडे सर्युं

७९. जयेश ! खोटु बोलतां तारे हसवा वडे सर्युं

८०. त्रिलोकी नाथने निरखवा वडे सर्युं

८१. मारे मौन वडे सर्युं

८२. तेने पोपट वडे सर्युं

८३. पाठशालामां जवा वडे सर्युं

८४. साहेबने वाक्यो वडे सर्युं

८५. केसर बरास वडे सर्युं

८६. स्नात्र पूजा वडे सर्युं

८७. फरकती ध्वजाना दर्शन वडे सर्युं

८८. शान्ति कलशनी क्रिया वडे सर्युं

८९. अष्ट प्रकारी पूजा वडे सर्युं

९०. प्रभुने अलङ्कार वडे सर्युं

९१. आरती मङ्गलदीवा वडे सर्युं

९२. भक्ति भावथी स्तवनना गान वडे सर्युं

९३. पच्चखाण वडे सर्युं

९४. भक्तामरना स्मरण वडे सर्युं

९५. देरासरमां पूजन वडे सर्युं

९६. सामुहिक आराधना वडे सर्युं

९७. देववन्दन वडे सर्युं

९८. देरासरना उद्घाटन वडे सर्युं

९९. देरासरमां पाणी वडे सर्युं

१००. देरासरमां आंगी वडे सर्युं

१०१. सिंहासनना स्थापन वडे सर्युं

१०२. मूर्तिना स्थापन वडे सर्युं

१०३. अढार अभिषेकनी क्रिया वडे सर्युं

१०४. अञ्जन शलाकानी क्रिया वडे सर्युं

कारण कार्य

१. जो पुण्यनो उदय जागशे तो चन्दनानो अभिग्रह पूर्ण थशे
२. जो स्वयंवरमां ते धनुष् उपाडशे तो प्रभञ्जनाने वरशे
३. जो वीणानो तार तुटशे तो मन्दोदरीनुं नृत्य अटकशे
४. जो पद्मा ! तुं सात कोडीमां राज्य मेलवीश तो तने हुं बोलावीश
५. करुणा ! जो तुं छट्ठ करीने यात्रा करीश तो त्रीजे भवे प्रायः मोक्षे जईश
६. चक्रवर्ती ! जो तुं राज्य छोडीश तो स्वर्गे जईश
७. मुनिवर ! जो तमे शुद्ध भावनाथी काजो काढशो तो मुक्तिमां जशो
८. मदारी जो तुं वांसली वगाडीश तो साप बहार आवशे
९. राधा ! जो तुं शुभ भावनाथी नवकार मन्त्रनुं स्मरण करीश तो विघ्नोथी पार उतरीश
१०. राणी ! जो तारी पीडा राजा जोशो तो मुच्छित थशे
११. सुरज ! जो तुं डॉ. बनीश तो पापना काम करवा पडशे
१२. श्रेणिक ! जो तुं पुरुषार्थ करीश तो रत्न त्रयी-चारित्र जल्दी मेलवीश
१३. जमना ! जो तुं पान पराग खाईश तो केन्सरनो रोग थशे
१४. वज्रकुमार ! जो तुं बहु रडीश तो साधुने वहोरावी दईश
१५. मनीष ! जो तुं आयंबिल करीश तो रसनेन्द्रियने जितीश
१६. ललीता ! जो तुं श्रीपालनी दीक्षामां जईश तो (तने) प्रभावना मलशे
१७. जीनल ! जो तुं पू....सूरि म.सा.ना व्याख्यानमां जईश तो (तुं) तत्त्वनुं ज्ञान मेलवीश
१८. प्रदीप जो तुं कन्दमूल खाईश तो नरकमां जईश
१९. पू. श्री....म. सा. ! जो तमे नव्वाणु करशो तो लाडवानी बाधा छुटशे
२०. मोहन ! जो तुं करुण गीत गाईश तो पब्लिक रडशे
२१. गायत्री जो तुं महेनत करीश तो टी. वी. ने छोडीश
२२. बदामी ! जो मयूरी तारा लाम्बा बाल जोशे तो नजर पडशे
२३. निशा जो तुं कॉलेज जईश तो मासी म. सा. वढशे
२४. अनीता ! जो तुं संसारथी विरक्त रहीश तो संयम लईश

२५.	जो मयणा धर्मने पाळशे तो परीक्षामां पार उतरशे		नगरीना द्वार उघडशे
२६.	जो गजसुकुमाल समता राखशे तो मोक्षने पामशे	४०.	जो लोको नेमनाथनी जान जोशे तो घेला थशे
२७.	जो हुं गुरुदेवनी निश्रामां रहीश तो मारो उद्धार थशे	४१.	जो कृष्ण हा पाडशे तो परणावाशे
२८.	जो आचार्य भगवन्तना पगला थाय तो आंगण पावन थाय	४२.	जो भरवाड अने भरवाडण बलदेव मुनिने वहोरावशे तो मोक्षमां जशे
२९.	जो तुं प्रभुनी भक्ति करीश तो भवने तरीश	४३.	संकेत ! जो तुं सेवा करीश तो (तुं) मेवा मेलवीश
३०.	जो सीता हा पाडशे तो लवकुश रामने मलवा जशे	४४.	जो कृष्ण आवशे तो माटलुं फोडशे
३१.	जो साधु शुद्ध आचार पालशे तो वैराग्य दृढ बनशे	४५.	जो शर्मीष्ठा नाचशे तो घुघरुं बाँधशे
३२.	जो अमे जयणा पालशुं तो निरोगी रहीशुं	४६.	जो पवन् आवशे तो कपडां उडशे
३३.	जो हरेश भाई आवशे तो संस्कृत भणावशे	४७.	मालती ! जो तुं रमीश तो तारो पहेलो नम्बर आवशे
३४.	जो इन्द्रभूति समवसरणमां जशे तो गौतम बनशे	४८.	हितेश ! जो तुं जङ्गलमां जईश तो डरीश
३५.	जो ब्राह्मी सुन्दरी आवशे तो भाईनो अहंकार तुटशे	४९.	मानसी ! जो तुं तडके रखडीश तो (तारुं) माथुं दुःखशे
३६.	जो अल्पा पीरसशे तो बालको खाशे	५०.	लोको जो मदारीने जोशे तो दोडशे
३७.	जो वरसाद वरसशे तो जीनु अने गुञ्जन भींजाशे	५१.	निर्मल ! जो तुं सारुं भणीश तो विद्वान् बनीश
३८.	जो देव आवशे तो पुष्प वृष्टि करशे	५२.	जो तुं बारणा खुल्ला मुकीश तो चोर आवशे
३९.	जो सुभद्रा सती चारणीथी पाणी काढशे तो चम्पा	५३.	जो कीर्ति भाई आवशे तो

	पेण्डा-लावशे	६८.	मीनाक्षी ! जो तुं मन मक्कम करीश तो संयमने लई शकीश
५४.	निशा ! जो तुं खाण्ड वेरीश तो कीडीओ थशे	६९.	भिखारी ! जो तुं महेनत करीश तो रोटी मेळवीश
५५.	जो रतिलाल आवशे तो लाडवो लावशे	७०.	जो आ. भगवन्त आवशे तो जोग करावशे
५६.	जो हुं वाक्यो बोलीश तो साहेब साम्भलशे	७१.	जो तुं गुरु प्रत्ये श्रद्धा भक्ति राखीश तो विद्या आवशे
५७.	जो मारी संस्कृत बूक पूर्ण थशे तो गुरु म.सा. खुश थशे	७२.	जो नीलम गोवालणनो वेश धारण करशे तो वेश्याना पंजामांथी सुमतिने छोडावशे
५८.	जो मामा आवशे तो रमकडां लावशे	७३.	पद्मा ! जो तुं संयम ग्रहण करवानी भावना राखीश तो तने मोक्ष प्राप्त थशे
५९.	जो श्रीपाल-श्रेणिक दीक्षा लेशे तो शासन दीपशे	७४.	आशा ! जो तुं भक्तिथी प्रभुना गुणगान करीश तो तारा कर्मनो क्षय थशे
६०.	जो तमे देहेरासर बन्धावशो तो पुण्य बाँधशो	७५.	अश्विन भाई ! जो तमे शङ्खेश्वर जशो तो अट्ठम करवानुं मन थशे
६१.	जो किरिट म.सा. पासे जशे तो दीक्षा लेशे	७६.	शैला ! जो तुं सामायिक करीश तो कर्म खपशे
६२.	जो कृष्ण आवशे तो माखण चोरी जशे	७७.	जो रोहिणीया चोरने पगमां काँटो वागशे तो कानमांथी आंगली काढशे
६३.	जो पाण्डवो देखाशे तो दुर्योधन राज्य लई लेशे	७८.	जो तमे दर्शन करशो तो सम्यग् दर्शननी प्राप्ति थशे
६४.	पारुल ! जो तुं माता-पिताने नमीश तो नम्रता आवशे	७९.	जो सीता अग्नि परीक्षामां पास थशे तो (तेनुं) सतीत्व
६५.	जो तुं परिग्रह राखीश तो नरके जईश		
६६.	जो तुं जीवनमां त्याग करीश तो आगल वधीश		
६७.	अनिता ! जो तुं वीस स्थानक तप करीश तो तीर्थंकर नाम कर्म बाँधीश		

	वखणाशे		आवीश तो यात्रा थशे
८०.	जो हेली माउन्टाबु जशे तो त्यांनी कोतरणीना फोटा पाडशे	९३.	जो राजु बजारमां जशे तो सामान लावशे
		९४.	जो संसारी सम्बन्धी आवशे तो (मने) वातो करावशे
८१.	जो बालकोने संस्कार वाटिकामां मोकलशो तो भविष्यमां आगल वधशे	९५.	जो शर्मिला चा पीशे तो खराब आदत पड़शे
८२.	भारती ! जो तुं छ'री पालित संघमां जईश तो साधु जीवननी चर्यानो अनुभव थशे	९६.	शालिभद्र ! जो (तमे) तमारे घेर जशो तो तमने तमारी माँ गोचरी वहोरावशे
८३.	स्वीटी ! जो तुं स्कूल जईश तो ज्ञान मलशे	९७.	जो तमे भूख्या रहेशो तो उणोदरी व्रत थशे
८४.	सञ्जय ! जो तुं पूजा करीश तो (तारुं) पुण्य बंधाशे	९८.	जो तुं अभिमान राखीश तो (तने) केवलज्ञान नहिं थाय
८५.	जो पेनमां साही हशे तो वाक्यो लखाशे (मया)	९९.	जो सुरसुन्दरी जागशे तो अमर कुमारने गोतशे
८६.	जो संस्कृत बूक हशे तो नियमो थशे	१००.	जो माछली पाणीमां रहेशे तो जीवशे
८७.	जो (मने) रजोहरण मलशे तो मारी इच्छा पूर्ण थशे	१०१.	जो महाबल मलया सुन्दरीने बोलावशे तो राजा क्रोधित थशे
८८.	श्रीपाल-श्रेणिक ! जो तमे संसार तजशो तो (तमने) संयम मलशे	१०२.	जो नर्मदा ! तुं धर्मनुं पालन करीश तो शिव मन्दिरमा निवासी बनीश
८९.	मोसम ! जो तुं गोखीश तो तारा सूत्रो पाकां थशे	१०३.	जो बालकोने तरस लागशे तो पाणी माँगशे
९०.	जो चोक पीस हशे तो साहेब वडे बोर्ड पर लखाशे	१०४.	जो सासु गुस्सो करशे तो मने घरथी बहार काढशे
९१.	जो झाड उपरथी फल पडशे तो बालक लेवा दोडशे	१०५.	जो तुं भणीश तो मने आनन्द थशे
९२.	अनीता ! जो तुं पालिताणा		

१०६. जो पुत्र मलशे तो माता खुश थशे

१०७. जो प्रभुनो जन्म थशे तो इन्द्रनुं सिंहासन चलायमान थशे

१०८. वीर धवल ! जो तुं युद्ध करीश तो अवश्य तारी जीत थशे

१०९. जो विनय हशे तो विद्या आवशे

११०. मीना ! जो तुं अन्य धर्म पालीश तो (तने) मिथ्या-त्वनी प्राप्ति थशे

१११. सोना ! जो तुं रत्नत्रयीनी आराधना करीश तो तने शुद्ध समकितनी प्राप्ति थशे

११२. हरीश ! जो तुं धमाल करीश तो (तने) मार पडशे

११३. राकेश ! जो तुं होटल जईश तो (तारी) आदत बगडशे

११४. नर्तकी ! जो तुं नृत्य करीश तो (तने हुं) राजा पासे इनाम अपावीश

११५. गीता ! जो तुं निन्दा करीश तो नरकनी भागीदारिणी बनीश

धिग्

१. लोकोना अन्ध विश्वासने धिक्कार थावो

२. मारी भूलो अने कुटेवोने धिक्कार थावो

३. धोखेबाज शियालने धिक्कार थाओ

४. परमाधार्मिकना कार्यने धिक्कार थाओ

५. कसाईना का(म)र्यने धिक्कार थाओ

६. मारी उपयोग शुन्यताने धिक्कार थाओ

७. कोणिकना दुष्ट भावने धिक्कार थाओ

८. परमात्मानी आज्ञा न माननारने धिक्कार थाओ

९. राजुनी जीदने धिक्कार थाओ

१०. मधुपान करनारने धिक्कार थाओ

११. खारा पाणीने धिक्कार थाओ

१२. प्रजाने दुःखी करनार राजाने धिक्कार थाओ

१३. प्रभुनी निन्दा करनारने धिक्कार थाओ

१४. दुष्कालने धिक्कार थाओ

१५. स्थुलिभद्रमां रहेला अहंकारने धिक्कार थाओ

१६. शेठना क्रोधने धिक्कार थाओ

१७. कृतघ्नने धिक्कार थाओ

१८. ब्राह्मणना लोभने धिक्कार थाओ

१९. मारी अनुकूलताने धिक्कार थाओ

२०. चोरना कार्यने धिक्कार थाओ

२१. करमाई गयेला फूलोने धिक्कार थाओ
२२. राजाना अन्यायने धिक्कार थाओ
२३. कूत्तराना भसवाने धिक्कार थाओ
२४. पापीना पापने धिक्कार थाओ
२५. मारा अशुभ विचारोने धिक्कार थाओ
२६. मारा प्रमादने धिक्कार थाओ
२७. तेना अहंकारने धिक्कार थाओ
२८. मरिचिना मदने धिक्कार थाओ
२९. वाणियानी अनीतिने धिक्कार थाओ
३०. नरकना दुःखोने धिक्कार थाओ
३१. दम्भी माणसना दम्भने धिक्कार थाओ
३२. आनन्दना व्यसनने धिक्कार थाओ
३३. चण्ड कौशिकना क्रोधने धिक्कार थाओ
३४. वरसादनी बिलजीने धिक्कार थाओ
३५. शकुनीनी दानतने धिक्कार थाओ
३६. रहनेमिना खराब विचारोने धिक्कार थाओ
३७. वंकचूलना साथीने धिक्कार थाओ
३८. कैकैयीना वचनने धिक्कार थाओ
३९. श्री राणीना वचनने धिक्कार थाओ
४०. देवना झगडाने धिक्कार थाओ
४१. विराट संसारने धिक्कार थाओ
४२. शत्रुनी चढाईने धिक्कार थाओ
४३. रावणना कपटने धिक्कार थाओ
४४. कंसना निश्चयने धिक्कार थाओ
४५. रोहिणीया चोरना अभिग्रहने धिक्कार थाओ
४६. वहुनी सासुने धिक्कार थाओ
४७. सर्पना झेरने धिक्कार थाओ
४८. वेश्यानी मायावी जालने धिक्कार थाओ
४९. भरवाडना लोभने धिक्कार थाओ
५०. दुःख देनार पुत्रने धिक्कार थाओ
५१. परमाधार्मिकने धिक्कार थाओ
५२. कनकवतीना कपटने धिक्कार थाओ
५३. बाहुबलीना अभिमानने धिक्कार थाओ
५४. शकुनीना विश्वासघातने धिक्कार थाओ
५५. मम्मण शेठना लोभने धिक्कार थाओ
५६. जीवन बगाडनार टी.वी. विडीयोने धिक्कार थाओ
५७. मायावी राक्षसने धिक्कार थाओ

५८. हरिषेणना षड्यन्त्रने धिक्कार थाओ
५९. मन्थराना कार्यने धिक्कार थाओ
६०. गोशालकना अभिमानने धिक्कार थाओ
६१. सङ्गम देवना उपसर्गने धिक्कार थाओ
६२. जेने संयम न गमतुं होय तेने धिक्कार थाओ
६३. जेने होटल जवुं गमतुं होय तेने धिक्कार थाओ
६४. उद्भट वेशने धिक्कार थाओ
६५. मारी उंघने धिक्कार थाओ
६६. नरकना दुःखने धिक्कार थाओ
६७. सुपात्रदान न आपनार दासीने धिक्कार थाओ
६८. केन्सरना रोगने धिक्कार थाओ
६९. संसार वधारनार मोहने धिक्कार थाओ
७०. जमालीनी वातने धिक्कार थाओ
७१. शिथिल साधुनी साधुताने धिक्कार थाओ
७२. मूर्खनी मूर्खताने धिक्कार थाओ
७३. उपाश्रयमां शान्तिनो भंग करनारने धिक्कार थाओ
७४. सनत्कुमारना रूपने धिक्कार थाओ
७५. ब्रह्मदत्तना कार्यने धिक्कार थाओ
७६. मारी दुर्बुद्धिने धिक्कार थाओ
७७. राणीनी अभद्रताने धिक्कार थाओ
७८. राज सभामां थतां दुष्ट कार्यने धिक्कार थाओ
७९. सातेय व्यसनमां लीन जुगारीने धिक्कार थाओ
८०. कालशौरिकना कसाईपणाने धिक्कार थाओ
८१. रावणनी काम वासनाने धिक्कार थाओ
८२. सोमिल ब्राह्मणनी वैर वृत्तिने धिक्कार थाओ
८३. कानमां खीला ठोकनार गोवालीयाने धिक्कार थाओ
८४. फांसीनी सजा आपनार जजने धिक्कार थाओ
८५. देरासरमां आसातना करनार श्रावकने धिक्कार थाओ
८६. श्रेणिकनी दासीना दानने धिक्कार थाओ
८७. तेनी लालसाने धिक्कार थाओ
८८. मोज शोखना साधनोने धिक्कार थाओ
८९. आजना टी.वी. युगने धिक्कार थाओ
९०. कंसनी दुष्टताने धिक्कार थाओ

बहुव्रीहि

क्रम.	विशेषण		विशेष्य	यद्नुं योग्य रूप		तदनुं प्रथ. रूप	अन्यपद
१.	अनन्त	छे	गुणो	जेमना	एवा	ते	परमात्मा
२.	लाल	छे	रंग	जेओनो	एवा	ते	पात्रा
३.	आंसुं	छे	आँखमां	जेने	एवी	ते	राजुल
४.	शाश्वती	छे	प्रतिमा	जेमां	एवो	ते	नन्दीश्वर द्वीप
५.	सारी	छे	सुगन्ध	जेमां	एवुं	ते	गुलाब
६.	वागतो	छे	डंको	जेनो	एवी	ते	घडियाल
७.	तेज	छे	गुस्सो	जेनो	एवी	ते	नणन्द
८.	तीखां	छे	मरचां	जेमां	एवां	ते	भाजीयां
९.	मटकालुं	छे	मुखडुं	जेनुं	एवी	ते	मूर्ति
१०.	सरल	छे	स्वभाव	जेनो	एवी	ते	कौशल्या
११.	हसतुं	छे	मुख	जेमनुं	एवा	ते	बालमुनि
१२.	सुन्दर	छे	पाँख	जेनी	एवो	ते	मोर
१३.	आकर्षक	छे	रूप	जेनुं	एवो	ते	देव
१४.	भयंकर	छे	अंधारुं	जेमां	एवी	ते	नरक
१५.	अपार	छे	सुख	जेमां	एवो	ते	मोक्ष
१६.	अनन्ती	छे	शक्ति	जेमनी	एवा	ते	सिद्ध भगवन्त
१७.	मोटो	छे	महिमा	जेनो	एवो	ते	गिरिराज
१८.	जडेलां	छे	रत्नो	जेमां	एवी	ते	मोजडी
१९.	ठण्डुं	छे	पाणी	जेमां	एवुं	ते	माटलुं
२०.	मीठी	छे	वाणी	जेमनी	एवा	ते	पू....म.सा.
२१.	लोहमय	छे	फ्रेम	जेनी	एवा	ते	चश्मा
२२.	सुन्दर	छे	कोतरणी	जेनुं	एवुं	ते	देरासर
२३.	कोमल	छे	काया	जेनी	एवुं	ते	ससलुं

२४.	उजवाती	छे	दीपावली	ज्यां	एवुं	ते	पावापुरी तीर्थ
२५.	अतिशय	छे	बल	जेमां	एवा	ते	परमात्मा
२६.	सादुं	छे	जीवन	जेओनुं	एवा	ते	मुनिओ
२७.	कपायां	छे	कांडां	जेना	एवी	ते	कलावती
२८.	पलाय	छे	भाषासमिति	जेना वडे	एवी	ते	मुहपत्ति
२९.	सुकाता	नथी	पांदडा	जेना	एवुं	ते	रायणनुं वृक्ष
३०.	उदार	छे	दिल	जेनुं	एवो	ते	कर्ण
३१.	घणो	छे	प्रकाश	जेनो	एवो	ते	सूर्य
३२.	सफेद	छे	बर्फ	जेमां	एवो	ते	हिमालय
३३.	फरकती	छे	ध्वजा	जेनी	एवुं	ते	देरासर
३४.	कालो	छे	काँच	जेनो	एवा	ते	चश्मा
३५.	तेज	छे	बुद्धि	जेनी	एवो	ते	अभयकुमार
३६.	सुखी	छे	प्रजा	जेनी	एवा	ते	सत्यवादी हरीशचन्द्र
३७.	कपटी	छे	मामा	जेना	एवो	ते	दुर्योधन
३८.	शान्त	छे	स्वभाव	जेनो	एवो	ते	सरल स्वभावी
३९.	पुण्य-शाली	छे	मातापिता	जेना	एवा	ते	पुत्रो
४०.	मक्कम	छे	मन	जेनुं	एवा	ते	मुमुक्षुओ
४१.	सफेद	छे	बाल	जेना	एवो	ते	बुढापो
४२.	लीलां	छे	पांदडां	जेना	एवुं	ते	झाड
४३.	आनाथ	छे	बालको	जेमां	एवुं	ते	अनाथाश्रम
४४.	भूरी	छे	आँखो	जेनी	एवी	ते	बिलाडी
४५.	मीठा	छे	रसगुल्ला	ज्यां	एवो	ते	जमणवार
४६.	लाला	छे	रंग	जेनो	एवी	ते	चुंदडी
४७.	लाम्बो	छे	काण्टो	जेमां	एवुं	ते	गुलाब
४८.	रहेली	छे	माछलीओ	जेमां	एवो	तो	सागर
४९.	मीठो	छे	रस	जेनो	एवी	ते	केरी

५०.	विचक्षण	छे	बुद्धि	जेनी	एवो	ते	बिरबल
५१.	उदार	छे	मन	जेनुं	एवा	ते	म.सा.
५२.	बलीष्ट	छे	शरीर	जेनुं	एवो	ते	भीम
५३.	कोमल	छे	काया	जेनी	एवो	ते	शालीभद्र
५४.	अद्भूत	छे	सौन्दर्य	जेनुं	एवी	ते	अप्सरा
५५.	खारुं	छे	पाणी	जेमां	एवो	ते	समुद्र
५६.	लाम्बी	छे	दाण्डी	जेनी	एवुं	ते	दण्डासण
५७.	निर्दयी	छे	दिल	जेनुं	एवो	ते	कालसौरिक कसाय
५८.	नाना	छे	नियमो	जेना	एवी	ते	पं. शिवा-लालनी बूक
५९.	करुण	छे	कथनी	जेनी	एवी	ते	कामलता
६०.	मटकाली	छे	चाल	जेनी	एवी	ते	ढींगली
६१.	सर्प	छे	लञ्छन	जेमनुं	एवा	ते	पार्श्वनाथ
६२.	अट्ठम(नो)	छे	तप	जेने	एवी	ते	चन्दनबाला
६३.	लटकती	छे	लता	जेमां	एवुं	ते	वृक्ष
६४.	बाल	छे	वय	जेनी	एवो	ते	बालक
६५.	करुण	छे	दृष्टि	जेमनी	एवा	ते	परमात्मा
६६.	भयंकर	छे	आकृति	जेनी	एवो	ते	राक्षस
६७.	पवित्र	छे	भूमि	जेनी	एवुं	ते	पालिताणा
६८.	रमणीय	छे	वातावरण	जेनुं	एवो	ते	लालबाग
६९.	अपरम्पार	छे	कृपा	जेमनी	एवा	ते	अरिहन्त
७०.	घणी	छे	सहन-शीलता	जेमनी	एवा	ते	स्खंधक मुनि
७१.	वागतो	छे	घण्ट	ज्यां	एवुं	ते	देरासर
७२.	उतरती	छे	नव्वाणुपेटी	जेमनी	एवा	ते	शालीभद्र
७३.	त्यजाती	छे	आठ नारीयो	जेना वडे	एवो	ते	धन्यकुमार
७४.	शोभतुं	छे	शासन	जेमनाथी	एवा	ते	आचार्य
७५.	भयंकर	छे	क्रोध	जेनो	एवो	ते	सर्प

७६.	सफेद	छे	कलर	जेनो	एवुं	ते	आसन
७७.	चमकतां	छे	रत्नो	जेमां	एवुं	ते	झुम्मर
७८.	लाम्बी	छे	कूंची	जेनी	एवुं	ते	ताळुं
७९.	मधुर	छे	अवाज	जेनो	एवुं	ते	संगीत
८०.	सिंह	छे	वाहन	जेनुं	एवी	ते	अम्बिका
८१.	सुखी	छे	प्रजा	जेनी	एवो	ते	राजा
८२.	विवेकी	छे	बालक	जेनो	एवी	ते	माता
८३.	नानी	छे	बहन	जेनी	एवो	ते	भाई
८४.	सुन्दर	छे	पाँख	जेनी	एवी	ते	परी
८५.	कालो	छे	सर्प	जेमां	एवो	ते	घडो
८६.	लाम्बी	छे	सूंढ	जेनी	एवो	ते	गणपति
८७.	गरम	छे	दशी	जेनी	एवो	ते	ओघो
८८.	सुनहरी	छे	बाल	जेना	एवी	ते	गुडियाँ
८९.	वांकी	छे	पुंछडी	जेनी	एवो	ते	कूत्तरो
९०.	अतिशय	छे	पीडा	जेमां	एवुं	ते	निगोद
९१.	सीधो	छे	जमाई	जेनो	एवी	ते	सासु
९३.	भव्य	छे	जिनालय	जेमां	एवुं	ते	देव-विमान
९४.	भयंकर	छे	वेदना	जेमां	एवी	ते	नरक
९५.	लाम्बा	छे	नख	जेना	एवो	ते	राक्षस
९६.	करुण	छे	स्टोरी	जेनी	एवी	ते	अञ्जना
९७.	लाम्बी	छे	चोटी	जेनी	एवो	ते	ब्राह्मण
९८.	कलरिंग	छे	डिझाईन	जेमां	एवी	ते	बूक
९९.	गरम	छे	रोटली	जेमां	एवी	ते	थाली
१००.	काला	छे	मरी	जेमां	एवा	ते	पापड
१०१.	मीठुं	छे	दूध	जेमां	एवो	ते	ग्लास
१०२.	मधुर	छे	आवाज	जेनी	एवुं	ते	घुंघरुं
१०३.	गोल	छे	आकार	जेनो	एवी	ते	पुरी
१०४.	अद्भूत	छे	कला	जेनी	एवी	ते	नर्तकी
१०५.	पवित्र	छे	परमाणुं	ज्यांना	एवो	ते	गिरिराज
१०६.	पावन	छे	निश्रा	जेमनी	एवा	ते	गुरुदेव

१०७.	कंजुस	छे	हृदय	जेनुं	एवो	ते	मम्मण शेठ
१०८.	उज्वल	छे	वर्ण	जेमनो	एवा	ते	चन्द्रप्रभु
१०९.	शीतल	छे	छाया	जेनी	एवुं	ते	वटवृक्ष
११०.	सुवर्णना	छे	अक्षरो	जेना	एवुं	ते	जैनागम
१११.	जीर्ण	छे	वस्त्रो	जेना	एवो	ते	भीखारी
११२.	तेज	छे	नसिब	जेनुं	एवो	ते	भाग्यशाली
११३.	अखुट	छे	खजानो	जेनो	एवा	ते	परमात्मा
११४.	निर्बल	छे	शरीर	जेनुं	एवो	ते	रोगी
११५.	पवित्र	छे	जीवन	जेमनुं	एवा	ते	जैनाचार्य
११६.	मधुर	छे	कण्ठ	जेनो	एवी	ते	गायत्री
११७.	अद्भूत	छे	जटा	जेनी	एवो	ते	मन्त्री
११८.	नानी	छे	चावी	जेनी	एवुं	ते	तालु
११९.	विशाल	छे	काया	जेनी	एवो	ते	भीम
१२०.	निर्दय	छे	हृदय	जेनुं	एवो	ते	कंस
१२१.	धोळुं	छे	कवर	जेनुं	एवुं	ते	पुस्तक
१२२.	झेर	छे	दांतमां	जेने	एवो	ते	सर्प (व्य.)
१२३.	घणी	छे	माया	जेमां	एवो	ते	मायावी
१२४.	लाल	छे	कलर	जेनो	एवी	ते	माला
१२५.	पचरङ्गी	छे	पाँख	जेनी	एवो	ते	मोर
१२६.	सुन्दर	छे	रूप	जेनुं	एवी	ते	अप्सरा
१२७.	आकर्षित	छे	आँख	जेमनी	एवा	ते	परमात्मा
१२८.	जिद्दी	छे	स्वभाव	जेनो	एवी	ते	सोनु
१२९.	डुबती	छे	नैया	जेमां	एवो	ते	समुद्र
१३०.	भरपूर	छे	गुण	जेना	एवो	ते	गुणियल
१३१.	धोलो	छे	रंग	जेनो	एवुं	ते	स्फटीक रत्न
१३२.	जडेला	छे	रत्नो	जेमां	एवो	ते	मुगुट
१३३.	भव्य	छे	आंगी	जेमनी	एवा	ते	परमात्मा
१३४.	शणगारी	छे	छाब	जेओनी	एवा	ते	मुमुक्षुओ
१३५.	लाल	छे	चांच	जेनी	एवो	ते	पोपट
१३६.	रहेलुं	छे	सोनुं	जेमां	एवुं	ते	कंगण

नञ् तत्पुरुष

१. न अर्थः = अनर्थः
२. न औषधिः = अनौषधिः
३. न उद्यानम् = अनुद्यानम्
४. न आयतनम् = अनायतनम्
५. न उद्गतः = अनुद्गतः
६. न उचितम् = अनुचितम्
७. न अग्निः = अनग्निः
८. न उद्यमः = अनुद्यमः
९. न अवश्यम् = अनवश्यम्
१०. न अवधिः = अनवधिः
११. न अवस्था = अनवस्था
१२. न अपराधः = अनपराधः
१३. न आत्मा = अनात्मा
१४. न आदिः = अनादिः
१५. न आद्यः = अनाद्यः
१६. न अन्यः = अनन्यः
१७. न आवश्यकम् = अनावश्यकम्
१८. न एकता = अनेकता
१९. न आचारः = अनाचारः
२०. न आनन्दः = अनानन्दः
२१. न उपयोगः = अनुपयोगः
२२. न उदारः = अनुदारः
२३. न आयुः = अनायुः
२४. न अटनम् = अनटनम्
२५. न अवतारः = अनवतार
२६. न अरिः = अनरिः
२७. न अध्ययनम् = अनध्ययनम्
२८. न अत्ययः = अनत्ययः
२९. न असिः = अनसिः
३०. न आतपः = अनातपः
३१. न अल्पः = अनल्पः
३२. न इषुः = अनिषुः
३३. न ऋतुः = अनृतुः
३४. न अपरः = अनपरः
३५. न अप्सराः = अनप्सराः
३६. न अम्बरम् = अनम्बरम्
३७. न अर्जितम् = अनर्जितम्
३८. न अश्रु = अनश्रु
३९. न अङ्गम् = अनङ्गम्
४०. न उपायः = अनुपायः
४१. न अभ्यासः = अनभ्यासः
४२. न अन्तः = अनन्तः
४३. न अब्धिः = अनब्धिः
४४. न आर्यः = अनार्यः
४५. न आज्ञा = अनाज्ञा

१. न सीमा = असीमा
२. न सुखार्थः = असुखार्थः
३. न सम्बन्धः = असम्बन्धः
४. न स्थिरः = अस्थिरः
५. न सभा = असभा
६. न भारः = अभारः
७. न द्वीपः = अदीपः
८. न संतुष्टः = असंतुष्टः
९. न भागः = अभागः
१०. न जनः = अजनः
११. न स्वादः = अस्वादः
१२. न भक्षः = अभक्षः

१३.	न भक्ष्यः = अभक्ष्यः	४३.	न समीक्ष्य = असमीक्ष्य (सं.भू.कृ.)
१४.	न तृणम् = अतृणम्	४४.	न गुरुः = अगुरुः
१५.	न गुणः = अगुणः	४५.	न ग्रामः = अग्रामः
१६.	न प्रसन्ना = अप्रसन्ना	४६.	न गन्तव्यम् = अगन्तव्यम्
१७.	न क्षरन् = अक्षरन्	४७.	न जीर्णः = अजीर्णः
१८.	न कर्म = अकर्म	४८.	न जीवः = अजीवः
१९.	न गमनम् = अगमनम्	४९.	न तीक्ष्णम् = अतीक्ष्णम्
२०.	न वेगः = अवेगः	५०.	न कुशलः = अकुशलः
२१.	न सारः = असारः	५१.	न कर्तव्यम् = अकर्तव्यम्
२२.	न कारणम् = अकारणम्	५२.	न कण्टकः = अकण्टकः
२३.	न कार्यः = अकार्यः	५३.	न कुलीनौ = अकुलीनौ
२४.	न जिनः = अजिनः	५४.	न मानम् = अमानम्
२५.	न तत्त्वम् = अतत्त्वम्	५५.	न मृत्युः = अमृत्युः
२६.	न नीचः = अनीचः	५६.	न रात्रिः = अरात्रिः
२७.	न प्रभूतः = अप्रभूतः	५७.	न विघ्नम् = अविघ्नम्
२८.	न कृपणः = अकृपणः	५८.	न व्याधिः = अव्याधिः
२९.	न जनः = अजनः	५९.	न छाया = अछाया
३०.	न वियोगः = अवियोगः	६०.	न व्यापारः = अव्यापारः
३१.	न प्रतिक्रिया = अप्रतिक्रिया	६१.	न प्रवासः = अप्रवासः
३२.	न प्रतिपाति = अप्रतिपाति	६२.	न विश्वासः = अविश्वासः
३३.	न कम्पः = अकम्पः	६३.	न गन्धः = अगन्धः
३४.	न पारः = अपारः	६४.	न न्यायः = अन्यायः
३५.	न नित्यः = अनित्यः	६५.	न स्पर्शः = अस्पर्शः
३६.	न नियोगः = अनियोगः	६६.	न नयनम् = अनयनम्
३७.	न शुभः = अशुभः	६७.	न शीलम् = अशीलम्
३८.	न काष्ठम् = अकाष्ठम्	६८.	न सत्यम् = असत्यम्
३९.	न कालः = अकालः	६९.	न ज्ञानम् = अज्ञानम्
४०.	न कृतः = अकृतः	७०.	न नाथः = अनाथः
४१.	न कुलम् = अकुलम्	७१.	न शूरः = अशूरः
४२.	न कीर्तिः = अकीर्तिः		

द्वन्द्व

१. मित्र अने शत्रु मित्रञ्च शत्रुश्च = मित्र-शत्रू
२. हाथ अने पग (समाहार) हस्तश्च पादश्च = हस्त-पादम्
३. श्रमण अने श्रावक श्रमणश्च श्रावकश्च = श्रमण-श्रावकौ
४. स्वजन अने ज्ञान ज्ञातिश्च ज्ञानञ्च = ज्ञाति-ज्ञाने
५. बहन अने भाई स्वसा च बन्धुश्च = बन्धू (ए.शेष.)
६. शिशिर ऋतु अने शरद् ऋतु शिशिरश्च शरच्च शिशिर-शरदौ
७. बिजली अने वरसाद विद्युच्च वारिदश्च विद्युद्वारिदौ
८. माता अने पिता माता च पिता च मातरौ / पितरौ
९. पेलुं अने छेलुं आद्यश्च अन्तिमश्च आद्यान्तिमौ
१०. सोनुं अने तांबु काञ्चनञ्च ताम्रञ्च काञ्चन ताम्रे
११. दौलत अने कीर्ति वैभवश्च कीर्तिश्च वैभव-कीर्ती
१२. अग्नि अने पवन वह्निश्च वातश्च वह्नि-वातौ
१३. वैभव अने विपत्ति विभूतिश्च विपच्च विभूति-विपदौ
१४. हंसा अने कान्ता हंसा च कान्ता च हंसा-कान्ते
१५. दिवस अने रात दिनश्च रात्रिश्च दिन-रात्री
१६. विनय अने विद्या विनश्च विद्या च विनय-विद्ये
१७. क्षमा अने दया क्षमा च दया च क्षमा - दये
१८. पुण्य अने पाप पापञ्च पुण्यञ्च पाप-पुण्ये
१९. पाणी अने दूध जलञ्च दुग्धञ्च जल-दुग्धे
२०. गरीब अने धनवान् दरिद्रश्च धनवाँश्च दरिद्र-धनवन्तौ
२१. स्त्री अने पुरुष स्त्री च पुरुषश्च स्त्री-पुरुषौ
२२. कीडी अने माखी (समाहार) पिपीलिका च मक्षिका च एतयोः समाहारः पिपीलिका-मक्षिकम्
२३. सूर्य अने चन्द्र सूर्यश्च चन्द्रश्च सूर्य-चन्द्रौ
२४. काचबो अने मोर कूर्मश्च मयूरश्च कूर्म-मयूरौ
२५. घोडो अने गधेडो रासभश्च अश्वश्च रसभाश्वौ
२६. रम्भा अने उर्वशी उर्वशी च रम्भा च उर्वशी-रम्भे
२७. नेम अने राजुला नेश्च राजुला च नेम-राजुले
२८. ओघो अने मुहपत्ति रजोहरणञ्च मुखवस्त्रिका च रजोहरण-

मुखवस्त्रिके

२९. निशा अने सूरज सूरजश्च निशा च सूरज-निशे

३०. वेलडी अने डाल लता च शाखा च लता-शाखे

३१. पांदडुं अने पुष्प पर्णञ्च पुष्पञ्च पर्ण-पुष्पे

३२. सवार अने सांज प्रातश्च प्रदोषश्च प्रातः-प्रदोषौ

३३. आम्बो अने लिम्बडो माकन्दश्च निम्बश्च माकन्द-निम्बौ

३४. मान अने माया मानश्च माया च मान-माये

३५. सुनन्दा अने सुमङ्गला सुनन्दा च सुमङ्गला च सुनन्दा-सुमङ्गले

३६. ज्ञान अने अज्ञान ज्ञानञ्च अज्ञानञ्च ज्ञानाज्ञाने

३७. कूवो अने नदी कूपश्च नदी च कूप-नद्यौ

३८. ससरो अने जमाई श्वशूरश्च जामाता च श्वशूर-जामातारौ

३९. उदय अने अस्त उदयश्च अस्तश्च उदयास्तौ

४०. वीर अने गौतम वीरश्च गौतमश्च वीर-गौतमौ

४१. सज्जन अने दुर्जन साधुश्च दुर्जनश्च साधु-दुर्जनौ

४२. तडको अने छांयो आतपश्च छाया च आतप-छाये

४३. चोर अने सिपाही स्तेनश्च सैनिकश्च स्तेन-सैनिकौ

४४. खावुं अने पीवुं भक्षणञ्च पानञ्च भक्षण-पाने

४५. रत्न अने माणेक रत्नञ्च माणिक्यञ्च रत्न-माणिक्ये

४६. डाह्यो अने खराब प्राज्ञश्च कापुरुषश्च प्राज्ञ-कापुरुषौ

४७. हाथी अने वांदरो गजश्च वानरश्च गज-वानरौ

४८. सुख अने दुःख सुखञ्च दुःखञ्च सुख-दुःखे

४९. गुरु अने शिष्य गुरुश्च शिष्यश्च गुरु-शिष्यौ

५०. गधेडुं अने पशु रासभश्च मृगश्च रासभ-मृगौ

५१. नियम अने वाक्य नियमश्च वाक्यञ्च नियम-वाक्ये

५२. पुष्प अने फल कुसुमञ्च फलञ्च कुसुम-फले

५३. तडाव अने कूवो कासारश्च कूपश्च कासार-कूपौ

५४. कागडो अने घूवड काकश्च उलूकश्च काकोलूकौ

५५. तीर अने तलवार तीरञ्च असिश्च तीरासी

५६. गंगा अने यमुना गङ्गा च यमुना च गङ्गा-यमुने

५७. ब्रह्मा अने ब्राह्मण ब्रह्मा च ब्राह्मणश्च ब्रह्म-ब्राह्मणौ

५८. समुद्र अने तलाव समुद्रश्च कासारश्च समुद्रकासारौ

५९. राजा अने प्रजा नृपश्च प्रजा च नृप-प्रजे

६०. लाकडी अने लाकडुं दण्डश्च काष्ठञ्च दण्ड-काष्ठे

६१. विद्यार्थी अने विद्वान् छात्रश्च प्राज्ञश्च छात्र-प्राज्ञौ

६२. साधु अने साध्वी श्रमणश्च आर्या च श्रमणार्ये

६३. सासू अने वहू श्वश्रूश्च वधूश्च श्वश्रू-वध्वौ

६४. ग्राम अने नगर ग्रामश्च नगरञ्च ग्राम-नगरे

६५. शक्ति अने श्रद्धा बलञ्च श्रद्धा च बल-श्रद्धे

गौण नाम षष्ठी

१. राकेश रस-गुल्लानो भोगी छे
२. मोदक मोनिकनो छे
३. बिरबल अकबरनो मन्त्री छे
४. राजानो मन्त्री ईमानदार छे
५. भरतनो भाई बाहुबली छे
६. इच्छानो रोध ए ज तप छे
७. पुत्रीनो वियोग माताने रडावे छे
८. पापनो डर राखवो जोईए
९. सामायिकनो अर्थ छे, समभावमां रहेवुं
१०. वीरनो अभिग्रह पूर्ण थयो राजा द्रोपदीनो स्वयंवर रचे छे
११. रामनो पुत्र कुश छे
१२. जैन धर्मनो इतिहास महान् छे
१३. आदीश्वर भगवान्नो यक्ष कवड यक्ष छे
१४. शेठनो बंगलो छे
१५. राजानो महेल छे
१६. राणीनो कण्ठ मधुर हतो
१७. युवराजनो जन्म श्रीपुरमां थयो
१८. युवराजनो गुस्सो जोरदार हतो
१९. राजकुंवरीनो मण्डप शोभवो जोईए
२०. दासीनो संदेशो मल्यो हतो
२१. राजानो न्याय सत्य छे
२२. मुकुटनो हीरो चमकतो हतो
२३. प्रधाननो साथ राजाने जोईए
२४. शंखेश्वरनो महिमा अपरम्पार छे
२५. आचार्य महाराज साहेबे शङ्खेश्वरनो छ'री पालित संघ कढाव्यो हतो
२६. नोळियानो सम्बन्ध सर्प साथे छे
२७. सञ्जय सुशीलनो भाईबन्ध छे
२८. साधुओनो समुदाय मोटो छे
२९. कमठनुं पार्श्वनाथ भग-वान्नी साथे (सार्धम्) १० भवथी वेर हतुं
३०. नीलमनो फोटो सुन्दर छे
३१. सुरसुन्दरीनो पति राज-कुमार छे
३२. साधुनो वेश तारणहार छे

३३.	दाण्डानो रंग कालो छे	५८.	देवलोकनो इन्द्र भगवान्नो
३४.	रावणनो भाई बिभिषण छे		जन्माभिषेक करे छे
३५.	गांधारीनो भाई शकुनी छे	५९.	देवलोकनो ऐरावत दोडे छे
३६.	कलावतीनो हार छे	६०.	रामनी प्रजा सुखी छे
३७.	काकानो जमाई डॉक्टर छे	६१.	मन्दोदरीनी कला सुन्दर हती
३८.	कारनो रंग लाल छे	६२.	रावणनी बहेन सुर्पणखा छे
३९.	राजानो महेल मनोहर छे	६३.	प्रभुनी भक्ति समकित आपे छे
४०.	राजानो पुत्र युवराज छे	६४.	नेमनी साथे (सार्धम्)
४१.	खेतरनो मालिक खेडुत छे		राजुलनी प्रति अजोड छे
४२.	आचार्यना शिष्यो गम्भीर छे	६५.	वेल्लूरनी होस्पिटल मोटी छे
४३.	गुरुजीनो स्वभाव सरल छे	६६.	आत्मानी शक्ति अनन्त छे
४४.	देरासरनो कलश सुन्दर छे	६७.	पुष्पनी माला भगवान्ना
४५.	देरासरनो दरवाजो सुखडनो छे		कण्ठमां छे
४६.	देरासरनो पाटलो छे	६८.	शालिभद्रे पत्थरनी शीला पर
४७.	देरासरनो पूजारी श्याम छे		अणसण कीधुं
४८.	देरासरनो भण्डार सुवर्णनो छे	६९.	गुरुजीनी आज्ञा मारुं जीवन छे
४९.	सोनानो वृषभ छे	७०.	धर्मशालानी सफाई सारी छे
५०.	देवलोकनो देव आवे छे	७१.	धर्मशालानी रसोई स्वादिष्ट छे
५१.	देवलोकनो इन्द्र नमे छे	७२.	धर्मशालानी बेन भक्तिवान् छे
५२.	देवलोकनो आ किल्बिषिक	७३.	धर्मशालानी साध्वीयो
	देव छे		विनयवान् छे
५३.	देवलोकनो सुघोषा घण्ट वगडे	७४.	धर्मशालानी संस्था व्यवस्थित
	छे		होवी जोईए
५४.	देवलोकनो आनन्द चैत्र	७५.	धर्मशालानी हॉस्पिटल बने छे
	अनुभवे छे	७६.	धर्मशालानी निन्दा न करवी
५५.	देवलोकनो शयन खण्ड		जोईए
	सुशोभित छे	७७.	धर्मशालानी गोचरी लावुं ?
५६.	देवलोकनो महल रत्ननो छे	७८.	धर्मशालानी जग्या विशाल
५७.	देवलोकनो देव भगवान्नी		होवी जोईए
	पूजा करे छे	७९.	धर्मशालानी खबर लेवा

(माटे) ट्रस्टीए आववुं जोईए

८०. चाँदीनी थाली छे

८१. सोनानी वाटकी छे

८२. हीरानी आंगी छे

८३. आरसनी प्रतिमा छे

८४. वरकनी थोकडी छे

८५. पूजानी पेटी छे

८६. केसरनी डब्बी छे

८७. अष्ट मङ्गलनी पाटली छे

८८. मातानी पासे बालक रडे छे

८९. मुंबईनी दुनिया रंगीली छे

९०. आजे श्री....जीनी दीक्षा तिथि छे

९१. गौतम स्वामीनी पासे लब्धि छे

९२. बेननी बेबी भणवा माटे जाय छे

९३. सूरिजीनी वाणी मिठी छे

९४. हॉस्पिटलनी वेन (गाडी) ऊभी छे

९५. आजे स्कूलनी रजा छे

९६. देवलोकनी देवी नाचे छे

९७. देवलोकनी वावडी आकर्षक छे

९८. देवलोकनी राज-सभामां इन्द्र छे

९९. देवलोकनी अप्सरा गाय छे

१००. देवलोकनी इन्द्राणी शणगार करे छे

१०१. देवलोकनी हासा-प्रहासा देवी आवे छे

१०२. देवनी माला करमाती नथी

१०३. देवनी माला शोभे छे

१०४. देवनी मोजडीमां रत्नो छे

१०५. देवनी युवान् वय होय छे

१०६. मैसूर गार्डननी सुन्दरता जेवा जेवी छे

१०७. सीता पवित्रतानी मूर्ति छे

१०८. मरणनी वेदना भयंकर छे

१०९. कविनी कल्पना अद्भूत छे

११०. राजानी जित निश्चित छे

१११. हरिश्चन्द्र राजानी परीक्षा देवोए करी हती

११२. लोको बिरबलनी बुद्धिने प्रशंसे छे

११३. प्रभुनी कृपा अपरम्पार छे

११४. चन्दनानी आँखमां आँसु नथी

११५. पाँच पाण्डवोनी माता कुन्ती छे

११६. आबुनी कोतरणी सुन्दर छे

११७. देवलोकनुं विमान उत्तरे छे

११८. देवलोकनुं नाटक कोण जोवे ?

११९. देवलोकनुं एक नाटक १०,००० वर्षनुं छे

१२०. देवलोकनुं नाटक केटला वर्षनुं छे ?

१२१. देवलोकनुं जीवन केवुं छे ?

१२२. देवलोकनुं विमान नन्दीश्वर द्वीपमां उत्तरे छे

१२३. देवोनुं आयुष्य लाम्बुं होय छे

१२४.	देवोनुं रूप कामदेव जेवुं होय छे	१४७.	प्रभुजीनुं मुखडुं अद्‌भूत छे
१२५.	देवोनुं शरीर वैक्रिय पुद्‌गलोनुं छे	१४८.	सुविधिनाथनुं बीजुं नाम पुष्पदन्त छे
१२६.	आ देवनुं नाम शुं छे ?	१४९.	पार्श्वनाथनुं लञ्छन सर्प छे
१२७.	रामनुं राज्य सारुं हतुं	१५०.	प्रभुनुं सिंहासन सोनानुं छे
१२८.	अर्जुननुं वचन ...... पाळे छे	१५१.	वन्दना स्कूलनुं लेशन करे छे
१२९.	वीरनुं शासन छे	१५२.	विनीता पितानुं कहेवुं मानती नथी
१३०.	काँचनुं देरासर छे	१५३.	राम लङ्कानुं राज्य जिते छे
१३१.	आम्रनुं वृक्ष छे	१५४.	शकुन्तलानुं मन दुष्यन्तमां छे
१३२.	मातानुं वात्सल्य विशाल होय छे	१५५.	जरासंघनुं बाण कृष्णने वागे छे
१३३.	कॉलेजनुं शिक्षण सारुं होवुं जोईए	१५६.	अञ्जनानुं सतीत्व जोईने देवो नमे छे
१३४.	कॉलेजनुं लेशन पूरुं कर्युं हतुं	१५७.	सुलसानुं. समकित जोईने अम्बड हारी जाय छे
१३५.	कॉलेजनुं मान पत्र मल्युं छे		
१३६.	कॉलेजनुं वातावरण खराब छे	१५८.	साधनानुं जीवन सरल छे
१३७.	कॉलेजनुं फन्कसन जोरदार न हतुं	१५९.	सिद्ध चक्रनुं माण्डलुं छे
		१६०.	एकलव्यनुं बाण छे
१३८.	ऊषा कॉलेजनुं ध्यान राखे छे	१६१.	मैसूर गार्डननुं नाम प्रख्यात छे
१३९.	भरत कॉलेजनुं नाम वधारे छे	१६२.	छायानी(नुं) बेग छे
१४०.	रमेशने कॉलेजनुं टेन्शन छे	१६३.	कमलेशनुं स्वेटर छे
१४१.	कॉलेजनुं पाणी पीवाय ?	१६४.	साधर्मिक भक्तिनुं काम महान् छे
१४२.	हरीशचन्द्रनुं जीवन आदर्शमय छे		
		१६५.	हृदयमां नवकारनुं स्थान छे
१४३.	लवण समुद्रनुं पाणी खारुं छे	१६६.	आराधनानुं काम उत्तम छे
१४४.	कमलनुं फुल सरोवरमां छे	१६७.	रखडवानुं काम मननी चञ्चलता छे
१४५.	गुरुनुं वचन मान्य छे		
१४६.	समिति गुप्तिनुं पालन मारुं कर्तव्य छे	१६८.	देवोनुं सौन्दर्य अद्‌भूत छे
		१६९.	जगत्‌नुं हित परमात्मा चिन्तवे

छे

१७०. राक्षसनुं रूप जोऊईने लोको डरे छे

१७१. नरकनुं दु:ख अति भयंकर छे

१७२. स्वर्गनुं सुख देवो अनुभवे छे

१७३. कूवानुं पाणी मीठुं छे

१७४. दु:खियानुं दु:ख साम्भळवुं जोईए

१७५. रोगियोना रोगोनुं निराकरण करवुं जोईए

१७६. पोतानुं स्वाभिमान राखवुं जोईए

१७७. सहनशीलता जीवननुं सौन्दर्य छे

१७८. देवोना देव भगवान् छे

१७९. देवोना नेत्र स्थिर रहे छे

१८०. देवोना हाथमां भगवान्नी दाढा हती

१८१. देवोना शरीरमां दुर्गन्ध नथी

१८२. देवोना नायक इन्द्र छे

१८३. देवोना विमानोना आकार जुदा-जुदा होय छे

१८४. सर्वार्थ सिद्ध विमनना देवो एकावतारी होय छे

१८५. देवलोकना स्वप्न कोने आवे ?

१८६. डायमण्डना चक्षु छे

१८७. फूलोना गुच्छा छे

१८८. गिरिराजना ३५०० पगथियां छे

१८९. आदीश्वर दादाना पगलां छे

१९०. समुदायना पात्रा छे

१९१. बगीचाना फूलो (मारे) जोवा छे

१९२. बगीचाना मालीने मळवुं जोईए

१९३. बगीचाना फोटा लीधां हतां

१९४. बगीचाना झुला खुबज सुन्दर छे

१९५. बगीचाना ससला दोडे छे

१९६. बगीचाना पगी क्रोधी छे

१९७. बगीचाना पगथियां लीसां छे

१९८. बगीचाना फुवारा कलरींग छे

१९९. बगीचाना फुवारामां सङ्गीत वागे छे

२००. बगीचाना वृक्षो घटादार छे

२०१. प्रभुना समवसरणमां बार पर्षदा छे

२०२. राजाना दरबारमां ज्योतिषी आवे छे

२०३. प्रजाना दीलमां राजा वसेलो छे

२०४. महिनाना ३० दिवस थाय छे

२०५. मोक्षना वासीने अरूपी पणुं होय छे

२०६. सूर्यना किरणोथी प्रकाश थाय छे

२०७. मथुरा नगरीना राजा न्यायी छे

२०८. बॉम्बेना ट्रस्टी कुंजस छे

२०९. सेनापतिना सैनिको युद्ध करे

छे

२१०. राज्यना भण्डारो भरपूर छे

२११. राजाना महेलमां धावमाता छे

२१२. राजाना माणसो गाममां फरे छे

२१३. राजाना माणसो सुखी छे

२१४. राजाना प्रधानो न्यायी होय छे

२१५. राजाना अन्तेउरमां दासीओ फरे छे

२१६. राजाना राज-कुमारो गुरु-कुलमां भणे छे

२१७. राजाना अलङ्कारो सोनी घडे छे

२१८. राजाना दरबारमां नर्तकी नाचे छे

२१९. अकबरना दरबारमां बिरबल बुद्धिशाली हतो

२२०. अकबरना राज्यमां पू. हीरसूरीश्वरजी महाराजनुं नाम हतुं

२२१. भरतना पिता ऋषभदेव छे

२२२. देवदेवीना अलङ्कारो शोभे छे

२२३. सिद्धाचलना १०८ नाम छे

२२४. सरस्वतीना हाथमां वीणा छे

२२५. सुभद्राना हाथे दरवाजो खुले छे

२२६. वासुपूज्य स्वामिना कल्याणको चम्पापुरीमां थयां

२२७. पिताना भाई काका थाय छे

२२८. पार्श्वनाथ भगवान्ना १० भवना चित्रो वेल्लूरमां छे

२२९. प्रभुजी श्रेयांस कुमारना हाथथी इक्षुरस वहोरे छे

२३०. नरकना जीवो दुःखी छे

२३१. बगीचाना फुलो सुन्दर छे

२३२. मिथ्यात्वीयोना मन्दिरोमां हुं जती नथी

२३३. संयमीना मुख पर तेज होवुं जोईए

२३४. तपस्वीना दर्शन करवा लोको दोडे छे

२३५. मीराना पगमां घुंघरुं छे

२३६. वान्दराना हाथमां फल छे

२३७. शिहोरना पेंडा वखणाय छे

२३८. रात्रिना अन्धारामां हुं गभरावुं छुं

२३९. नवकारना प्रभावे शूलीनुं सिंहासन थयुं

२४०. जन्मना कारणे मरण थाय छे

२४१. संसारना सुखो नश्वर छे

२४२. हुं संयमना सुखने अनुभवुं छुं

२४३. देवोने विरति न होय

२४४. देवोने कवलाहार न होय

२४५. देवोने पुत्र न होय

२४६. देवोने भक्ति होवी जोईए

२४७. देवोने जन्मथी युवान् वय होय

२४८. सर्वार्थ सिद्ध विमानना देवोने सौथी वधु सुख होवुं जोईए

२४९. पक्षीने बे पाँख होय छे

२५०. गौतम स्वामीने ५०,००० केवली शिष्यो हता

२५१. वीरप्रभुने एक पुत्री हती

२५२. सगर चक्रवर्तीने ६०,०००

	पुत्रो हत्ता	२७९.	मारो पाडोसी तपस्वी छे
२५३.	चन्दनाने अभिग्रह हतो	२८०.	अमारो समुदाय विशाळ छे
२५४.	अमर कुमारने श्रद्धा हती	२८१.	मारो भाई वकिल छे
२५५.	रोहिणीया चौरने परमात्मानी देशना साम्भळवानी सोगन्ध हती	२८२.	मारो कण्ठ मधुर नथी
		२८३.	तमारो स्वभाव सरल छे
		२८४.	मारो जन्म दिवस आज छे
२५६.	चोरने भय छे	२८५.	अमारो निर्णय नक्की नथी
२५७.	गरीबने भूख छे	२८६.	तमारो महोत्सव क्यारे छे ?
२५८.	गुरुदेवने उपवास छे	२८७.	अमारो बंगलो दूर छे
२५९.	देवोने दुर्गन्ध नथी	२८८.	मारो नियम साचो छे
२६०.	चक्रवर्तीने ६ खण्ड होय छे	२८९.	मारो श्लोक काचो छे
२६१.	साधुने समता होवी जोईए	२९०.	तमारो दिक्करो आवे छे
२६२.	रामने बे पुत्र हता	२९१.	आमारो विहार हमणां नथी
२६३.	जनकने एक पुत्री हती	२९२.	अमारो क्लास बन्ध छे
२६४.	रावणने १० मस्तक हतां	२९३.	तमारो कॉंप काढुं ?
२६५.	देरासरने ३ शिखर छे	२९४.	तमारो वैराग्य घणो ज मक्कम छे
२६६.	द्रौपदीने ५ पति हतां		
२६७.	अष्टापदने ८ पगथियां छे	२९५.	तमारो देश महान् छे
२६८.	तेने छ अंगुलि हती	२९६.	तमारो जमाई केवो छे ?
२६९.	बोलपेनने केप (ढाकणुं) हतुं	२९७.	तमारो दिकरो डाह्यो छे ?
२७०.	तमारो नोकर चालाक छे	२९८.	तमारो पैसो नीतिनो छे
२७१.	तमारो केदी भागे छे	२९९.	तमारो भाव ऊँचो छे
२७२.	तमारो पुण्योदय क्यारे जागशे ?	३००.	अमारो नौकर ईमानदार छे
		३०१.	मारो कागळ तमने मल्यो हशे
२७३.	तमारो पडाव क्यां छे ?	३०२.	मारो भाई शेर बजारमां जाय छे
२७४.	तमारो विचार जाण्यो हतो		
२७५.	तमारो स्वयंवर क्यारे थयो ?	३०३.	तारो सम्बन्धी आव्यो छे
२७६.	तमारो धर्म महान् होवो जोईए	३०४.	मारो दाण्डो कयो छे ?
२७७.	तमारो मित्र विवेकी छे	३०५.	मारो पुण्योदय केवो छे ?
२७८.	तारे तारो भव सुधारवो जोईए	३०६.	तमारो व्यापार शुं छे ?

३०७. अमारो व्यापार उपदेश आपवानो छे
३०८. तमारो दाण्डो क्यां छे ?
३०९. मारो दाण्डो खुणामां छे
३१०. तमारो भाई क्यां रहे छे ?
३११. मारो भाई चित्रदुर्गमां रहे छे
३१२. मारुं रजोहरण छे
३१३. मारो स्वाध्याय छे
३१४. मारो राम क्यारे आवशे ?
३१५. मारो श्याम केम रिसाणो ?
३१६. अमारी नोटबूकमां वाक्यो लखाव्यां छे
३१७. मारी बाजुमां शालिनी रहे छे
३१८. मारी मोजडी मोंघी छे
३१९. मारी साडीमां आभला भरेला छे
३२०. तमारी दृष्टि करुणा-भरी छे
३२१. मारी माता नम्रतावाली छे
३२२. मारी सखी चञ्चल छे
३२३. मारी भक्तिमां खामी छे
३२४. मारी जित थवी जोईए
३२५. अमारी आँखमां आंशु आवतां नथी
३२६. तमारी भावना सारी छे
३२७. अमारी पाठशाला सारी चाले छे
३२८. प्रभु ! तमारी शोभा अनेरी छे
३२९. तमारी बेग सुन्दर होवी जोईए
३३०. तमारी आज्ञा पाळ्वी जोईए
३३१. तमारी रीत अमने गमे छे
३३२. तमारी पूजा न करवी जोईए
३३३. तमारी साथे (सार्धम्) (हुं) श्लोक बोलुं छुं
३३४. तमारी कुशलता जोईने अमे खुश थईए छीए
३३५. तमारी सहनशीलतानी अमे अनुमोदना करी हती
३३६. तमारी दीक्षा क्यां थई ?
३३७. मारी दीक्षा चित्रदुर्गमां थई
३३८. अमारी पाठशालाना साहेब गुजरातना छे
३३९. तमारी बेन शुं करे छे ?
३४०. मारी बेन दीक्षा ले छे
३४१. मारी वात बधाय माने छे
३४२. मारी पासे अणमोल रत्न छे
३४३. अमारी पासे ज्ञान रूपी धन छे
३४४. मारी काया कोमल छे
३४५. मारी नबळी कळी गुरुदेव जाणे छे
३४६. तमारी वाणीमां मीठास छे
३४७. तमारी सायकल पडी हती
३४८. तमारी तबियत अनुकूल छे
३४९. मारुं दिल नाजुक छे
३५०. मारुं घर दूर छे
३५१. मारुं मन अकळाय छे
३५२. मारुं दुःख कोने कहुं ?
३५३. अमारुं ग्रुप सारुं छे
३५४. मारुं भाग्य तेज छे
३५५. तमारुं वचन लोकप्रिय होवुं जोईए

३५६. मारुं मन संस्कृतमां जोडायेलुं छे
३५७. तमारुं नाम शुं छे ?
३५८. मारुं नाम अपेक्षा छे
३५९. तमारुं घर केवुं छे ?
३६०. मारुं घर मोटुं छे
३६१. तमारुं मुख सुन्दर छे
३६२. तमारुं लखाण आकर्षक छे
३६३. मारुं भणवानुं चालुं छे
३६४. तमारुं नाम मारे जाणवुं जाईए
३६५. तमारुं ध्यान राखवुं मुश्किल छे
३६६. तमारुं शरीर तन्दुरस्त होवुं जोईए
३६७. तमारुं झाड बहु फलदायक छे
३६८. तमारुं निशान जोरदार हतुं
३६९. तमारुं पडवुं मुश्केल छे
३७०. तमारुं पारणुं काले छे
३७१. अमारुं गाम मोरबी छे
३७२. मारुं लेशन पूरुं नथी
३७३. मारुं मन तपमां छे
३७४. तमारुं काम व्यवस्थित छे
३७५. अमारुं ग्रुप नानुं छे
३७६. तमारुं जीवन धन्य छे
३७७. मारुं वाक्य खोटुं नथी
३७८. अमारुं भविष्यमां शुं थशे ?
३७९. मारुं स्थान स्टेशननी पासे छे
३८०. अमारुं भणवुं वडिलोने गमे छे
३८१. तमारुं कार्य संतोष जनक छे
३८२. तमारुं बोलवानुं पूरुं थाय त्यारे बीजा बोलशे
३८३. तमारुं मान सांचववुं जोईए
३८४. मारुं कहेलुं रीटाए मान्युं हतुं
३८५. अमारुं स्वप्न भक्ति-भरेल होवुं जोईए
३८६. तमारुं नाम नेताओना लिष्टमां छे
३८७. अमारां गाममां देरासर छे
३८८. अमारा गाममां हम्मेशा चातुर्मास थाय छे
३८९. अमारा वरघोडामां प्रभुजीनो रथ होय छे
३९०. तमारा बेना सम्वाद साम्भल्यां हतां
३९१. अमारा तीर्थोनी रक्षा थवी जोईए
३९२. अमारा देरासरमां अजैनो पण आवे छे
३९३. मारा गामने छेडे मोटुं तळाव छे
३९४. मारा गाममां बसोनी व्यवस्था न हती
३९५. मारा घरे गुरुजी पधारे छे
३९६. मारा घरमां टी. वी. छें
३९७. मारा घरे धर्मआराधना होवी जोईए
३९८. मारा घरमां भगवान्

	विराजमान छे	४१६.	तमारा माथामां जू होवी जोईए
३९९.	तमारा बगीचामां पुष्प छे	४१७.	तमारा ग्रुपमां केटला रत्नो छे ?
४००.	तमारा घरमां केटली वहुओ छे ?	४१८.	मारा प्रभुने देवो पण नमे छे
		४१९.	मारा दान्त में आजे गण्यां
४०१.	अमारा गाममां झुलतो पुल हतो	४२०.	तमारा वखाण हुं करुं छुं
		४२१.	तमारा पुण्यमां कचाश छे
४०२.	अमारा गाममां घडियालनी फेक्टरी छे	४२२.	तमारा गुण आदरणीय छे.
		४२३.	तमारा मुखना दर्शन करतां मारी आँख हरखे छे
४०३.	अमारामां समर्पणता छे (सप्तमी)	४२४.	तारा अङ्गो पर हजारो सूर्यनुं तेज झलके छे
४०४.	अमारी सहनशीलता छे		
४०५.	तमारी श्रद्धा छे	४२५.	अमारा विहारमां शङ्खेश्वर तीर्थ आवे छे
४०६.	तमारा गुरु कोण छे ?		
४०७.	शासनदेव अमारा तपनी पूर्णता करे	४२६.	मारे घणुं सुख छे
		४२७.	मारे बे संस्कृत बूक छे
४०८.	मारा वाक्यो केवां छे ?	४२८.	तमारे ६ शर्ट पेण्ट छे
४०९.	तमारा साहेब आव्या हतां	४२९.	तारे केटली साडी छे ?
४१०.	अमारा गाममां साहेब पधारे छे	४३०.	तमारे बे सोनानी पाटली छे
४११.	तारा देशनी आझादी क्यारे थई ?	४३१.	तमारे ५ मामा छे
		४३२.	तमारे भाई केटला छे ?
४१२.	तमारा धर्मनी कथा (तारे) कहेवी जोईए	४३३.	मारे ३ भाई छे
		४३४.	तमारे घरे (१०). दशमना एकासणा थाय छे
४१३.	मारा शासनना प्रभावना तुं क्यारे करीश ?	४३५.	तमारे घरे शेनो प्रसंग छे ?
४१४.	तमारा वनमां प्राणिओ हतां	४३६.	अमारे घरे दीक्षानो प्रसंग छे
४१५.	तमारा समवसरणमां चन्दना आवी हती		

अर्हम् नमः ।

श्रीशङ्खेश्वर पार्श्वनाथाय नमः ।

श्री शारदा देव्यै नमः ।

१.	જે વાક્યો વ્યવહારમાં બોલાય છે તેઓનું આપણે સંસ્કૃત કરીએ છીએ.	यानि वाक्यानि व्यवहारे उद्यन्ते तेषाम् वयम् संस्कृतम् कुर्मः ।
२.	આપણે હંમેશાં સંસ્કૃત ભણવું જોઈએ.	वयम् प्रतिदिनम्-(सदैव-निरन्तरम्) संस्कृतम् भणेम ।
३.	તમે સંસ્કૃતથી શા માટે ગભરાઓ છો ?	यूयम् संस्कृतात् कथम् क्षुभ्यथ ? ।
४.	સુરેશ મંદિરમાં સારી રીતે પૂજા કરે છે	सुरेशः जिनालये सम्यग् पूजयति ।
५.	તે મારો કાકો છે.	स मम (मे) पितृव्यः अस्ति ।
६.	તમારાં ગામમાં અમારાં અનેક મિત્રો રહે છે.	युष्माकम् ग्रामे अस्माकम् अनेकानि मित्राणि वसन्ति ।
७.	તમારી પેન આપી દો જેથી તે આર્યા લખી શકે.	युष्माकम् लेखिनीम् (कलमम्) प्रयच्छत यतः सा आर्या लिखेत् ।
८.	હે દેવો ! તમે અહીં આવો અને જૈન શાસનના અનેક ઉત્તમ કાર્યો કરો.	हे देवाः ! यूयम् अत्र आगच्छत जैनशासनस्य च अनेकानि उत्तमानि कार्याणिं कुरुत-(आचरत) ।
९.	અમારાં વડે આજે તમે નિરખાઓ છો.	अस्माभिः अद्य यूयम् निरीक्ष्यध्वे ।
१०.	આચાર્ય વડે વાંચના અપાય છે.	आचार्येण वाचना प्रदीयते ।
११.	જેઓ તમારી પાઠશાળામાં આવે છે તેઓ સુંદર અભ્યાસ કરે છે.	ये युष्माकम् पाठशालाम् आगच्छन्ति ते शोभनम् अध्ययनम् कुर्वन्ति । (शोभनम् पठन्ति ।)
१२.	સર્વે પ્રાણીઓ સુખી થાય (થાઓ)	सर्वे प्राणिनः सुखिनः भवन्तु ।

૧૩.	મધુર પાણીમાં ઉત્તમ હંસો નૃત્ય કરે છે.	मधुरे वारिणि उत्तमाः हंसाः नृत्यन्ति ।
૧૪.	ઉત્તમ બે શ્રમણો પાસેથી તમે પ્રેરણા મેળવો છો.	उत्तमाभ्याम् मुनिभ्याम् यूयम् प्रेरणाम् लभध्वे ।
૧૫.	તે ઓડકાર ખાય છે. અને પેલી આર્યા બગાસું ખાય છે.	सः उद्गारम् करोति असौ च आर्या जृम्भते ।
૧૬.	અમને સંસ્કૃત સારું આવડે છે.	वयम् संस्कृतम् सुष्ठु जानीमः । (शोभनम् परिच्छिन्द्महे ।)
૧૭.	તમે કેમ લેટ આવ્યાં ?	यूयम् कथम् विलम्बेन आगताः ?
૧૮.	સાહેબ દર્શન કરવા માટે ગયાં હતાં તેથી (અમે) મોડાં આવ્યાં.	शिक्षक ! दर्शनार्थम् गताः ततः (वयम्) विलम्बेन आगताः ।
૧૯.	ચશ્માના કાંચમાંથી હું તમને દેખું છું	उपनेत्रस्य काचात् अहम् युष्मान् पश्यामि ।
૨૦.	તમારાં જમણા પગમાં ઉત્તમ ચક્ર છે.	युष्माकम् दक्षिणे पादे-चरणे उत्तमम् चक्रम् अस्ति ।
૨૧.	હે પ્રભુ ! જેઓ તમને નમે છે. તેઓને હું નમું છે.	हे विभो ! ये युष्मान् वन्दन्ते (तेभ्यः) तान् अहम् वन्दे ।
૨૨.	પ્રયત્ન કરો સફળતાનો સંદેહ નથી	प्रयतध्वम् सफलतायाः शंसयः न ।
૨૩.	કેલાંવડાના દર્શનથી તારી ભૂખ દૂર થઈ.	कदलीवट्टकानाम् दर्शनात् तव (ते) क्षुधा-(क्षुध्) अपगता ।
૨૪.	તારી દીક્ષા ક્યારે છે ?	तव दीक्षा (संयम-ग्रहणम्/प्रवज्या ग्रहणम्) कदा अस्ति ?
૨૫.	આપણા રાજ્યમાં જે શ્રમણો રહે છે તેઓનું લિસ્ટ અમારાં પ્રધાન પાસે છે.	अस्माकम् राज्ये ये मुनयः वसन्ति तेषाम् सूचि-पत्रकम् अस्माकम् सचिवस्य-समीपेऽस्ति ।
૨૬.	ટ્યુબલાઈટમાંથી પ્રકાશ આવતો હતો.	दण्ड-दीपात् प्रकाशः आगच्छत् ।
૨૭.	પીળા કલરના પંખાને હું દેખું છું.	पीत-वर्ण व्यजनम् अहम् पश्यामि ।

૨૮.	સગડીમાં તાપ ઘણો છે.	अङ्गार-पात्र्याम् (त्रिकायाम्) तापः अतीव अस्ति ।
૨૯.	દૂધીનું શાક તમને બહુ ગમે છે.	दुग्धिकायाः/दुग्ध्याः व्यञ्जनम्/ शाकः युष्मभ्यम् भृशम् रोचते ।
૩૦.	તે મકાનમાંથી ઘણાં ઉંદરો દોડીને ત્યાં જાય છે.	तस्मात् गृहात् बहवः मूषकाः/ उन्दराः धावित्वा तत्र गच्छन्ति ।
૩૧.	તમારો પત્ર મળ્યો.	युष्माकम् दलम्/पत्रम् मिलितम्/ अमिलत् ।
૩૨.	તારી આંગળીમાં એક વીંટી છે.	तव अङ्गुल्याम्/अङ्गुल्यौ/अङ्गुलौ एका मुद्रिका अस्ति ।
૩૩.	કોર્ટમાં ન્યાયાધીશ ન્યાય-ચુકાદો આપે છે.	न्यायालये न्यायाधीशः न्यायम् यच्छति ।
૩૪.	મારાં આંગણાંમાં મયૂરો દાણાઓ ખાય છે.	मम प्राङ्गणे/अङ्गने/णे/मयूराः कणान् खादन्ति ।
૩૫.	ચિપીયાવડે તું પુરીને ઉઠલાવે છે.	कङ्कमुखेन त्वम् पुरिकाम्/पूरीम् परावर्तयसि ।
૩૬.	ચકલાની ચાંચમાં ચકલીની પાંખ છે.	चटकस्य चञ्चौ चटकायाः पक्षः अस्ति ।
૩૭.	તમારાં ઓરડામાં મારા મિત્રના દિકરાઓ આવે છે.	युष्माकम् अपवरके मे (मम) मित्रस्य दीक्कराः आगच्छन्ति ।
૩૮.	તું મને ભેટમાં ગાળો શા માટે આપે છે ?	त्वम् मह्यम् उपदायाम् गालीन् कथम् यच्छसि ? ।
૩૯.	તેના ગળામાં ઉત્તમ અનેક હારો છે.	तस्य कण्ठे/गले/गल्ले उत्तमाः अनेके हाराः सन्ति ।
૪૦.	પેન વડે તમે ઝડપથી વાક્યો લખોને.	अक्षर-जनन्या/कलमेन यूयम् त्वरया/ शीघ्रम् वाक्यानि लिखत ।
૪૧.	એક વિભાગ સંસ્કૃતના વાક્યો બોલે છે અને બીજો વિભાગ તેનું ગુજરાતી અનુવાદ કરે છે.	एकः विभागः संस्कृतस्य वाक्यानि वदति, द्वितीय-विभागश्च तेषाम् वाक्यानाम् गूर्जरानुवादम् करोति ।

૪૨.	કૂવામાં હોય તો અવાડામાં આવે.	कूपे स्यात् तर्हि उपकूपम् आगच्छेत् ।
૪૩.	તમે તો સાવ કેવા છો ? અમને તો બિલકુલ ચાલુ જ્ઞાન આપો છો કંઈ ડીપમાં તો સમજાવતા જ નથી.	यूयम् तु केवलम् कीदृशाः स्थ ? । अस्मभ्यम् तु केवलम् अविशेषम्/सामान्यम् ज्ञानम् प्रयच्छथ किञ्चिदपि विशेषतायाम् तु न शिक्षध्वे ।
૪૪.	નવના ટકોરે તું આવજે.	नवानाम् टणत्कारे त्वम् आगच्छ ।
૪૫.	જાડી ચાક વડે કાળા પાટિયામાં તું ધોળા અક્ષરો લખે છે.	स्थूल-सुधा-खण्डेन कृष्ण-फलके त्वम् श्वेतानि/धवलानि अक्षराणि लिखसि ।
૪૬.	તેણીના ચરવલાની દશીઓ સફેદ છે.	तस्याः चारुवालकस्य दडशिकाः श्वेताः सन्ति ।
૪૭.	તું ગાગરમાં સાગરને મુકે છે.	त्वम् गर्ग्गर्याम् सागरम् मुञ्चसि/से ।
૪૮.	તે શેઠિયાઓના ઘરોમાં રહેલી ઉત્તમ કન્યાઓના ચોટલામાં રહેલા રક્ત પુષ્પો દૂરથી તમારા વડે દેખાય છે.	तस्य श्रेष्ठिनः गृहेषु स्थितानाम् उत्तमानाम् कन्यानाम् केशपाशे स्थितानि रक्तानि कुसुमानि युष्माभिः दृश्यन्ते ।
૪૯.	આજે આપણા જિનમંદિરમાં તે આચાર્ય ભગવંતની નિશ્રામાં બૃહદ્ શાન્તિ સ્નાત્ર પૂજન હતું.	अद्य अस्माकम् जिनालये तस्य आचार्यभागवतः निश्रायाम् बृहच्छान्ति-स्नात्र-पूजनम् भूतम् ।
૫૦.	પ્રભુ મહાવીરે સમવસરણમાં ઉત્તમ ધર્મ કહ્યો.	प्रभुः वीरः समवसरणे उत्तमम् धर्मम् अकथयत् ।
૫૧.	તમારાં ગામમાં કેટલાં વિદ્વાનો છે.	युष्माकम् ग्रामे कतिपयाः प्राज्ञाः सन्ति ।
૫૨.	કેવાં બાળકો નૃત્ય નથી કરતાં ?	कीदृक्षाः/कीदृशाः बालाः न नृत्यन्ति?
૫૩.	તમારાં જેવા સિંહની સાથે લડતાં શા માટે ગભરાય છે ?	युष्मादृशाः/युष्मादृक्षाः सिंहेन सह युध्यमानाः कथम् क्षुभ्यन्ति ? ।
૫૪.	તમારા જેવા પાસેથી અમે શા માટે વિજય ન મેળવીએ ?	युष्मादृशेभ्यः/युष्मादृक्षेभ्यः वयम् कथम् विजयम् न लभामहै/न प्राप्नवाम ?

૫૫.	આ ફળો કોના જેવા છે ?	अमूनि फलानि कीदृक्षाणि/कीदृशानि सान्ति ? ।
૫૬.	કોના જેવા ગામોમાંથી ક્યા માણસો ક્યારે ક્યાં ગયાં ?	कीदृक्षेभ्यः/कीदृशेभ्यः ग्रामेभ्यः के जनाः कदा क्व गताः ? अगच्छन् ? /गतवन्तः ? ।
૫૭.	જેવી જેની ભાવના તેવી તેની સિદ્ધિ	यादृक्षी/यादृशी यस्य भावना तादृक्षी-शी तस्य सिद्धिः । यादृक्षी/शी भावना यस्य सिद्धि स्तादृक्षी/शी तस्य । यस्य यादृक्षी/शी भावना तादृक्षी/शी सिद्धिः तस्य ।
૫૮.	સરખા એવા આ બે બાળકો દેખાય છે	अमू द्वौ बालौ सदृशौ दृश्येते ।
૫૯.	જે નગરીઓમાંથી તમે વિહાર કરો છો તે નગરી-ઓના કેવાં નામો છે ?	याभ्यः नगरीभ्यः यूयम् विहरध्वे/विहरथ तासाम् नगरीणाम् कीदृक्षाणि नामानि सन्ति ?
૬૦.	કેવી પુસ્તિકાને તું ઝંખે છે ?	कीदृक्षाम्/कीदृशीम् पुस्तिकाम् त्वम् स्पृहयसि ?
૬૧.	સીતાને હરણ ગમે છે.	सीतायै मृगः रोचते ।
૬૨.	તને બે પુસ્તકો ગમે છે.	तुभ्यम् पुस्तके द्वे रोचेते ।
૬૩.	જિનેશ્વરને હું ગમું છું.	जिनेश्वराय अहम् रोचे ।
૬૪.	શિલ્પા મૌલિક રત્નાને ગમે છે.	शिल्पा मौलिक-रत्नायै रोचते ।
૬૫.	અમે રાજાને ગમીએ છીએ.	वयम् नृपाय/नृपतये रोचामहे ।
૬૬.	હે મિત્રો ! તમે મને ગમો છો.	हे मित्राणि ! यूयम् मह्यम् रोचध्वे ।
૬૭.	ક્યા માણસની કઈ કન્યાઓના ક્યા ઘરો ક્યાં છે ?	कस्य जनस्य कासाम् कन्यानाम् कानि गृहाणि कुत्र/क्व सन्ति ?
૬૮.	કયા દિવસે કયા બાળકો કેટલીવાર ખાય છે.	कस्मिन् दिने के बालाः कतिकृत्वः खादन्ति ?
૬૯.	કેવા દિવસે ક્યા બાળકો કેવા સમયે કેવી રીતે ખાય છે.	कीदृक्षे/शे दिने कीदृक्षाः बालाः कीदृक्षे/शे समये (कीदृक्ष्याम् वेलायाम्) कीदृशम् खादन्ति ?

७०.	જે અનેક ધર્મશાલાઓમાં જે માતાના સંતાનો વડે રહેવાય છે, એઓની પાસેથી આપણે પુસ્તકોને મેળવીએ છીએ.	यासु धर्मशालासु यस्याः मातुः संतानैः न्युष्यते, एभ्यः वयम् पुस्ताकानि लभामहे ।
७१.	તમારા ધર્મને યાદ કરીને અમારી ભગિનીઓ તેઓની સાથે યાત્રા કરવા માટે પગ વડે ચાલીને આનંદ પૂર્વક જાય છે.	युष्माकम् धर्मम् स्मृत्वा अस्माकम् भगिन्यः तैः सह यात्राम् कर्तुम् पादाभ्याम् चलित्वा आनन्देन गच्छन्ति ।
७२.	પેલા રાજાના અનેક પ્રધાનો અમારી પાસે સારી રીતે ભણે છે. तुला=છબડું, तुलाधरः= વ્યાપારી, हटः=હાટ, गुडः= ગોળ	अमुष्य नृपस्य अनेके प्रधानाः अस्माभिः सह सम्यग् पठन्ति ।
७३.	મારી દુકાનમાં બે વ્હેપારી છબડા વડે ઉત્તમ ગોળ જોખે છે.	मम हट्टे/टे द्वौ तुलाधरौ तलया उत्तमम् गुडम् तोलयतः ।
७४.	તમે કેમ છો ?	यूयम् कथम् स्थ ?
७५.	અમે તો મજામાં છીએ.	वयम् तु कुशलाः स्मः ।
७६.	તમારે કંઈ વાંધો નથી દિકરાઓ ઘણું કમાય છે.	युष्माकम् काऽपि त्रुटी न, दिक्कराः भृशम् अर्जन्ति ।
७७.	તમે આવો તો ખરા પછી આપણે વાતો કરીએ છે.	यूयम् आगच्छत एव पश्चाद् वयम् वार्तालापम् कुर्मः ।
७८.	તમે ક્યા ગામમાં રહો છો ?	यूयम् कस्मिन् ग्रामे वसथ ?
७९.	આજે વાંચનનો પાઠ શરૂ થાય છે.	अद्य वाञ्चनस्य पाठः प्रारम्भी भवति ।
८०.	તમારી શિષ્યાઓ શું ભણે છે ?	युष्माकम् शिष्याः किम् पठन्ति ?
८१.	વર્તમાન ચાતુર્માસમાં સુંદર આરાધના થઈ.	प्रवर्तमाने चातुर्मासे सुन्दरा/शोभना/ सम्यग् आराधना भूता ।
८२.	તે આર્યા હૉસ્પિટલમાં જાય છે.	सा आर्या चिकित्सालयम् गच्छन्ति ।
८३.	પ્રભુની આજ્ઞાને તમે સ્વીકારો.	प्रभोः आज्ञाम् यूयम् स्वीकुरुत/

		अनुरुध्यध्वम् ।
८४.	મારી સાથે તું બોલ નહીં.	मया सह त्वम् मा वद/मा वादीः ।
८५.	તમારા કાર્યોમાં અમે સહકાર આપીએ છીએ.	युष्माकम् कार्येषु वयम् सहकारम् प्रयच्छामः ।
८६.	સરકારી કાયદાઓ અસરકારી હોતા નથી.	राजकीयाः आदेशाः/नियमाः असरकारिणः प्रभावशालिनः न सन्ति ।
८७.	વેપારી લોકો કાયદામાંથી ફાયદા શોધે છે.	व्यापारिणः जनाः बन्धनात् गुणान् मार्गयन्ते ।
८८.	તમારી કૉલેજમાં કેટલી કન્યાઓ ભણે છે ?	युष्माकम् महाविद्यालये कतिपयाः कन्याः पठन्ति ?
८९.	તમારા પ્રિન્સિપાલ તેઓને ખુબ પ્રિય છે.	युष्माकम् आचार्यः तेभ्यः अतीव रोचते ।
९०.	હું મારા મિત્રને ગમતો નથી.	अहम् मम मित्रेभ्यः न रोचे ।
९१.	કઈ આર્યા ચશ્મા વડે ચોપડી વાંચે છે ?	का आर्या उपनेत्रेण पुस्तिकाम् पठति ?
९२.	તેણીના કપાળમાં કેશરનો ચાંદલો શોભે છે.	तस्याः ललाटे/भाल प्रदेशे/कपोले केशरस्य तीलकः राजते ।
९३.	તમે આંગળી વડે ચાવીનું પરાવર્તન કરો છો.	यूयम् अङ्गुल्या द्वारोद्घाटिकायाः/कुञ्चिकायाः परावर्तनम् कुरुथ ।
९४.	રામની જમણાની આંખનો ખૂણો લાલ છે.	रामस्य दक्षिण-नेत्रस्य प्रतिषेकः रक्तोऽस्ति ।
९५.	ધોળી દિવાલમાં તું પેન્ટરની પીંછી વડે રાતું ચિત્ર બનાવે છે.	श्वेतायाम् भित्तिकायाम् त्वम् चित्रकृतः/चित्रकारस्य पिच्छिकया रक्तम् चित्रम् विरचयसि ।
९६.	એક માજી અને ચાર કન્યાઓ પ્રભાવના લેવા માટે જાય છે.	एकावृद्धा चतस्त्रः च कन्याः प्रभावनाम् अनेतुम् गच्छन्ति ।
९७.	ખરેખર સંસ્કૃત ભાષા કેટલી બધી સરળ છે ?	खलु संस्कृत-भाषा कीयती सरलाऽस्ति ?
९८.	તમે એક વાક્ય લખવા માટે આપો છો.	यूयम् एकम् वाक्यम् लखितुम्/लेखनाय/लेखनार्थम् यच्छथ ।

૯૯.	તમે તમારું ગૃહકાર્ય પૂર્ણ કરો.	यूयम् युष्माकम् गृहकार्यम् पारयत ।
૧૦૦.	તમારી વાતોમાં મને રસ નથી.	युष्माकम् वार्तालापे/वार्तायाम् मम रुचिः न अस्ति ।
૧૦૧.	આ કંઈ તમારા બેટાનો બગીચો નથી.	इदम् किञ्चित् युष्माकम्/नः पुत्रस्य उद्यानम् न अस्ति ।
૧૦૨.	અમે કંઈ તમારું એઠું બોલતા નથી (પણ) પરંતુ અમારી જાતે વિચારીને બોલીએ છીએ.	वयम् युष्माकम् चर्वितम् न वदामः परन्तु वयम् स्वयम् विचार्य/संचिन्त्य वदामः ।
૧૦૩.	તમે ઝડપથી તમારાં પત્રમાં તમારાં વાક્યો લખો.	यूयम् झटिति/शीघ्रम्/त्वरया युष्माकम् पत्रे वाक्यानि लिखत ।
૧૦૪.	તમારે તે પાઠમાં જરૂર જવું જોઈએ.	यूयम् तस्मिन् पाठे अवश्यम् गच्छेत ।
૧૦૫.	મારા મામાની કન્યા કઈ પાઠશાળામાં સુંદર ભણે છે ?	मम मातुलस्य कन्या कस्याम् पाठशालायाम् सम्यक् पठति ?
૧૦૬.	જે થાંભલામાં તમારું નામ મારા બંને નેત્રો વડે દેખાય છે તે થાંભલો રાતો છે.	यस्मिन् स्तम्भे युष्माकम् नाम मम नेत्राभ्याम् दृश्यते सः स्तम्भः रक्तोऽस्ति ।
૧૦૭.	આદિનાથની આંગી જોઈને અમારું મન હર્ષ પામે છે.	आदेः अङ्गरचनाम् दृष्ट्वा अस्माकम् मनः/मानसम्/प्रमोदते/समुल्लसते ।
૧૦૮.	ઉત્તમ માણસોના જીવન ચરિત્રમાંથી તમારા દ્વારા શું પ્રાપ્ત કરાયું ?	महापुरुषाणाम् जीवन-चरित्रात् युष्माभिः किम् प्राप्तम्/अलभ्यत ?
૧૦૯.	તે હવેલીની બારીમાં પાંચ રાજકન્યાઓ ઊભી છે.	तस्य हर्म्यस्य वातायने पञ्च राजकन्याः तिष्ठन्ति ।
૧૧૦.	તમારી કુશળતા ઇચ્છતા એવા અમે અહીં કુશળ છીએ.	युष्माकम् कुशलताम् इच्छन्तः वयम् अत्र कुशलाः स्मः ।
૧૧૧.	ત્યાં સર્વેને મારી વંદના	तत्र सर्वेभ्यः मम (मे) वन्दना ।
૧૧૨.	પરમ કૃપાળુ પ્રગટ પ્રભાવી પાર્શ્વ પ્રભુની પરમ પૂનિત પ્રસાદ વડે પ્રતિદિન પ્રમોદ	परम-कृपालु-प्रगट-प्रभावि-पार्श्व-प्रभु-परम पूनित-प्रसादेन प्रतिदिनम् प्रमोदः प्रवर्तते ।

	પ્રવર્તમાન છે.	
૧૧૩.	અહીં અમારો અભ્યાસ બરાબર ચાલે છે.	अत्र अस्माकम् अभ्यासः सम्यक् प्रचलति ।
૧૧૪.	ત્યાં તમારી પ્રગતિ કહો.	तत्र युष्माकम् प्रगतिम् कथयत ।
૧૧૫.	જેમ લોહચુંબક લોખંડની કણીઓને આકર્ષે છે, તમે સિદ્ધાત્માઓ પુદ્‌ગલોને ખેંચતા નથી.	यथा लोहचुम्बकः अयः-कणान् कर्षति तथा सिद्धात्मनः कर्म-पुद्गलान् न कर्षन्ति ।
૧૧૬.	ચૌદમે ગુણસ્થાનકે કોઈ પણ જીવો ક્યારે પણ કર્મને બાંધતા નથી.	चतुर्दशे गुणस्थानके केऽपि जीवाः कर्म न बध्नन्ति ।
૧૧૭.	હિંસાના દર્શન વડે સજ્જનોના હૃદય કંપે છે.	हिंसायाः दर्शनेन/दर्शनात् सज्जनानाम्/साधूनाम् हृदयम् कम्पते ।
૧૧૮.	પદ્માવતી હસીને શિવા-દેવીની સાથે વાતો કરે છે.	पद्मावती हसित्वा शिवा-देव्या सह वार्ताम् करोति ।
૧૧૯.	તમારા બહેનની સાથે હું જમતી નથી.	युष्माकम् भगिन्या सह अहम् न जेमामि ।
૧૨૦.	આપણા ઘરમાંથી તે શ્રમણો અત્યારે પાઠશાળા તરફ જાય છે.	अस्माकम् गृहात् ते श्रमणाः इदानीम् पाठशालाम् प्रति गच्छन्ति ।
૧૨૧.	તું દાળમાં કોથમરી નાખે છે.	त्वम् सूपे कुस्तुम्बरीम् क्षिपसि ।
૧૨૨.	તેણીને નમસ્કાર થાઓ.	तस्यै नमः ।
૧૨૩.	તમારા દ્વારા હું કહેવાયું છું.	युष्माभिः अहम् कथ्ये ।
૧૨૪.	જેઓ વડે તમે વંદાયા તે ઉત્તમ રાજા હતા.	यैः यूयम् वन्दिताः ते उत्तमाः नृपाः आसन् ।
૧૨૫.	આપણા દ્વારા કોણ નિરખાયાં ?	अस्माभिः के निरीक्षिताः/निर्यैक्ष्यन्त ?
૧૨૬.	કેવી નગરીમાં તમે રહો છો ?	कीदृश्याम्/कीदृक्षायाम् नगर्याम् यूयम् वसथ ? ।
૧૨૭.	બલવાળાં અનેક હાથીઓ તે	बलवन्तः अनेके हस्तिनः तस्मिन्

	જંગલમાં દોડતાં હતાં.	कानने अधावन्/धाविताः । अधाविषुः ।
૧૨૮.	પાણી પીને ભોજન કરીને સ્નાન કરીને પૂજા કરીને પાછા ઘેર આવીને પિતાને નમીને તે વિદ્યાર્થિઓ ભણવા માટે વાહનમાં બેસીને ત્યાર પછી પગે ચાલીને શિક્ષકની પાસે આવીને અભ્યાસ માટે વિનન્તિ કરવા લાગ્યાં.	जलम् पीत्वा भोजनम् कृत्वा स्नात्वा पूजयित्वा पुनः गृहम् आगत्य पितरम् नत्वा ते विद्यार्थिनः पठितुम् याने उपविश्य तत्पश्चात् पादाभ्याम् चलित्वा शिक्षकस्य समीपे (अनुशिक्षकम्) आगत्य अध्ययनाय विनन्तिम् अकुर्वन्/प्रार्थयन्त ।
૧૨૯.	બજારમાં જાઈને છાપું વાંચીને ત્રાસવાદીઓ દ્વારા કરાયેલા આતન્કને જાણીને તેઓ ખિન્ન થયાં.	आपण-स्थानम् गत्वा समाचार-पत्रकम् पठित्वा त्रासवादिभिः कृतम् आतङ्कम् ज्ञात्वा ते खिन्नाः ।
૧૩૦.	હે પ્રભુ ! ભવોભવ મને આપનું શરણ મળે.	हे विभो ! प्रतिभवम् सर्व-भवे मह्यम् भवताम् शरणम् लभताम् ।
૧૩૧.	અમારી સાથે તમારે ન જમવું જોઈએ.	अस्माभिः सह/सार्धम्/समम् यूयम् न जेमेत ।
૧૩૨.	તમારાં વડે (દ્વારા) કહેવાયેલાં દરેક વાક્યો મારા વડે ઉપયોગ પૂર્વક વિચારાયાં.	युष्माभिः कथितानि सर्वाणि वाक्यानि मया उपयोगेन विचिन्तितानि/अचिन्त्यन्त ।
૧૩૩.	તે કુંડમાં પુષ્કળ પાણી છે.	तस्मिन् कुण्डे प्रभूतम् वारि अस्ति ।
૧૩૪.	તારો ભરોસો મુને ભારી	तव विश्वासः मम प्रबलः ।
૧૩૫.	રાજુલ વર નારી રૂપથી રતિ હારી.	राजुला वरा नारी रूपतः रतिः पराभूता/हारिता ।
૧૩૭.	પિસ્તોલની ગોળીઓ વડે તે પાગલ રાજાને વિંધે છે.	नलिकायाः गोलिकाभिः सः पागलः नृपतिम्/राजानम्/भूभुजम् विध्यति ।
૧૩૮.	તે ગાદી ઉપર અનેક ઓશિકાઓ છે.	तस्याम् गादिकायाम् (प्रभूतानि) अनेकानि उपधानानि/उच्छीर्शकानि सन्ति ।

- पुंलिंग

सम्पर्कः	સમ્પર્ક
परिचयः	પરિચય, ઓળખાણ
केशपाशः	ચોટલો
घृतवरः	ઘેબર
कटोरः	વાટકો
लेखः	લેખ, દસ્તાવેજ, ખત.
पर्पटः	પાપડ
संदेशः	સંદેશ, સમાચાર
समाचारः	સમાચાર, ખબર અંતર
लोहकान्तः	લોહચુંબક
चरण-रक्षकः	જૂત્તા, જોડાં ખાસડાં
ठोठः	ઠોઠ

स्त्रीलिंग

मार्जनी	પુંજણી
मेथी	મેથી
केश-मार्जनी	કાંશકો, દાંતીયો.
कर्तनी	કાતર
लेखनी	પેન
कूपी	બાટલી, બોટલ, શીશી.
स्थाली	સ્થાળી, ડીસ.
हसन्तिका	સગડી
गोलिका	ગોળી
नलिका	નળી, પાઈપ નહેર, નીક
प्रणालिका	પ્રણાલિકા, રિવાજ,
गाद्दिका	ગાદી
लप्सिका	લાપસી
उष्णिका	લાપસી
पादुका	जुत्ता

नपुंसकलिंग

चिर्भटकम्	ચીભડું
परिप्रश्नम्	પૂછપરછ
गन्धतैलम्	અત્તર-સેન્ટ
पत्राञ्जनम्	સાહી
उच्छीर्शकम्	ઓશિકું
उपधानम्	ઓશિકું
तक्रम्	છાસ, વસ્ત્ર
जीरकम्	જીરું
वर्तमान-पत्रकम्	વર્તમાનપત્ર, છાપું પેપર

विशेषण

पागल, नव	પાગલ, ગાંડો
नवीन, नूतन	નવિન નવું

१३९.	તારી કાંખમાં ઘી વડે ભરેલી કાંચની નવી બોટલ છે.	तव कुक्षौ/भुजकोटरे घृतेन भरिता/ घृत-भरिता नवीना काचस्य कूपी अस्ति ।
१४०.	સાહીના ખડિયામાં કાળી સાહી મારા વડે દેખાય છે.	मषी-कूप्याम् कृष्णा मसी/कृष्ण-पत्राञ्जनम् मया दृश्यते ।
१४१.	સાંવરણી વડે હે દાસી ! તું	मार्जन्या हे दासि ! त्वम् शीघ्रम्

	જલ્દી કચરો કાઢ કારણ કે હમણાં મારો પાઠ છે.	खलम् अपनय यतः अधुना मम (मे) पाठः अस्ति ।
१४२.	તારી થાળીમાં ચીભડાના ટુકડા છે.	तव स्थाल्याम् चिर्भटकस्य खण्डानि सन्ति ।
१४३.	તમારો પરિચય આપો.	युष्माकम् परिचयम् (यूयम्) प्रयच्छत
१४४.	નૂતન જિનાલયમાં તું પ્રવેશ કર.	नूतने जिनालये त्वम् प्रविश ।
१४५.	તે કવિ પોતાના નવાં કાવ્યો ફટાફટ બનાવે છે.	सः कविः स्वकीयानि नवानि काव्यानि शीघ्रातीशीघ्रम् रचयति ।
१४६.	મને મેથી મીઠી લાગતી નથી તમને પણ શું કડવી લાગે છે ?	मम मेथी मधुरा न लगति युष्माकम् अपि किम् कटुः लगति ?
१४७.	હે વૃદ્ધ ! તું શા માટે પૂછપરછ કરે છે ?	हे वृद्ध ! त्वम् कथम् परिप्रश्नम् करोषि ?
१४८.	તે શ્રમણોના ચોલપટ્ટાઓ ઘણા મલીન છે.	तेषाम् श्रमणानाम् चोलपट्टकाः परिधूसराः सन्ति ।
१४९.	તમે ભાત પછી પાપડ ખાઓ છો ?	यूयम् ओदनस्य-पश्चात्/ओदन-पश्चात् पर्पटम्/पर्पटकम् खादथ ?
१५०.	જે સગડીઓમાં અનેક અંગારા છે તેની પાસે તમે શા માટે જાવ છો ?	यासु हसन्तीकासु अनेकानि अङ्गाराणि सन्ति तासाम्/तत् समीपे यूयम् कथम् गच्छथ ?
१५१.	આજે અમારાં વડે સોળ વાક્યો લખાયાં.	अद्य अस्माभिः षोडश वाक्यानि लिखितानि ।
१५२.	તું વિજય પામ.	त्वम् विजयस्व ।
१५३.	બે થાંભલાની વચ્ચે અનેક વૃક્ષોમાં આવેલાં ફળોને જોતાં તમે આનંદ પામો છો.	द्वयोः स्थम्भयो/स्तम्भयोः मध्ये अनेकेषु वृक्षेषु आगतानि फलानि पश्यन्तः यूयम् मोदध्वे ।
१५४.	સિંહ વડે ખવાયેલી કન્યાને જોતો તું ઊભો છે.	सिंहेन खादिताम् कन्याम् पश्यन् त्वम् तिष्ठसि ।
१५५.	અમારા વડે લઈ જવાયેલા પુસ્તકોમાંથી સરલા વડે	अस्माभिः नीतेभ्यः पुस्तकेभ्यः सरलया कथिता वार्ता मया दृष्टा/

	કહેવાયેલી કથા મારા વડે દેખાઈ.	अदृश्यत ।
१५६.	વાંદરાઓને દેખતી આર્યાઓને જોતાં મયૂરોને જોતી તું હર્ષ પામે છે.	कपीन् पश्यन्तीम् आर्याम् पश्यतः मयूरान् पश्यन्ती त्वम् मोदसे ।
१५७.	આપણા વડે વવાયેલા બીજોમાંથી ઊગેલાં અનેક વૃક્ષો વડે તે ઉદ્યાન શોભે છે.	अस्माभिः उप्तेभ्यः बीजेभ्यः उद्गतैः अनेकैः वृक्षैः तद् उद्यानम् शोभते ।
१५८.	વાઘ વડે ખવાતા બાળક વડે ખવાતા ફળોને તું મેળવે છે.	व्याघ्रेण खाद्यमानेन बालेन खाद्यमानानि फलानि त्वम् लभसे/प्राप्नोषि ।
१५९.	હે બેન ! તું સંગીત બંધ કર નહિંતર અમે પાઠ બંધ કરીએ છીએ.	हे भगिनि ! त्वम् संगीतम् संवृणु अन्यथा वयम् पाठम् संवृण्मः ।
१६०.	તમે પહેલા પાઠમાં આવ્યાં કે બીજા પાઠમાં આવ્યા.	यूयम् प्रथमे पाठे आगताः/आगतवन्तः द्वितीये वा पाठे जग्म/आगताः ?
१६१.	આ નગરના આ ચાતુર્માસના દરેક આચાર્ય ભગવંતો દરરોજ કમસેકમ એક વખત તલેટીએ સંગીતની સાથે અવશ્ય જાય છે.	अस्य नगरस्य अस्य चातुर्मासस्य सर्वे आचार्य-भगवन्तः प्रतिदिनम् न्यूनातिन्यूनम् अपि सकृत्/एकवारम् तटीस्थलम् संगीतेन सह अवश्यम् गच्छन्ति ।
१६२.	મારા વડે આ પાઠ ભણવા યોગ્ય છે.	मया असौ पाठः पठनीयः ।
१६३.	અમારા વડે તે જિનાલયો દેખવા યોગ્ય છે.	अस्माभिः ते जिनालयाः दर्शनीयाः ।
१६४.	બે આચાર્ય વડે અહીં જલ્દી આવવા યોગ્ય છે.	द्वाभ्याम् आचार्याभ्याम् अत्र झटिति आगन्तव्यम् । आगमनीयम् अस्ति ।
१६५.	જેણી વડે તું કહેવાય છે તેણી વડે તે બે આચાર્યો વંદન કરવા	यया त्वम् कथ्यसे तया द्वौ तौ आचार्यौ वन्दनीयौ/वन्द्यौ स्तः ।

	યોગ્ય છે.	
૧૬૬.	આર્યાઓ વડે સંસ્કૃત ભણવા યોગ્ય છે.	आर्याभिः संस्कृतम् पठनीयम् ।
૧૬૭.	તારા વડે માર ખાવા યોગ્ય છે.	त्वया तर्जना खादितव्या/खाद्या/प्राप्या अस्ति ।
૧૬૮.	બે રાજકુમારો વડે સીતા પૂજવા યોગ્ય છે.	राजकुमाराभ्याम् सीता पूज्या/पूजनीया ।
૧૬૯.	હવે દ્વિતીય પાઠ શરૂ થાય છે.	अथ द्वितीयः पाठः प्रारम्भीभवति ।
૧૭૦.	હું તમને વાક્યો લખવા માટે આપું છું.	अहम् युष्मभ्यम् वाक्यानि लेखितुम् यच्छामि ।
૧૭૧.	તેઓ અમારી સાથે આવે છે.	ते अस्माभिः सह आगच्छन्ति ।
૧૭૨.	તમને કોણ કહે છે ?	युष्मान् कः कथयति ?
૧૭૩.	અમારા જીવનમાં હે નમસ્કાર! તું રહે છે.	अस्माकम् जीवने हे नमस्कार ! त्वम् वससि ।
૧૭૪.	આપણા ગામમાં એક સુંદર પાઠશાળા છે.	अस्माकम् ग्रामे एका शोभना पाठशाला अस्ति ।
૧૭૫.	તેઓ દરરોજ વહેલાં આવે છે.	ते प्रतिदिनम् शीघ्रम् आगच्छन्ति ।
૧૭૬.	બે આર્યાઓ રજોહરણ વડે જમીનને પુંજીને ત્યાર પછી પોતાનું આસન નીચે મુકે છે.	द्वे आर्ये रजोहरणेन भुमिम् प्रमृज्य तत् पश्चात् स्वीयम् आसनं पृथ्वी-तले स्थापयतः । आसनम् अधः मुञ्चतः ।
૧૭૭.	તારી પેનમાં સાહી ઓછી છે નહિંતરતો તું અનેક વાક્યો લખે તેવી છો.	तव लेखिन्याम् पत्राञ्जनम्/मसी अल्पम्/अल्पा अस्ति । अन्यथा तु त्वम् अनेकानि वाक्यानि लिखेत्री तादृशा असि ।
૧૭૮.	આજે અહીંકને સ્પર્ધા થાય છે.	अद्य अत्र स्पर्धा भवति ।
૧૭૯.	તમારે સમાસનાં પાઠમાં આવવું છે કે નહિં એ વાત કરો પહેલાં.	यूयम् समास-पाठे आगच्छत न वा अमूम् वर्ताम् प्रथमम् कुरुत ।
૧૮૦.	મહાવીર સ્વામીના વખતના	महावीर-स्वामि-कालिनः साधवः

	સાધુએ ચોમાસાની સંમતિ માટે શું આજ્ઞા પત્રનો ઉપયોગ કરતાં હતાં ?	चातुर्मासस्य सम्मन्त्यै किम् आज्ञा-पत्रस्य उपयोगम् अकुर्वन्/चक्रुः ?
१८१.	ડસ્ટરનો બંને બાજુનો ભાગ આટલો ઉપર આવે તો સારું.	परिमार्जकस्य द्वयोः पार्श्वयोः भाग-द्वयम् एतावत् उपरि आगच्छेत् तर्हि शोभनम् ।
१८२.	અમારાં આચાર્યોના અનેક શિષ્યોમાંથી ઘણા ઉત્તમ છે.	अस्माकम् आचार्याणाम् अनेकेभ्यः शिष्येभ्यः प्रभूताः उत्तमाः (शिष्याः) सन्ति ।
१८३.	તારા માંથામાં વાસક્ષેપ છે.	तव मस्तके/ शिरसि वासक्षेपः अस्ति ।
१८४.	અહીંના વાક્યો તો શરૂ કરો ટાઈમ જાય છે.	अत्रत्यानि वाक्यानि आरम्भध्वम् समयः गच्छति ।
१८५.	ડસ્ટરમાંથી ઘણી ચાકની રજકણો નીકળે છે.	परिमार्जकात् प्रभूताः खड्याः रजः-कणाः निर्गच्छन्ति ।
१८६.	તમારાં ગામમાં કેટલી પાઠશાલા છે ?	युष्माकम् ग्रामे कतिपयाः पाठशालाः वर्तन्ते ।
१८७.	અહીં અમારી તબિયત ઠીક છે.	अत्र अस्मकम् अरोग्यम् शोभनम् अस्ति । वर्तते ।
१८८.	શુભ કાર્યમાં હું અવશ્ય સ્મરણ કરવા યોગ્ય છું.	शुभ कार्ये अवश्यम् स्मरणीयः अहम् अस्मि ।
१८९.	કાર્ય અને સેવા જણાવવા યોગ્ય છે.	कार्य-सेवे ज्ञापनीये ।
१९०.	આ વેકેશનમાં તમે ક્યા તીર્થનો પ્રવાસ કરો છો ?	एषु विराम-दिनेषु यूयम् कस्य तीर्थस्य प्रवासम् कुरुथ ?
१९१.	તે આર્યા પેન વડે કાનને ખણે છે.	सा आर्या कलमेन कर्णम् खनति-ते ।
१९२.	આ પંખામાં તારા પપ્પાનું નામ મારા વડે દેખાય છે.	अस्मिन् व्यजने तव जनकस्य/पितुः नाम मया दृश्यते ।
१९३.	હે મહિલા ! શું તું તારા	हे महिले ! त्वम् तव बालेभ्यः

	બાળકોને ધાર્મિક શિક્ષણ આપે છે ?	धार्मिकशिक्षणम् प्रयच्छसि किम् ?
१९४.	હા, અમે તો દરરોજ અમારાં બાળકોને પાઠશાળા જવા માટે ભલામણ કરીએ છીએ પછી જાય કે ન જાય એ એમની મરજી.	ओम्, वयम् तु प्रतिदिनम् अस्माकम् बालान् पाठशालाम् गन्तुम् प्रेरणाम् कुर्मः पश्चात् (तु) ते गच्छेयुः वा न वा तत्तु एतेषाम् इच्छा ।
१९५.	તમે શા માટે અહીં ઘોંઘાટ કરો છો ? અમારા પાઠમાં ગડબડ થાય છે.	यूयम् कथम् अत्र कोलाहलम् कुरुथ ? अस्माकम् पाठे स्खलना भवति ।
१९६.	અમારી આ પાઠશાળામાં ચોવીશ (૨૪) બારી ચાર (૪) દરવાજા બે (૨) ગાદી એક ૧ ઓશિકું. બે (૨) બ્લેક બોર્ડ ત્રણ (૩) માટલી આઠ (૮) પંખા. અગ્યાર (૧૧) ટ્યુબલાઈટ એક (૧) ચશ્માવાળાં આર્યા ઘડિયાલ વગરની દિવાલો અને વાક્યો લખતી સત્તર (૧૭) આર્યાઓ છે.	अस्माकम् अस्याम् पाठशालायाम् चतुर्विंशतिः वातायनानि/गृहाक्षाणि चत्वारि द्वाराणि गादिका-द्वयम् एकम् उच्छीर्शकम् द्वौ कृष्ण-फलकौ त्रिस्त्रः घट्यः अष्टौ व्यजनानि एकादश दण्ड-दीपाः/तेजोयष्ट्यः एका उपनेत्रवती आर्या घटिका-रहित-भत्तिकाः वाक्यानि च लिखन्त्यः सप्तदश आर्याः सन्ति ।
१९७.	હવે આર્યાઓ સ્વયમ જ વાંચન કરે છે.	अथ आर्याः स्वयम् एव वाञ्चनम् कुर्वन्ति ।
१९८.	મુકામમાં અમે આ વાક્યો અમારી શિષ્યાઓને કહીએ છીએ.	वसतौ वयम् अमूनि वाक्यानि अस्माकम् शिष्याभ्यः कथयामः ।
१९९.	જો પાઠ બંધ જ કરવાનો હોય તો વાક્યો જ લખાવો.	यदि पाठः संवरणीयः एव तर्हि वाक्यानि एव लेखयेत ।
२००.	તમે તો ખરેખર ગપ્પા લગાવો છો.	यूयम् तु नाम गप्पगोलकम् क्षिपथ ।
२०१.	પલંગ ઉપરના ગાદલાઓને તે	पल्यंकस्य उपरि/स्थिताः गादिकाः

	તપાસે છે અને તોમાંથી હાથ રૂમાલ કાઢે છે.	सा मृगयते ताभ्यां च हस्तपट्टकम् उद्धरति (गृह्णाति)।
२०२.	તે આર્યા કાંમળીને સંકેલે છે અને જાય છે.	सा आर्या कम्बलम् संवृणोति गच्छति च।
२०३.	ના એવું નથી લખાવ્યું.	ना/नहि/न इद्दक्षम् न लेखितम्।
२०४.	હજુ તો પાઠને વાર છે થોડાં વાક્યો લખો.	अथ अपि पाठस्य समयः अस्ति अल्पानि/स्तोकानि वाक्यानि लिखत।
२०५.	તમે તો ખૂબ પાવરફૂલ છો.	यूयम् तु भृशम्/अतीव शक्ति-सम्पन्नाः स्थ।
२०६.	તમારા વડે જરૂર નવા પાઠમાં આવવા યોગ્ય છે પરંતુ બીજા પાઠ ન બગડે તેનું ધ્યાન રાખવું.	युष्माभिः नूतने-पाठे अवश्यम् आगन्तव्यम् परन्तु अन्ये/अपरे पाठाः न दुष्येयुः तत् चिन्त्यम्।
२०७.	આ લાકડી ચાર ખૂણાવાળી છે.	असौ दण्डिका चतुष्कोणा अस्ति।
२०८.	આ લાઈનો સ્રિધિ છે.	अमूः रेखाः सरलाः सन्ति।
२०९.	તેણીની પેનમાં સાહી ખુટી જાય છે.	तस्याः लेखिन्याम् मसी त्रुटति।
२१०.	હું વીરને નમું છું.	वन्दे वीरम्।
२११.	આજે એક દિવસ માટે કોણ જાય ? માટે બધા નથી આવ્યા.	अद्य एक-दिनार्थं/दिनाय कः गच्छेत्? अतः एव सर्वाः (आर्याः) न आगताः।
२१२.	આવતી કાલે આ ટાઈમમાં પાંચમાં કર્મગ્રન્થનો પાઠ છે.	श्वः/श्वस्तने दिने अमुष्याम् वेलायाम् पञ्चम कर्मग्रन्थस्य पाठः अस्ति।
२१३.	હે વેપારી ! તું કાટલા વડે ત્રાજવામાં અન્ન જોખીને મને આપ.	भो तुलाधर ! त्वम् तोलकेन तुलायाम् अन्नम् तोलयित्वा मह्यम् प्रयच्छ।
२१४.	પરમાત્માની નાભીમાં કસ્તુરીની ગંધ છે.	परमात्मनः नाभौ/उदरावर्ते कस्तुरी-गन्धः अस्ति।
२१५.	ભીમ પોતાના બલવડે મેરુની તુલના કરે છે. અને તે	भीमः स्वीयेन बलेन मेरोः तुलनाम् करोति। सा च राज-कुमारी स्वस्याः

	રાજકુમારી પોતાના સુમધુર કંઠ વડે કોકિલની તુલના કરે છે.	(स्वीयेन) सुमधुर-कण्ठेन कोकिलस्य तुलनाम् करोति ।
૨૧૬.	તેણીની સાડીમાં લીલો રંગ છે.	तस्याः साटिकायाम् नील-वर्णः अस्ति ।
૨૧૭.	આપણા જીવનમાં અનેક ઉત્તમગુણો વિકાસ પામે તે માટે આપણે સાચા ભાવપૂર્વક જિનેશ્વરને પ્રાર્થીએ.	अस्माकम् जीवने अनेके उत्तम-गुणाः विकसेयुः तदर्थं वयम् सत्य-भावेन जिनेश्वरम् प्रार्थयेमहि ।
૨૧૮.	તમારા ક્ષેત્રમાં તેઓ શા માટે વિહાર કરે છે ?	युष्माकम् क्षेत्रे ते कथम् विहरन्ति ?
૨૧૯.	તેની ચાવીવડે તે રૂમનું તાળું ખોલે છે. उद्घाटिनी =ચાવી કુંચી.	तस्य कुञ्चिकया सः (जनः) वर्गस्य-खण्डस्य/कक्षायाः तालकम् उद्घाटयति ।
૨૨૦.	તે રાજા હિંચકા ઉપર બેઠેલો છે.	स नृपतिः दोलायाम् उपविष्टः अस्ति ।
૨૨૧.	તલવારના ઘા વડે તે મૃત્યુ પામે છે.	असेः/खड्गस्य घया सः म्रियते ।
૨૨૨.	થપ્પડ વડે તે તેનો ગાલ લાલ કરે છે.	कराघातेन सः तस्य कपोलम् रक्तम् करोति/रक्तीकरोति ।
૨૨૩.	ઝીણી દોરીવડે તે આર્યા વસ્ત્રને સીવે છે.	सूक्ष्म-तन्तुना सा आर्या वस्त्रम् सीव्यति ।
૨૨૪.	એ તો એમ જ કહેવાય.	एतद् तु एवम् एव कथ्येत ।
૨૨૫.	પર્વત ઉપરથી અનેક હાથીઓ જલ્દી નીચે પડે છે.	गिरेः/शिखरिणः अनेके हस्तिनः शिघ्रम् निपतन्ति ।
૨૨૬.	હું ભાવવડે દેવાધિદેવને નમું છું.	अहम् भावेन देवाधि-देवम् नमामि । वन्दे ।
૨૨૭.	કુમારપાલ જીવદયાનું પાલન કરે છે.	कुमारपालः जीवदयाम् पालयति ।
૨૨૮.	ભોજરાજા કાવ્યો બનાવે છે.	भोजः काव्यानि रचयति ।

२२९.	જિનેશ્વર ઉપદેશ આપે છે.	जिनः उपदेशम् यच्छति ।
२३०.	મુસાફર ગામ જાય છે.	प्रवासी ग्रामम् गच्छति ।
२३१.	વડ છાયો આપે છે.	वटः छायाम् यच्छति ।
२३२.	બિલાડો દૂધ પીએ છે.	बिडालः दुग्धम् पिबति ।
२३३.	વૃક્ષ ફલ આપે છે.	वृक्षः फलम् यच्छति ।
२३४.	દીવો પ્રકાશ આપે છે.	दीपः प्रकाशम् यच्छति ।
२३५.	ધન ગુણો આપે છે.	धनम् गुणान् यच्छति ।
२३६.	નલ દમયંતીને છોડે છે.	नलः दमयन्तीम् त्यजति ।
२३७.	અમે સૂર્યને જોઈએ છીએ.	वयम् सूर्यम्/रविम्/भानुम्/दिवाकरम्/पश्यामः ।
२३८.	ગધેડો વાનરાને ભેટે છે.	रासभः/खरः कपिम्/वानरम् मिलति ।
२३९.	સિદ્ધસેન કાવ્યો રચે છે.	सिद्धसेनः काव्यानि सृजति ।
२४०.	રાજા ન્યાય જાહેર કરે છે.	नृपः/राजा/भूपालः/न्यायम् घोषयति । पृथ्वीपतिः/भूधरः ।
२४१.	સાર્થવાહ માણસોને લઈ જાય છે.	सार्थवाहः जनान् नयति ।
२४२.	ઘુવડ સૂર્યને નથી જોતું.	उलूकः सूर्यम् न पश्यति ।
	पत्र	**पत्रकम्/दलम्**
१.	શાન્ત-દાન્ત-ત્યાગી-વૈરાગિ-પંચ મહાવ્રતધારિ-સચ્ચારિત્ર ચૂડામણિ ષટ્કાય જીવ રક્ષક-શ્રુત જ્ઞાન વાંછુક વિનયાદિ ગુણ ગણાલંકૃત લઘુ બંધુ મુનિરાજ શ્રી....વિજયજી મહારાજના પરમ પૂનિત ચરણારવિંદ મધ્યે.	शान्त-दान्त-त्यागि-वैरागि-पञ्च महाव्रत धारि-सच्चारित्र चूडामणि-षट्काय जीव रक्षक-श्रुतज्ञान वाञ्छुक-विनयादि गुण-गणालङ्कृतादरणीय लघु बन्धु-मुनिराज श्री ....विजय महाराजस्य परमपूनित-चरणारविन्द-मध्ये ।
२.	પાદલિપ્ત નગરથી મંદ બુદ્ધિવાળા અધ્યાપક....ની નમસ્કાર શ્રેણીઓ સ્વીકારવા	पादलिप्त-नगरतः मन्दमतेः अध्यापकस्य....नति-ततयः स्वीकार्याः ।

	યોગ્ય છે.	
૩.	દેવ ગુરુ કૃપાથી અહીં સુખશાતા પ્રવર્તમાન છે. ત્યાં પણ તેમજ હોય. ઘણા દિવસથી આપનો પત્ર નથી તો અનુગ્રહ કરીને (પત્ર) લખવો.	देव-गुरु-कृपातः अत्र सुख-शाता प्रवर्तमानाऽस्ति । तत्राऽपि तथैवाऽस्ति । बहु-दिवसतः भवदीयम् पत्रकम् नास्ति तर्हि अनुग्रहम् कृत्वा (पत्रम्/दलम्) लिखेत ।
૪.	હવે તમે વિહાર કરીને યાત્રા માટે અહીં ક્યારે આવો છો ?	अथ यूयम् विहृत्य यात्रायै अत्र कदा आगच्छथ ?
૫.	અહીં અમારો અભ્યાસ સારો ચાલે છે.	अत्र अस्माकम् अभ्यासः सम्यग् चलति ।
૬.	આર્યા....રત્ના વડે કહેવાયું છે કે "આપના દ્વારા મોકલાવાયેલ પુસ્તકો તથા પત્રો મળ્યા છે."	आर्या....रत्नया कथितम् यद्-"युष्माभिः प्रेषितानि पुस्तकानि पत्राणि च लब्धानि सन्ति ।"
૭.	તમને બધાને તપશ્ચર્યાની શાતા હશે, ત્યાં આચાર્ય ભગવંતોને મારી વંદના. કાર્ય સેવા ફરમાવશો.	युष्माकम् सर्वेषाम् तपश्चर्यायाः शाता स्यात् । तत्र परमेष्ठि-मध्य-स्थान-प्रप्तेभ्यो मे वन्दना । कार्य-सेवे ज्ञापनीये ।
૮.	ભૂલચુક માફ કરવા યોગ્ય છે. સુધારીને આ પત્ર વાંચવા યોગ્ય છે. શુભ કાર્યે અવશ્ય યાદ કરવા યોગ્ય છું.	क्षतय ४ क्षन्तव्याः । परिमृज्य एतत् पत्रकम् पठनीयम् । शुभ-कार्येऽवश्यं स्मरणीयः ।
૯.	પત્રનો પ્રત્યુત્તર અવશ્ય આપશો.	पत्रस्य/दलस्य प्रत्युत्तरम् अवश्यम् दातव्यम् ।
૧૦.	લખાય છે....ની વંદના.	लिख्यते....स्य वन्दना ।

प्रकरण
भाष्य
कर्मग्रन्थ
पंचसंग्रह
कम्मपयडी
बृहत्संग्रहणी
बृहत्क्षेत्रसमास
लोकप्रकाश
तत्त्वार्थ
टीकाओ
प्रथमा
मध्यमा
उत्तमा
प्राकृत
व्याकरण
रघुवंश
नैषध

किरात
प्राचीन लिपि
त्रिषष्टि
न्यायभूमिका
तर्कसंग्रह
मुक्तावलि
स्याद्वादमंजरी
प्रमाणनय तत्त्वालोक
रत्नाकरावतारिका
षोडशक
व्याप्तिपञ्चक
योगशतक
योगदृष्टि समुच्चय
योगविंशिका
विंशतिर्विंशिका
तर्कभाषा

उपरोक्त अभ्यास माटे मलो

हरेशभाई लवजीभाई कुबडिया

१३, नवकार एपार्टमेंन्ट, हाई स्कूलनी पाछळ
तलेटी रोड,
पालिताणा - ३६४२७०. गुजरात - भारत.

लेखकोने बीजी आवृत्ति समये प्रूफनी झंझटथी बचवा
उपरोक्त स्थले संपर्क करो.
M-9426316889